● वर्ष-3
● अंक-206
रायपुर, मंगलवार
09 अप्रैल 2024
● पृष्ठ-8
● मूल्य-3 रु.
samacharpacheesa@gmail.com

।। संगच्छध्वम् संवदध्वम् ।।

समाचार पचीसा

राजनीति का जनपक्षकार

पेज-6›› आज से चैत्र नवरात्रि

बस्तर से मोदी की दहाड़ : लाठी से सिर फोड़ने की कांग्रेस की धमकी से मैं नहीं डरने वाला

जब तक गरीब की हर चिंता दूर नही होगी, चैन से नहीं बैठूंगाः प्रधानमंत्री

कांकेर/ रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भारतीय जनता पार्टी विजय संकल्प शंखनाद रैली में सोमवार को हुँकार भरते हुए कहा कि कांग्रेस के नेता लाठी से मोदी का सिर फोड़ने की धमकी दे रहे हैं, लेकिन मोदी गरीब का बेटा है सिर ऊँचा करके चलता है। मोदी इनकी धमकियों से डरने वाला नहीं है। गरीबों को जिन्होंने लूटा उन्हें सजा मिलनी चाहिए। कोई घर में घुस आए और लूटपाट करने लगे तो परिवार का हर सदस्य भिड़ जाता है और मोदी के लिए तो मेरा भारत मेरा परिवार। प्रधानमंत्री श्री मोदी ने बस्तर की धरती पर भानपुरी विधानसभा क्षेत्र स्थित स्व. बलीराम कश्यप के ग्राम आमाबाल में भाजपा की महती चुनावी सभा को संबोधित करते हुए कहा कि मोदी की रक्षा देश के करोड़ों लोग करेंगे। हमने जब घोटालेबाजों का रास्ता रोका, बिचैलियों की कमाई बंद की, तब से इनका पारा सातवें आसमान पर पहुंच गया। छत्तीसगढ़ में कांग्रेस के भ्रष्टाचार किया। यहाँ के लोगों के साथ धोखा किया, उनकी जांच चल रही है। अपने देश को अपने परिवार को लूटपाट से बचाने में जुटा हूं। मोदी कहता है भ्रष्टाचार हटाओ और कांग्रेस कहती है भ्रष्टाचारी बचाओ। प्रधानमंत्री मोदी ने बस्तर में जनसंघ व भाजपा के प्रमुख स्तम्भ रहे स्व. बलीराम कश्यप की यादों को साझा करते हुए कहा कि कांग्रेस की सरकार के समय भ्रष्टाचार ही देश की पहचान बन गई थी और इससे सबसे ज्यादा नुकसान गरीबों का होता है। भ्रष्टाचार गरीब का अधिकार छीन लेता है। 2014 से पहले लाखों-करोड़ों रुपए के घोटाले होते थे। कांग्रेस की सरकार में दिल्ली से 1 रुपए निकलता था और सिर्फ 15 पैसा लोगों तक पहुंचता था। यह बात कांग्रेस के ही प्रधानमंत्री ने कही थी। तो बताओ, वह कौन-सा पंजा था जो बाकी के 85 पैसे मारता था। मोदी ने कांग्रेस की लूट की ऐसी व्यवस्था बंद कर दी। श्री मोदी ने कहा कि भाजपा सरकार ने 10 साल में 34 लाख करोड रुपए सीधे लाभार्थियों के बैंक खाते में भेजे हैं। दिल्ली से 1 रुपए भेजे और पूरे 100 पैसे गरीब के खातों में जमा हो गए। जब सीधा पैसा जा रहा है और एक भी पैसा कांग्रेस लूट नहीं पाई। अगर देश में कांग्रेस की सरकार होती तो यह कांग्रेस गरीबों के 34 लाख करोड़ रुपए में से 28 लाख करोड़ रुपए लूट लेती। आजादी के बाद कांग्रेस को देश लूटने का लाइसेंस मिल गया था। 2014 में भाजपा की सरकार बनने के बाद मोदी ने कांग्रेस की लूट की लाइसेंस से कैंसिल कर दिया है और यह लाइसेंस इसलिए खत्म हुआ क्योंकि आप सभी के आशीर्वाद से मुझे लाइसेंस मिला था। जब उनकी दुकान बंद हुई और उनका लाइसेंस चला गया तब मोदी को गाली देने लगे।

प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि पिछले 10 वर्षों में देश कहाँ-से-कहाँ पहुँचा है, देश ने कितनी प्रगति की है, और उसमें आप सब का जो साथ मिला है। छत्तीसगढ़ वासियों ने मोदी की गारंटी पर मुहर लगाई है और आज इस विश्वास से पूरा देश कह रहा है- फिर एक बार मोदी सरकार। श्री मोदी ने कहा कि अनेक दशकों बाद देश ने भाजपा की स्थिर और मजबूत सरकार देखी है। गरीब का कल्याण हमारी सरकार की सबसे बड़ी प्राथमिकता रही। आजादी के बाद दशकों तक गरीब की जरूरत को कांग्रेस की सरकारों ने नजरअंदाज किया। कच्ची छत के नीचे रहने की तकलीफ क्या होती है यह मोदी जानता है, जब घर में राशन नहीं होता तब एक माँ पर क्या बीतती है यह मोदी जानता है, जब दवा खरीदनी हो और दवा खरीदने के लिए घर में पैसा नहीं होते तो इसकी तकलीफ मोदी जानता है।

आदिवासियों का समुचित विकास हो इसके लिए भाजपा और अटलजी न छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया : साय

छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ भारत रत्न श्रद्धेय अटलजी की देन है, भाजपा की देन है। आदिवासियों का समुचित विकास हो, इसके लिए भाजपा और अटलजी ने छत्तीसगढ़ राज्य का निर्माण किया। भाजपा ने ही राष्ट्रपति पद पर आदिवासी समाज की बेटी श्रीमती द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाकर आदिवासी समाज का सम्मान किया है। छत्तीसगढ़ और बस्तर से प्रधानमंत्री श्री मोदी का लगातार लगाव बना हुआ है। बस्तर से आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत हुई जिसके कारण आज पूरा देश आयुष्मान भारत योजना के लाभ से लाभान्वित हो रहा है। वन धन केंद्र जाकर छत्तीसगढ़ के वनवासी 100 से अधिक प्रकार के वनोपज का संस्करण कर रहे हैं।

10 वर्षों में मोदी के नेतृत्व में विश्व मंच पर भारत ने ऊँचाइयों को प्राप्त किया है : किरण देव

भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव ने कहा कि जब बात मोदी की गारंटी की योजनाओं की हुई तो आप सभी के आशीर्वाद से छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बनी और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के सुशासन की चर्चा आज पूरे देश में हो रही है। श्री देव ने कहा कि इन 10 वर्षों में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में विश्व के मानचित्र पर भारत ने ऐसी ऊँचाइयों को प्राप्त किया है जिसमें मोदी की गारंटी सम्मिलित है। पूरे देश के कोने-कोने में गरीब और वंचितों के लिए सभी योजनाएँ संचालित की जा रही हैं। बस्तर के सुदूर इलाकों में रहने वाले लोगों के पास भी प्रधानमंत्री की जनकल्याणकारी योजनाओं का लाभ मिल रहा है। देश विकास की ओर अग्रसर हो रहा है। इस बार छत्तीसगढ़ की सभी 11 लोकसभा सीटें जीतने के लक्ष्य को लेकर भाजपा कार्य कर रही है।

आँय-बाँय बोल रही कांग्रेस को अब बाय-बाय करना है : अरुण साव

प्रदेश के उप मुख्यमंत्री अरुण साव ने सभा को संबोधित करते हुए कहा कि आप सबके आशीर्वाद से प्रदेश में भाजपा की सरकार बनी है और मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय मोदी की गारंटी को तेजी से पूरा कर रहे हैं। प्रधानमंत्री आवास योजना को लेकर हमने आंदोलन किया था और प्रदेश अध्यक्ष होने के नाते हमने घोषणा की थी अगर हमारी सरकार बनती है तो मुख्यमंत्री आवास में जाने से पहले गरीबों के प्रधानमंत्री आवास की फाइल पर दस्तखत करके फाइनल होने के बाद ही भाजपा के मुख्यमंत्री अपने आवास में जाएंगे और प्रदेश ने देखा कि 13 दिसंबर को शपथ ग्रहण के अगले दिन 14 दिसंबर को ही 18 लाख प्रधानमंत्री आवास को स्वीकृति हमारी सरकार ने दे दी।

चुनाव जीतने के लिए राहुल ने ली थी पीएफआई की मदद

नई दिल्ली. भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री स्मृति ईरानी ने दावा किया कि कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने केरल लोकसभा सीट के वायनाड निर्वाचन क्षेत्र से आगामी लोकसभा चुनाव लड़ने के लिए प्रतिबंधित संगठन पॉपुलर फ्रंट ऑफ इंडिया (पीएफआई) का समर्थन लिया। सोमवार को, एएनआई से बात करते हुए, ईरानी ने कांग्रेस नेता पर अमेठी के लोगों का अपमान करने का आरोप लगाया, जो पहले कांग्रेस का गढ़ था, लेकिन 2019 के लोकसभा चुनावों में जीत के बाद अब इसका नेतृत्व उनके द्वारा किया जाता है। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि हमें यह जानकारी मिली है कि राहुल गांधी ने वायनाड में अपना चुनाव लड़ने के लिए आतंकी संगठन पीएफआई का समर्थन लिया था। जब आप पीएफआई के सन्दर्भ में दायर की गई चार्जशीट पढ़ेंगे तो आपको पता चलेगा कि संगठन ने हर जिले में हिंदुओं को मारने की योजना बनाई थी। बीजेपी नेता ने यह भी कहा कि राहुल गांधी को अमेठी के लोगों को बताना चाहिए कि वह हिंदुओं को मारने की योजना बनाने वाले पीएफआई की मदद क्यों ले रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री ने अमेठी के विकास के लिए काम किया है और अमेठी की जनता उन्हें आशीर्वाद देगी। केंद्रीय मंत्री ने आगे कहा, बीजेपी कार्यकर्ता जानते हैं कि गांधी परिवार अमेठी से चुनाव लड़ने आएगा। पीएम नरेंद्र मोदी ने अमेठी लोकसभा क्षेत्र में 19 लाख नागरिकों को राशन भेजा, अगर गांधी परिवार नरेंद्र मोदी के खिलाफ है, तो 19 लाख नागरिक जिनको मुफ़्त राशन मिल रहा है, गांधी परिवार उन परिवारों को क्या कहेगा?... ईरानी ने राहुल गांधी पर अमेठी के लोगों की वफादारी का अपमान करने के लिए सवाल उठाए। उन्होंने कहा कि मैं कुछ दिन पहले वायनाड गई थी और मुझे जानकारी मिली कि राहुल गांधी ने वायनाड को अपना परिवार घोषित कर दिया है...कल एक कांग्रेस नेता ने कहा कि राहुल गांधी ने वायनाड को इसलिए चुना क्योंकि राहुल गांधी कहते हैं कि वायनाड के लोग अधिक वफादार हैं। तो फिर अमेठी की वफ़ादारी का क्या होगा? 2024 के आम चुनावों में पूर्ण वर्चस्व स्थापित करने के भाजपा के प्रयास के कारण केरल के राज्य अध्यक्ष के सुरेंद्रन को निर्वाचन क्षेत्र से राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के उम्मीदवार के रूप में नामित किया गया है। जहां भाजपा ने घोषणा की है कि ईरानी अमेठी से फिर से चुनाव लड़ेंगी, वहीं दूसरी ओर, कांग्रेस ने अभी तक अमेठी निर्वाचन क्षेत्र से चुनाव लड़ने के लिए अपना उम्मीदवार तय नहीं किया है।

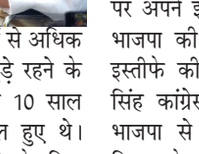

पूर्व केंद्रीय मंत्री सिंह ने भाजपा से दिया इस्तीफा

10 साल बाद कांग्रेस में करेंगे घर वापसी

नई दिल्ली। हरियाणा में प्रमुख भाजपा नेता और पूर्व केंद्रीय मंत्री बीरेंद्र सिंह ने भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) से इस्तीफे की घोषणा की है और कहा है कि वह कांग्रेस पार्टी में शामिल होंगे। सिंह का कांग्रेस में शामिल होने का फैसला उनके बेटे बृजेंद्र सिंह के लोकसभा से इस्तीफा देने और भाजपा छोड़कर सबसे पुरानी पार्टी में शामिल होने के एक महीने बाद आया है। बीरेंद्र सिंह की पत्नी प्रेम लता, जो पहले हरियाणा में भाजपा विधायक थीं, ने भी सत्तारूढ़ दल से इस्तीफा दे दिया। दिल्ली में एक संवाददाता सम्मेलन में बोलते हुए, बीरेंद्र सिंह ने कहा मैंने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपना इस्तीफा पार्टी प्रमुख जेपी नड्डा को भेज दिया है। मेरी पत्नी प्रेम लता, जो 2014-2019 तक विधायक रहीं, ने भी पार्टी छोड़ दी है। कल हम कांग्रेस में

शामिल होंगे। चार दशकों से अधिक समय तक कांग्रेस से जुड़े रहने के बाद बीरेंद्र सिंह लगभग 10 साल पहले भाजपा में शामिल हुए थे। राजनीति में प्रवेश करने के लिए स्वैच्छिक सेवानिवृत्ति का विकल्प चुनने वाले 1998 बैच के आईएएस अधिकारी बृजेंद्र के हिसार से सांसद चुने जाने के बाद बीरेंद्र ने 2020 में उच्च सदन से इस्तीफा दे दिया। पिछले महीने, हिसार के सांसद और बीरेंद्र सिंह के बेटे बृजेंद्र सिंह ने भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था और सबसे पुरानी पार्टी में शामिल हो गए थे। हिसार के सांसद ने अनिवार्य राजनीतिक कारणों का हवाला देते हुए सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर अपने इस्तीफे की घोषणा की। भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफे की घोषणा के तुरंत बाद सिंह कांग्रेस में शामिल हो गये। भाजपा से इस्तीफा देने के बाद हिसार के सांसद ने कहा था कि भाजपा का दुष्यन्त चौटाला के नेतृत्व वाली जननायक जनता पार्टी (जेजेपी) के साथ गठबंधन करने का फैसला भी उनके पार्टी छोड़ने का एक कारण था।

प्रमुख समाचार

पूर्व आईएएस और बेटे को सुको से बड़ी राहत

नई दिल्ली/रायपुर। सुप्रीम कोर्ट ने छत्तीसगढ़ शराब घोटाले मामले को लेकर इससे जुड़े मनी लांड्रिंग केस को रद्द कर दिया है। इसके साथ ही प्रदेश के चर्चित शराब घोटाले मामले में पूर्व आईएएस अधिकारी अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा को मनी लांड्रिंग मामले से राहत दे दी है। बता दे कि छत्तीसगढ़ में 2000 कोरोड़? के शराब घोटाले मामले को लेकर ईडी ने रेड मारने के बाद कार्यवाही की थी। जिसमें कई आरोपियों को पूछताछ के बाद गिरफ्तार किया गया था। वहीं ईडी ने मामले में अन्य लोगों को पूछताछ के लिए समन भी भेजे थे। इस बीच छत्तीसगढ़ के पूर्व इस अनिल टुटेजा और उनके बेटे यश टुटेजा के खिलाफ मनी लांड्रिंग के मामले में पूछताछ की जानी थी। न्यायमूर्ति अभय एस औका और न्यायमूर्ति उज्जल भुइयां की पीठ ने मामले में टिप्पणी करने के बाद शिकायत को खारिज कर दिया है। कहा है कि मामले में प्रवर्तन मामला सूचना रिपोर्ट ईसीआईआर और एफआईआर को देखने के बाद यह पता चलता है कि इसमें किसी भी प्रकार से विधेय अपराध या अवैध गतिविधि नहीं हुई है। इस मामले

दिल्ली जल बोर्ड को 28,400 करोड़ मिले, सुको में घिरी दिल्ली सरकार

नई दिल्ली। दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) का फंड रिलीज ना करने के दिल्ली सरकार के आरोपों पर दिल्ली के वित्त विभाग ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा दाखिल किया गया है। इसमें कहा गया है कि 2016 से अब तक दिल्ली जल बोर्ड को 28,400 करोड़ रुपये फंड दिया गया, लेकिन बोर्ड कोई जवाबदेही नहीं चाहता। वित्त विभाग के सचिव ने सुप्रीम कोर्ट में हलफनामा देते हुए कहा कि 2016 से अब तक दिल्ली जल बोर्ड (डीजेबी) को 28,400 करोड़ रुपये दिए गए हैं। इसके बदले में डीजेबी की तरफ से कोई जवाबदेही नहीं दी गई। वित्त सचिव ने कहा कि जब बोर्ड ने शर्तों के हिसाब से फंड का इस्तेमाल भी नहीं किया। इससे पहले दिल्ली सरकार ने सुप्रीम कोर्ट में याचिका दाखिल कर 300 करोड़ के बकाए की मांग की थी। वित्त सचिव ने कहा कि पानी और सीवेज के लिए घरेलू टैरिफ और सर्विस चार्ज में बढ़ोतरी न होने से डीजेबी को हर साल 1200 करोड़ रुपये के राजस्व का नुकसान हो रहा है। वित्त सचिव ने अपने हलफनामे में बताया कि 2023 में बकाएदारों की संख्या 11 लाख थी. , जो अब बढ़कर 14 लाख हो गई है। यानी एक साल के भीतर तीन लाख बकाएदार और बढ़ गए हैं।

तो कल्पना करें चुनाव से पहले कितने लोग जेल जाएंगे?

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने तमिलनाडु के मुख्यमंत्री एमके स्टालिन के खिलाफ कथित अपमानजनक टिप्पणी के मामले में यूट्यूबर सत्ताई दुरईमुरुगन को दी गई जमानत बहाल की है. सुप्रीम कोर्ट ने हाईकोर्ट का जमानत रद्द करने का फैसला रद्द करते हुए बड़ी टिप्पणी की. जस्टिस एएस ओक ने कहा अगर चुनाव से पहले हम यूट्यूब पर आरोप लगाने वाले सभी लोगों को सलाखों के पीछे डालना शुरू कर देते हैं, तो कल्पना करें कि कितने लोग जेल जाएंगे? हाईकोर्ट ने अपीलकर्ता को दी गई जमानत का लाभ रद्द कर दिया. जबकि इस न्यायालय ने पहले अंतरिम जमानत जारी रखी थी. वह 2.5 साल तक जमानत पर रहे. हमें नहीं लगता कि विरोध और विचार व्यक्त करके यह कहा जा सकता है कि उन्होंने अपनी स्वतंत्रता का दुरुपयोग किया है. सुप्रीम कोर्ट ने कहा हमें जमानत रद्द करने का कोई आधार नहीं मिला. इस प्रकार हम जमानत देने से इनकार करने वाले हाईकोर्ट के आदेश को रद्द करते है और जमानत देने के पहले के आदेश को बहाल करते हैं. कहने की आवश्यकता नहीं कि उचित समझे जाने पर जमानत रद्द करने के लिए आवेदन किया जा सकता है.

कांग्रेस विधायक अंबा हुई ईडी के सामने पेश

रांची। मनी लांड्रिंग मामले का सामना कर रही झारखंड की कांग्रेस विधायक अंबा प्रसाद की मुसीबतें खत्म होने का नाम नहीं ले रही हैं। इसी मामले में आज रांची में प्रवर्तन निदेशालय के सामने उनकी पेशी हुई। वे दोपहर में करीब ढाई बजे ईडी कार्यालय पहुंची। जहां कथित जबरन वसूली और जमीन हड़पने के मामलों से जुड़ी जांच को लेकर उनका बयान दर्ज किया गया। गौरतलब है कि ईडी ने 12 मार्च को अंबा प्रसाद के परिसरों में छापेमारी की थी। उनपर अवैध रेत खनन, जमीनों पर कब्जा और जबरन वसूली करने का आरोप है। इससे पहले, कथित जबरन वसूली और जमीन हड़पने के मामलों से जुड़ी जांच में योगेंद्र साव से ईडी पूछताछ कर चुकी है। उनसे तीन और चार अप्रैल को लगातार दो दिनों तक ईडी ने पूछताछ की थी। ईडी के समन को लेकर अंबा प्रसाद ने कहा कि यह पहली बार नहीं है। मैं बचपन से ही चुनौतियों का सामना कर रही हूं। मेरा जीवन संघर्ष का रहा है लेकिन मैं एक बात पर विश्वास करती हूं कि अंत में सच्चाई की जीत होगी।

कांग्रेस-नेकां के बीच गठबंधन, महबूबा के खिलाफ उतारा उम्मीदवार

नई दिल्ली। कांग्रेस और भारत के गठबंधन सहयोगी नेशनल कॉन्फ्रेंस ने सोमवार को आगामी लोकसभा चुनावों के लिए जम्मू-कश्मीर में सीट बंटवारे के समझौते की घोषणा की। नेशनल कॉन्फ्रेंस के उपाध्यक्ष उमर अब्दुल्ला ने एक संयुक्त ब्रीफिंग में घोषणा करते हुए कहा कि कांग्रेस के उम्मीदवार उधमपुर, जम्मू और लद्दाख लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे और नेशनल कॉन्फ्रेंस के उम्मीदवार अनंतनाग, बारामूला और श्रीनगर लोकसभा सीटों से चुनाव लड़ेंगे। दोनों पार्टियों के बीच सीट बंटवारे का समझौता महबूबा मुफ्ती के नेतृत्व वाली पीपुल्स डेमोक्रेटिक पार्टी (पीडीपी) द्वारा कश्मीर घाटी में तीन सीटों के लिए अपने उम्मीदवारों की घोषणा के एक दिन बाद हुआ है। पीआईपी ने आशायोग पर उमर अब्दुल्ला को दोषी ठहराए जाने की घोषणा के बाद सभी पार्टियों को अकेले चुनाव लड़ने का फैसला सुनाया। उन्होंने कहा कि जब मुंबई में इंडिया ब्लॉक की बैठक हुई, तो मैंने वहां कहा कि चूंकि (नेकां अध्यक्ष) फारूक अब्दुल्ला हमारे वरिष्ठ नेता हैं, इसलिए वह (सीट-बंटवारे पर) निर्णय लेंगे और न्याय करेंगे। मुझे उम्मीद थी कि वह पार्टी हितों को एक तरफ रख देंगे।

लोकसभा चुनाव 2024

मोदी की गारंटी बनाम कांग्रेस का न्याय

सुरेश हिंदुस्तानी

लोकसभा चुनाव की तैयारी के बीच सभी राजनीतिक दल अपने अस्तित्व को प्रभावी बनाने के उद्देश्य को लेकर बयानबाजी कर रहे हैं। इतना ही नहीं विपक्षी राजनीतिक दल केवल वर्तमान सत्ताधारी दल के विरोध पर ही अपना पूरा फोकस करते हुए चुनावी मैदान में हैं। इसके अलावा एक बड़ी बात यह भी है कि भाजपा ने जहां मोदी की गारंटी को प्रमुख हथियार बनाकर अपने मन में विश्वास बनाया है, वहीं अब कांग्रेस भी इसका अनुसरण करने की नीति अपना रही है। भाजपा की ओर से मोदी की गारंटी के बाद कांग्रेस के राहुल गांधी अपनी पार्टी की 25 गारंटी जनता के सामने लाए हैं। इसके साथ ही कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को न्याय पत्र का नाम देकर एक नई राह बनाने का काम किया है। हालांकि पिछले लोकसभा चुनाव भी कांग्रेस ने न्याय देने के वादे पर ही लड़ा था, लेकिन अपेक्षित परिणाम प्राप्त नहीं हुए। हम जानते हैं कि भाजपा ने 2014 के चुनाव में भारत के चाय वालों के साथ गहरा संबंध स्थापित किया था, इसी प्रकार 2019 के चुनाव में कांग्रेस के चौकीदार चोर है के जवाब में मैं भी चौकीदार का नारा देकर गरीब तबके को अपने साथ जोड़ा था। इस चुनाव में मोदी की गारंटी भाजपा का नारा है। कांग्रेस ने भी गारंटी देने का वादा किया है, लेकिन जनता किसकी गारंटी को स्वीकार करती है, यह समय बताएगा। मैं इस लेख को किसी राजनीतिक दल के समर्थन या विरोध के लिए नहीं लिख रहा हूँ, लेकिन जो सच है उसको लिखने से कोई आशय निकलता है तो भले ही निकले, लेकिन उसे परिवर्तित नहीं किया जा सकता। उल्लेखनीय है कि एक बार पूर्व प्रधानमंत्री स्वर्गीय राजीव गांधी ने कांग्रेस की योजनाओं की नाकामी को स्वीकार करते हुए सार्वजनिक रूप से व्यक्त किया था कि सरकार गरीब जनता तक जो लाभ पहुंचाती है, उसका मात्र 15 प्रतिशत ही पहुँच पाता था। इसका आशय यह भी है कि 85 प्रतिशत राशि या तो कमीशन खोरी में जाता था या प्रशासनिक अव्यवस्था की भेंट चढ़ जाता था। इसका एक अर्थ यह भी निकाला जा सकता है कि कांग्रेस के शासन काल में हर शासकीय योजना भ्रष्टाचार का शिकार हुई। इसके विपरीत वर्तमान केंद्र सरकार में कम से कम इतना तो हुआ ही है कि गरीब तक पहुँचने वाला लाभ बिना किसी बिचौलिए के पात्र व्यक्ति को ही शत प्रतिशत मिल रहा है। यानी अब योजनाएं बिना किसी भ्रष्टाचार के पूरी हो रही हैं। कांग्रेस पार्टी की और से दी जाने वाली गारंटी निश्चित ही कांग्रेस कार्यकर्ताओं के मनोबल में बढ़ोत्तरी करेगी। क्योंकि अब उनके पास भी जनता के बीच अपनी योजनाएं रखने के लिए मौका है। कांग्रेस के यह बात भी एक संजीवनी का कार्य कर रही है कि उसके नेता राहुल गांधी जनता के बीच जाने के लिए बहुत तेजी से सक्रिय होते जा रहे हैं। लेकिन महत्वपूर्ण तथ्य यह भी है कि कांग्रेस को केवल मोदी विरोध की राजनीति से तौबा करना चाहिए, उसे केवल जनता के बीच जाकर अपने वादे बताकर जनता से संबंध बनाने की दिशा में कदम बढ़ाना चाहिए, क्योंकि हर व्यक्ति की अपनी शैली होती है। मोदी की शैली यही है कि वह जनता की भावना के अनुसार ही अपना भाषण देते हैं। इसके अलावा राहुल गांधी कभी कभी पटरी से उतरते दिखाई देते हैं।

कांग्रेस की ओर से जारी किए गए घोषणा पत्र में न्याय देने की बात कही गई है। साथ ही जातिगत जनगणना करने का भी वादा किया गया है। हो सकता है जातिगत जनगणना का वादा कांग्रेस के लिए लाभकारी साबित हो, लेकिन इस बात से भी इंकार नहीं किया जा सकता कि इस मुद्दे पर भारत की पूरी जनता आँख बंद करके समर्थन करने के लिए आगे आ जाए। क्योंकि जो संस्थान या व्यक्ति समाज को एक करने के लिए प्रयास कर रहीं हैं, उनको कांग्रेस का यह वादा न्यायसंगत नहीं लग रहा होगा। यह बात सही है कि आज समाज बदल रहा है। वह जातिगत समाज के बाहर आकर भारतीय समाज यानी एकत्रित समाज होने की दिशा में बढ़ रहा है। ऐसे में यह भी कहा जा सकता है कि कांग्रेस का यह कदम समाज में विभाजन की लकीर खींचने का काम कर सकता है।

इस देश के अनेक चुनावों में यह देखने को मिला है कि विपक्षी दल महंगाई और भ्रष्टाचार के मुद्दे पर सरकार को घेरने का अभियान सा चलाते थे। इंदिरा गांधी के प्रधानमंत्रित्व काल में मेहंगाई के मुद्दे को उछालकर कांग्रेस की नींद हराम कर दी थी, इसी प्रकार बोफोर्स मामले को मुद्दा बनाकर विपक्ष ने चुनाव लड़ा, जिसमें राजीव गांधी की सरकार को सत्ता से हाथ धोना पड़ा। आज विपक्ष के पास सरकार के विरोध में ऐसा कोई मुद्दा नहीं है, जिस पर सरकार को घेरा जा सके। इसके विपरीत सत्ता पक्ष की ओर से विपक्ष पर ही भ्रष्टाचार के आरोप लगाए जा रहे हैं। यह राजनीति की दशा और दिशा को बदलने वाला दृश्य कहा जा सकता है।

चुनाव बहिष्कार करने एसडीएम को सौंपा ज्ञापन

मतदान केंद्र नहीं खोलने और फसल बीमा से वंचित होने पर लोगों में आक्रोश

गरियाबंद। जिले के कोसूमकानी के ग्रामीण चुनाव बहिष्कार करने का मन बना लिया है, क्योंकि कोसूमकानी पंचायत मुख्यालय में मतदान केंद्र खोलने की उनकी मांग पूरी नहीं हुई है। सोमवार को ग्रामीणों ने एसडीएम दफ्तर पहुंचकर चुनाव बहिष्कार का लिखित ज्ञापन सौंप दिया है। वहीं फसल बीमा से वंचित होने के चलते भी ग्रामीण आक्रोशित है। बता दें कि दो दिन पहले ही ग्रामीणों ने बैठक कर आम सहमति बना कर हस्ताक्षर अभियान चलाया था।

ग्राम प्रमुख घेनूराम पटेल, रमशाय हरपाल, कूष्टोराम बीसी और करनधर हरपाल ने बताया कि कोसूमकानी 1994 में ग्राम पंचायत बना, लेकिन आज भी पुरानी व्यवस्था के तहत उनके गांव के लोगों को 2 किमी दूर पैदल चलकर दहीगांव पंचायत में बने बूथ में मतदान के लिए जाना होता है। ग्रामीणों का आरोप है कि दहीगांव बूथ पर उनके साथ भेदभाव होता है। स्थानीय वोटर के मतदान कराने के बाद ही कोसूमकानी वालों की बारी आती है। कई बार रात 8 बजे तक जगने के बावजूद उन्हें मतदान से वंचित होना पड़ता है। ग्रामीणों ने बताया कि पिछले विधानसभा चुनाव से उनके पंचायत में मतदान केंद्र खोलने कई बार ज्ञापन प्रशासन को दिया जा चुका है। ग्रामीणों ने कहा कि इस बार वोट डालेंगे तो अपने पंचायत में बने बूथ में, नहीं तो इस चुनाव का बहिष्कार करेंगे। ग्रामीणों ने सोमवार को सौंपे जाने वाले ज्ञापन से पहले बैठक कर हस्ताक्षर अभियान चलाया था। इसमें आश्रित ग्राम उपरपीठा की भी सहमति कोसमकानी ग्रामीणों के साथ बन गई है।

आयोग के फरमान के बाद रुक गई प्रक्रिया

वर्तमान में कोसूमकानी में 406 मतदाता है। इस पंचायत के आश्रित ग्राम उपरपीठा के 210 मतदाता डूमरबहाल के बूथ में मतदान के लिए जाते हैं। ग्रामीणों की मांग पर लोकसभा चुनाव घोषित होने से पहले तहसील स्तर पर प्रस्ताव बनाकर कोसूमकानी में बूथ बनाने की प्रक्रिया चल रही थी। इसी बीच राज्य स्तर पर आयोग ने फरमान जारी कर बगैर किसी तब्दीली के विधानसभा में बने बूथ सेटअप के आधार पर चुनाव कराने कह दिया।

फसल बीमा से भी वंचित है, इसलिए भी आक्रोश

कोसूमकानी में 100 से ज्यादा किसान है, जिनका कृषि लोन के साथ फसल बीमा हुआ था। कम वर्षा के कारण उत्पादन प्रभावित हुआ तो ग्रामीण धान नहीं बेच पाए। पटवारी के क्रॉप कटिंग और कृषि विभाग के पंचनामा के आधार पर उत्पादन प्रभावितों के दायरे में भी आ गए, लेकिन एन वक्त में फसल बीमा योजना के पोर्टल में चढ़ाए जाने वाले प्रक्रिया के समय राज्य कार्यलय से ही फसल प्रयोग का रेंडम नंबर जारी नहीं हुआ। सिस्टम की इसी खामी के कारण प्रभावितों का रिपोर्ट ऑनलाइन नहीं चढ़ा और अब फसल बीमा की राशि से भी वंचित कर दिया गया। इस बात से भी ग्रामीण आक्रोश हैं। प्रकिया के समय किसान बार-बार राजस्व दफ्तर का चक्कर लगाए, पर उन्हें बीमा की राशि अब तक नहीं मिली।

इस मामले में देवभोग एसडीएम हितेश पिस्दा ने कहा कि जानकारी मिली है, उच्च अधिकारियों को अवगत कराया जाएगा। मार्ग दर्शन लेकर इस पर उचित कार्रवाई की जाएगी।

वहीं देवभोग तहसीलदार सुसील भोई ने कहा कि बीमा कंपनी से बात किया गया है। पत्राचार के बाद वंचित खवासपारा के कुछ किसान को बीमा क्लेम मिलना शुरू हो गया है, जो पात्रता रखते हैं उन सभी को जरूर मिलेगा। प्रशासन स्तर पर प्रयास के लिए कोई कमी नहीं रखा गया है।

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी और जनकपुर को स्वास्थ्य मंत्री की सौगात

जल्द शुरू होंगे ब्लड बैंक

मनेंद्रगढ़ चिरमिरी भरतपुर। स्वास्थ्य विभाग की तरफ से जिले के लोगों के लिए अच्छी खबर है। मरीजों को अब पास के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ही ब्लड बैंक की सुविधा मिलेगी। खाद्य एवं औषधि प्रसंस्करण विभाग के कंट्रोलर की तरफ से एमसीबी जिले के तीन सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों में ब्लड बैंक खोलने की औपचारिक घोषणा कर दी गई है।

एमसीबी जिले में लंबे समय से ब्लड बैंक की मांग की जा रही थी। अब तक लोगों को ब्लड डोनेशन और ब्लड चढ़ाने की सुविधा के लिए कोरिया जिले के सरकारी और निजी ब्लड बैंक के चक्कर लगाने पड़ते थे। लेकिन अब एमसीबी के लोगों को स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल ने सौगात दी है। लंबे समय के इंतजार के बाद फूड और ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन छत्तीसगढ़ के कंट्रोलर की ओर से ब्लड बैंकों को लाइसेंस दे दिया गया। मनेंद्रगढ़, चिरमिरी और जनकपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड बैंक शुरू हो जाएंगे।

बीते साल ब्लड बैंक बनकर तैयार हो गए थे। स्टाफ की भी तैनाती कर दी गई लेकिन लाइसेंस नहीं मिलने के कारण ब्लड बैंक का संचालन शुरू नहीं हो पाया था। स्वास्थ्य विभाग की टीम ब्लड बैंक का निरीक्षण भी कर चुकी थी। स्वास्थ्य विभाग ने सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरमिरी मनेंद्रगढ़ और जनकपुर के ब्लड बैंक को लाइसेंस दिया है।

फूड एंड ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन छत्तीसगढ़ के कार्यालय से बीएमओ को पत्र जारी किया गया है। जिसमें एमसीबी जिले के बड़ा बाजार चिरमिरी, मनेंद्रगढ़ और जनकपुर के सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में ब्लड को स्टोर करने के लिए स्वीकृति दी गई है। सामुदायिक स्वास्थ्य केन्द्रों के लिए सेंट्रल हॉस्पिटल एसईसीएल मनेंद्रगढ़ को मुख्य ब्लड सेंटर बनाया गया है।

सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र चिरमिरी के ब्लड बैंक के लिए मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर जयंत कुमार और ब्लड सेंटर टेक्नीशियन बंटी लाल, मनेंद्रगढ़ सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लड बैंक के लिए मेडिकल ऑफिसर डॉक्टर प्रकाश जायसवाल और ब्लड सेंटर टेक्नीशियन सोमेंद्र मंडल और जनकपुर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र के ब्लड बैंक के लिए मेडिकल ऑफिसर डॉ राजीव कुमार रमन और ब्लड सेंटर टेक्नीशियन रूकसार अंसारी को जिम्मेदारी दी गई है। जिले के तीन ब्लॉक में ब्लड स्टोरेज सेंटर को 2 साल के लिए लाइसेंस जारी किया गया है। यह लाइसेंस अवधि 4 अप्रैल 2024 से लेकर 3 अप्रैल 2026 तक होगी। ब्लड सेंटर को लाइसेंस रिन्यूअल के लिए 3 महीने पहले ही आवेदन करना होगा।

महिला पार्षद ने नगर निगम के खिलाफ खोला मोर्चा, पानी की समस्या दूर ना होने पर आंदोलन

भिलाई। गर्मी के शुरुआत में ही कोहका क्षेत्रवासियों को पानी की किल्लत होने लगी है। जिस भिलाई निगम को टैंकर मुक्त बनाने का सपना देखा गया था, उस निगम में आज भी कई क्षेत्रों में टैंकर से पानी की सप्लाई की जा रही है। भिलाई नगर निगम के अंतर्गत आने वाले कोहका पुरानी बस्ती वार्ड क्रमांक 13 में पानी की समस्या पिछले 25 साल से बनी हुई है।कई बार रहवासियों ने पानी को लेकर आंदोलन भी किया।लेकिन आज तक पानी की समस्या का समाधान ना हो सका।

पार्षद ने दिया धरना- भिलाई नगर निगम में कांग्रेस के महापौर नीरज पाल हैं।निगम के 70 वार्डों में एक दर्जन से ज्यादा वार्डों में पानी की समस्या का समाधान नहीं हो सका है। वॉर्ड क्रमांक 13 की पार्षद अंजू सिन्हा भी इस बारे में लेकर काफी परेशान हैं।अंजू सिन्हा की माने तो गर्मी का मौसम आ चुका है,ऐसे में वॉर्ड वासियों को पानी की दिक्कत होने लगी है। निस्तारी के साथ वॉर्डवासियों को पीने का साफ पानी नहीं मिल पा रहा है।इसके विरोध में पार्षद ने रहवासियों के साथ पानी टंकी के नीचे धरना देना शुरु किया।

गर्मी से पहले ही सूखने लगे हैंडपंप - आपको बता दें कि अभी गर्मी पूरी तरह से शुरु नहीं हुई है।ऐसे में पानी की समस्या शुरु हो चुकी है।सरकार पानी को लेकर कई तरह की योजनाएं चला रही है,लेकिन अभी तक योजनाओं का लाभ रहवासियों तक नहीं पहुंच रहा है। लोगों को गर्मी ने बेहाल कर रखा है। अप्रैल में ही तापमान 35 डिग्री सेल्सियस से 38 डिग्री सेल्सियत कर पहुंच चुका है। भूमिगत जलस्तर गिरने से भी हैंडपंप सूख चुके हैं।साथ ही साथ तालाब और बोर भी सूखने की कगार पर हैं।ऐसे में इंसानों समेत मवेशियों को भी पानी की किल्लत हो रही है।

आस्था के दीपो से जगमगाने तैयार है डोंगरगढ़

डोंगरगढ़। देश भर में नवरात्र को लेकर भक्तिमय माहौल बना हुआ है चारो ओर माता के भक्त उत्सव की तैयारी में लगे हैं। पश्चिमी छत्तीसगढ़ के छोर में घने जंगलों और ऊँची-ऊँची पहाड़ियो के बीच माता बमलेश्वरी का धाम डोंगरगढ़ बसा है। डोंगरगढ़ देश के प्रसिद्ध तीर्थ स्थलों में से एक है, यहाँ आदिशक्ति माता बगलामुखी को समर्पित दो मंदिर हैं, एक 1600 फीट की ऊँचाई पर पहाड़ में तो दूसरा मंदिर नीचे समतल ज़मीन पर स्थित है। दोनों ही मंदिरों में माता बमलेश्वरी की आराधना की जाती है।

यहाँ वर्ष भर श्रद्धालु माता के दर्शनों को पहुचते हैं और यह संख्या साल के दोनो नवरात्रों में लाखों तक पहुँच जाती है। नगरपालिका, पुलिस प्रशासन , मंदिर ट्रस्ट समिति, ज़िला प्रशासन और रेल विभाग के साथ ही डोंगरगढ़ के तमाम सरकारी विभाग संयुक्त रूप से वर्ष के दो नवरात्रों की ज़िम्मेदारी निभाते हैं। इसमें श्रद्धालुओं के आने जाने रहने खाने के साथ ही सुरक्षा और कड़ी बंदोबस्ती करना बड़ी चुनौती होती है, लेकिन कई दशकों से अनवरत चली आ रही इस परंपरा का सकुशल निर्वाह होता है। इसबार चैत्र नवरात्र की शुरुवात 9 अप्रैल, मंगलवार से हो रही है। नवरात्रि में मां दुर्गा के 9 स्वरूपों की विधि-विधान से पूजा की जाती है।

लभर में कुल 4 नवरात्रि आती हैं जिसमें चैत्र और शारदीय नवरात्रि का महत्व काफी ज्यादा होता है। माना जाता है कि नवरात्रि में माता की पूजा-अर्चना करने से देवी दुर्गा की खास कृपा होती है। मां दुर्गा की सवारी वैसे तो शेर है लेकिन जब वह धरती पर आती हैं तो उनकी सवारी बदल जाती है और इस बार मां दुर्गा घोड़े पर सवार होकर

धरती पर आएंगी। डोंगरगढ़ में भी नवरात्र उत्सव की तैयारियाँ पूर्णता की ओर आ गई हैं। बमलेश्वरी माता के दोनों ही मंदिर रंगबिरंगी लाइट की झालरों और फुलो से सज चुकें हैं, मंदिर की सजावट श्रद्धालुओं का मन मोह रही है। डोंगरगढ़ की पहाड़ी पर मां बम्लेश्वरी का मंदिर विश्व विख्यात आस्था का केंद्र है। यहां की पहाड़ी पर 1600 फिट की ऊंचाई पर पहला मंदिर बड़ी बम्लेश्वरी के नाम से जाना जाता है। यहां पर मां के दर्शन के लिए करीब 1000 सीढ़ियां चढ़नी होती है। बड़ी बम्लेश्वरी के समतल पर ही छोटी बम्लेश्वरी देवी मंदिर स्थित है। नवरात्रि में यहां हर साल लाखों की संख्या में श्रद्धालु पहुंचते हैं। इस दौरान यहां भव्य मेले का आयोजन होता है।

डोंगरगढ़ में साल के दोनों नवरात्र में भव्य मेला लगता है। माता के दर्शनों के लिए लाखों की संख्या में दर्शनार्थी पहुंचते हैं। यहां दर्शन करने प्रदेश के अलावा दूसरे प्रदेश के भी दर्शनार्थी हर साल माता के दरबार में पहुंचते हैं। डोंगरगढ़ में पहाड़ी मंदिर तक पहुंचने के लिए सुव्यवस्थित सीढ़िया तो बनाई ही गई है। लेकिन दर्शनार्थियों की सुविधा के लिए रोपवे भी बनाया गया है। मंदिर ट्रस्ट समिति द्वारा संचालित ये रोपवे नवरात्रि के दौरान पूरे नौ दिनों तक दिन रात चालू रहता है। सीढ़ियों पर भी दर्शनार्थियों के लिए पेय जल विश्राम गृह जैसी तमाम व्यवस्थाएँ रहती है। भीड़ को देखते हुए नवरात्र में दिन रात लगातार मंदिर का पट माता के दर्शन हेतु खुला रहता है। मेला व्यवस्था के लिए हज़ारो की संख्या में सुरक्षा बलों के जवानों की तैनाती भी जाती है।

डोंगरगढ़ आने वाले यात्रियों के लिए रेल विभाग की ओर से कई सुपरफ़ास्ट ट्रेनों के स्टॉपेज़ के साथ मेला स्पेशल ट्रेनों का भी संचालन किया जाता है। लोगो का मानना है यहाँ उनकी सारी मनोकामनाये माता बमलेश्वरी के दर्शन मात्र से पूरी हो जाती हैं इसलिए यहाँ वर्ष प्रति वर्ष डोंगरगढ़ पहुँचने वाले भक्तों की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। इस वर्ष नवरात्रि पर्व में 8500 आस्था के दीप बड़ी मां बमलेश्वरी के दरबार में और 900 ज्योति कलश नीचे छोटी मां बमलेश्वरी माता के दरबार में जलाये जाएँगे।

माता के दरबार में आस्था के दीप जलाने देश सहित विदेश से भी लोग डोंगरगढ़ आते हैं। इस बार ऑस्ट्रेलिया यूएसए के भक्तों ने भी माता की ज्योत प्रज्वलित की है इनके अलावा छत्तीसगढ़ के मुख्यमंत्री विष्णु देव, बृजमोहन अग्रवाल विधानसभा अध्यक्ष डॉ रमन सिंह, ने भी मां बमलेश्वरी के दरबार में ज्योति कलश प्रज्वलित कराए हैं। इस नवरात्र मां बमलेश्वरी को सोने का मुकुट चढ़ाया जा रहा है। अब माता बमलेश्वरी का दर्शन सोने के सिहासन और स्वर्ण मंडित गर्भ गृह के साथ मनमोहक स्वर्ण मुकुट से और भी ज्यादा मोहक लगेगा।

छत्तीसगढ़ प्रमुख समाचार

नक्सलियों ने लगाया आईडी बम, किया निष्क्रिय

कांकेर। जैसे जैसे चुनाव पास आ रहे हैं, वैसे वैसे नक्सलियों की गतिविधियां भी बढ़ गई है। पीएम मोदी आज बस्तर में भाजपा के लिए वोट मांगने पहुंचे थे। उससे पहले उत्तर बस्तर कांकेर जिले के कोयलीबेड़ा क्षेत्र के गट्टाकाल के जंगलों में सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने के लिए लगाए गए आईडी बम को जवानो ने निष्क्रिय कर दिया है। कांकेर एसपी आइके एलिसेला ने बताया कि ग्राम गटाकाल थाना कोइलीबेडा के आसपास सुरक्षा बल को नुकसान पहुंचाने के लिए नक्सलियों द्वारा आईईडी बम लगाने की सूचना मिली थी। बीएसएफ 30 वी बटालियन के बल और बीडीएस टीम द्वार एरिया को घेरा बंदी कर बारीकी से सर्च किया गया। मौके पर एक नग आईईडी बरामद हुआ। सुरक्षात्मक दृष्टिकोण से बीडीएस टीम द्वार मौके पर आईईडी को डिफ्यूज (निष्क्रीय) किया गया है। जवानो की पूरी टीम सुरक्षित है। इलाके में सर्च अभियान जारी है।

कोल व्यवसायी को हाईकोर्ट से झटका, याचिका खारिज

बिलासपुर। कोयला घोटाला मामले में आरोपी कोल व्यवसायी, कोल वाशरी संचालक सुनील अग्रवाल की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने खारिज कर दी है। सुनील अग्रवाल की जमानत याचिका हाईकोर्ट ने दूसरी बार खारिज की है। जस्टिस एन के व्यास की कोर्ट ने सुनील अग्रवाल की जमानत याचिका पर फैसले करीब एक महीने से रिजर्व था। बता दें कि कोयला परिवहन में 25 रुपये टन की लेवी वसूली मामले में ईडी ने इंद्रमणि कोल के डायरेक्टर सुनील अग्रवाल को 11 अक्टूबर 2022 को गिरफ्तार किया था। ईडी का आरोप है कि कोल स्कैम मामले के किंगपिन सूर्यकांत तिवारी के काले धन को सुनील अग्रवाल के जरिये सफेद करने और संपत्तियों में निवेश किया गया। सुनील अग्रवाल की ओर से हाईकोर्ट में पहली बार जमानत याचिका पर 15 फरवरी 2022 को सुनवाई हुई थी। स्वास्थ्य आधार पर मांगी गई जमानत याचिका को हाईकोर्ट ने खारिज कर दिया था।

राइस मिल में लगी भीषण आग, लाखों के बारदाने खाक

दुर्ग। जिले के अंडा थाना क्षेत्र के कुथरेल गांव में स्थित हनुमान राइस मिल में आज सुबह भीषण आग लगने से इलाके में हड़कंप मच गया। इसकी सूचना संचालक ने जिला प्रशासन के अग्निशमन विभाग को दी। दमकल कर्मियों ने फायर ब्रिगेड की चार गाड़ियों की मदद से 4 घंटे की कड़ी मशक्कत के बाद आग पर काबू पा लिया। अग्निशमन विभाग के कमांडेंट नागेंद्र कुमार सिंह ने बताया कि सुबह आग लगने की सूचना पर फायर ब्रिगेड को रवाना किया। वहां जाने पर पता चला कि आग काफी बड़ी है। इसके बाद और गाड़ियों को भेजा गया। आग इतनी भीषण थी कि धान और बारदाना जलकर राख हो गए, लेकिन दमकल कर्मियों ने चारों तरफ से पानी की बौछार कर आग पर काबू पा लिया। इस दौरान 19 गाड़ी पानी आग बुझाने में लगे। राइस मिल के मालिक छगन लाल चाड़क ने बताया कि आग शार्ट सर्किट से लगी है। वो आग से नुकसान का पूरा आकलन नहीं कर पाए हैं, लेकिन 50-60 लाख रुपए का नुकसान हुआ है।

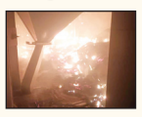

श्रीमंत झा ने पैरा आर्म रेसलिंग कप में जीता रजत पदक

भिलाई। पैरा एथलीट श्रीमंत झा ने लक्जमबर्ग में आयोजित पैरा आर्म रेसलिंग कप में +80 किलो वर्ग में रजत पदक जीता है। यह टूर्नामेंट 4 अप्रैल से 6 अप्रैल तक आयोजित किया गया था। रजत पदक जीतकर श्रीमंत झा अब एशिया पैरा आर्म रेसलिंग चैंपियनशिप के लिए क्वॉलीफाई हो गए हैं। 19 अप्रैल से 27 अप्रैल तक ईरान में ये चैंपियनशिप होगी। रजत पदक जीतने के बाद 29 वर्षीय पैरा आर्म पहलवान श्रीमंत झा ने कहा कि ये पदक उनका नहीं बल्कि पूरे देश के लिए है। श्रीमंत ने बताया कि पैरा आर्म रेसलिंग कप के लिए उन्होंने अच्छी तैयारी की थी। श्रीमंत झा ने कहा मेरे लिए यह एक विशेष जीत है। अब मेरा ध्यान अंतरराष्ट्रीय टूर्नामेंट पर रहेगा। निश्चित रूप से जेएसपी और भारत को फिर से गौरवान्वित करने की कोशिश करूंगा। छत्तीसगढ़ के भिलाई से ताल्लुक रखने वाले श्रीमंत झा के दोनों हाथों में चार, चार उंगलियां है। इसके बावजूद उन्होंने कई राष्ट्रीय और अंतरराष्ट्रीय प्रतियोगिताओं में अपने खेल कौशल का प्रदर्शन किया है। कई स्वर्ण पदक जीते हैं।

हाथी ने एक युवक को कुचला तीन ने भागकर बचाई जान

जशपुर। जशपुर वन मंडल का फरसाबहार जंगल में आज पेड़ों की कटाई करने गए ग्रामीण अमीर एक्का को हाथी ने कुचल कर मार डाला। वहीं मौजूद तीन अन्य लोगों ने भागकर अपनी जान बचाई। घटना की सूचना पर पहुंची वन विभाग की टीम ने मौके से ग्रामीणों का मोटरसाइकिल और बड़ी मात्रा में लकड़ी जब्त किया। दरअसल, रायगढ़ जिले के लैलूंगा बस स्टैंड में घंटों तक एक हाथी ने उत्पाद मचाया हाथी के उत्पाद से आक्रोशित भीड़ ने हाथी को जंगल मे खदेड़ दिया। गुस्साए हाथी जशपुर जिले के फरसाबहार वन परिक्षेत्र में आकर लकड़ी काटने गए 4 ग्रामीणों पर हमला कर दिया। हाथी के हमले से तीन युवक भागकर जान बचाने में सफल रहे लेकिन अमीर नामक युवक को हाथी ने कुचलकर मार डाला। घटना की सूचना मिलने के बाद वन अमला ने मौके पर जंगल से काटी गई लकड़ियों का बड़ा ढ़ेर जब्त किया है। लैलूंगा से खदेड़े हाथी के ऊपर जशपुर वन अमला लगातार ड्रोन कैमरा से निगरानी कर ही थी। जिसके बाद हाथी एलर्ट भी जारी किया जा रहा था।

भोरमदेव महोत्सव का हुआ समापन, बॉलीवुड और छालीवुड के कलाकारों से सजा मंच

कबीरधाम। कबीरधाम जिले के सतपुड़ा पर्वत की मैकल पहाड़ी श्रृखलाओं से घिरे सुरम्यवादियों में स्थित ऐतिहासिक भोरमदेव मंदिर के प्रांगण में वर्षों से आयोजित हो रहे। इस साल का दो दिवसीय भोरमदेव महोत्सव का रविवार देर रात समापन हो गया। पहले दिन शनिवार को बैगा नृत्य, फाग गीत, छत्तीसगढ़ी लोककला के साथ स्कूली बच्चों ने मनमोहक प्रस्तुति दी।

दूसरे दिन रविवार को बॉलीवुड व छालीवुड के सुप्रसिद्ध कलाकारों ने शानदार प्रस्तुति दी। इसमें सारेगामापा विजेता सिंगर इशिता विश्वकर्मा व उनकी पूरी टीम की सुपर-हिट गीत संगीत से महोत्सव का मंच सजाया। इसी प्रकार छत्तीसगढ़ के सुप्रसिद्ध कलाकार नितिन दुबे ने छत्तीसगढ़ की संस्कृति सहित सुपर डुपर गानों की शानदार प्रस्तुति दी।

उनका कार्यक्रम देर रात 12 बजे तक चला। इस बार लोकसभा चुनाव होने के कारण आचार संहिता लागू थी। ऐसे में आयोजन सामान्य रहा। नेताओं को मंच में जगह नहीं दी गई। बता दें कि इस महोत्सव में राज्य के सीएम समेत उनके मंत्रिमंडल तक शामिल होते थे। वहीं इस आयोजन को लेकर जिला प्रशासन ने इलेक्शन कमीशन से अनुमति भी मांगी थी। इलेक्शन कमीशन ने कुछ शर्तो पर आयोजन कराने अनुमति दी थी। यह 28वां भोरमदेव महोत्सव था।

मंदिर में विशेष पूजा अर्चना की गई

भोरमदेव में छत्तीसगढ़ का प्रसिद्ध शिव मंदिर है। इस मंदिर को राज्य का खजुराहों भी कहा जाता है। मंदिर में महोत्सव के पहले दिन प्रात: काल बाबा भोरमदेव (भगवान शिव) का महाभिषेक, एक हजार नामों से सहर्षाचन, रूद्राभिषेक, विशेष श्रृंगार आरती की गई।

मंदिर के पुजारी ने बताया कि भोरमेदव मंदिर में प्रत्येक वर्ष होली के बाद तेरस और चौदस को बाबा भोरमदेव के लिए विशेष दिन रहता है। तेरस के दिन मंदिर में विशेष अनुष्ठान और दिव्य श्रृंगार सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए जाते हैं। प्राचीन काल से मंदिर के समीप स्थानीय मेले का आयोजन भी होता है, जो समय के साथ-साथ स्थानीय मेला अब महोत्सव का स्वरूप ले लिया है। बीते दो दिन में मंदिर में भगवान शिव का विशेष अनुष्ठान और दिव्य श्रृंगार सहित अनेक धार्मिक अनुष्ठान किए गए। इस आयोजन में लाखों की संख्या में लोग शामिल होते हैं।

गर्मी के तेवर पड़े नरम, छत्तीसगढ़ के कई इलाकों में बारिश

कोरबा। जिले में सोमवार की सुबह से ही दूसरे दिन मौसम का मिजाज बदला हुआ है। तापमान में भारी गिरावट देखने को मिली। देर रात झमाझम बारिश होने लगी। वहीं सुबह से ही काली घटा छाई हुई है। वहीं जिले में कई जगहों पर तेज हवा और गरज के साथ कहीं-कहीं बारिश हुई। बीते कुछ दिनों से पड़ रही भीषण गर्मी और तेज धूप के बीच लोगों को आज राहत जरूर मिली। बारिश से तापमान में भी असर पड़ेगा है और पारा तीन से पांच डिग्री तक गिरने की की संभावना जताई जा रही है। इसका असर दिन भर रहने की संभावना है।

सुबह कोरबा के हेलीपैड पर क्रिकेट खेल रहे लोगों से हमने बातचीत की। जहां बुधवार निवासी अतुल दास महंत ने बताया कि पिछले दो दिनों से मौसम का मिजाज बदला हुआ है। जिसके चलते खेल प्रेमियों को राहत तो जरूर मिली है। लेकिन बुजुर्ग और बच्चों पर मौसम का बुरा असर पड़ सकता है। उनके स्वास्थ्य में परिवर्तन आ सकता है। रात को झमाझम बारिश और सुबह काली घटा छाई हुई है। निश्चित ही इस मौसम परिवर्तन के चलते

लोगों पर इसका प्रभाव जरूर पड़ेगा।

वहीं कृष्णा नगर निवासी आकाश कुमार ने बताया कि सुबह रोज मॉर्निंग वॉक करने आते हैं। दो दिनों से मौसम बिगड़ा हुआ है। जहां आज सुबह मैदान के लिए निकला। इस दौरान रिमझिम बारिश हो रही थी। पिछले दो दिनों से मौसम इसी तरह थोड़ा धूप फिर काली घटा। इस तरह से मौसम में परिवर्तन देखने को मिल रहा है। अब आने वाले समय में किस तरह से लोगों की जीवन पर मौसम का प्रभाव पड़ता है। वहीं मौसम का मिजाज बदलते ही लोग मजा ले रहे हैं। घर से निकाल कर आस पास पिकनिक स्पॉट पर लोगों के भीड़ देखने को मिल रही है।

संक्षिप्त समाचार

बस्तर में 19 अप्रैल को मतदान, 300 से ज्यादा बूथ संवेदनशील, जवान तैनात

रायपुर। नक्सलगढ़ बस्तर में लोकसभा चुनाव का प्रथम चरण का मतदान 19 अप्रैल को होना है। अतिरिक्त मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नीलेश कुमार महादेव क्षीरसागर ने बताया, बस्तर में 300 से ज़्यादा बूथ संवेदनशील है। यहां सुरक्षा के पुखूता इंतज़ाम किए गए हैं। सेंट्रल से मिले सुरक्षा जवानों के साथ छत्तीसगढ़ में तैनात जवानों को चुनाव कार्यों में लगाया गया है। उन्होंने बताया, जहां पर अनहोनी की आशंका है ऐसे 200 से ज़्यादा बूथों को शिफ़्ट किया गया है। शिफ्टिंग करते वक़्त ये ध्यान रखा गया है कि मतदाताओं को परेशानी न हो। हेली एम्बुलेंस और एयर एम्बुलेंस जगदलपुर में तैनात किया गया। तीन दिन पहले 16 अप्रैल को मतदान टीम को रवाना किया जाएगा। मतदाता परेशान न हो गर्मी को देखते हुए व्यवस्था के लिए इस बार चार गुना ज़्यादा राशि दी गई है। इस राशि के आधार पर जिला निर्वाचन अधिकारी से व्यवस्था की जानी है।क्षीरसागर ने बताया, मतदाताओं को गर्मी से राहत दिलाने के लिए छाया की व्यवस्था की गई है। पीने की पानी जैसे अन्य सुविधाओं की व्यवस्था की गई है। संवेदनशील क्षेत्र है, जिसे देखते हुए तैयारी पूरी कर ली गई है।

रायपुर रेलवे स्टेशन की पार्किंग में कभी भी लग सकती है बड़ी आग

रायपुर। रायपुर के कोटाक्षेत्र में लगी भीषण आग के जख्म अभी भरे भी नहीं है कि, रायपुर रेलवे स्टेशन के पार्किंग में बड़ी आग लगने की संभावना है। संभावना इसलिए क्योंकि रेलवे स्टेशन के पार्किंग से लगी होटले है। होटल संचालकों ने अपनी दुकान के पीछे की दीवारों को तोड़ दिया है। इससे दुकान के पीछले हिस्से में बनने वाले भट्टी में भोजन और आग की चिंगारी वहां से निकलकर रायपुर रेलवे स्टेशन की पार्किंग की तरफ आती है। उससे भी ज्यादा हैरानी की बात ये है कि आज सोमवार को सुबह पार्किंग में लगे पीपल के पेड़ में आग भी लगी, जिसे बुझाने का दावा पार्किंग ठेकेदार द्वारा किया जा रहा है। वहीं इस पूरे मामले में जब रेलवे के जिम्मेदारों को बुलाया गया, तो उनका कहना था कि इस पूरे मामले की उन्हें लिखित में शिकायत चाहिए। शिकायत उन्हें भी नहीं बल्कि सीनियर डीसीएम ऑफिस में देनी होगी, जिसके बाद वहां से आने वाले फैसले के बाद वे काम करेंगे। यानी आग पार्किंग में आने से पहले शिकायत का इंतेजार करेगी और फिर वो ही ये फैसला लेगी कि उसे इस तरफ आना है या नहीं, क्योंकि रेलवे के अधिकारियों को इससे कोई फर्क नहीं पड़ता कि वहां मौजूद हजारों यात्रियों की गाड़ियां जलकर राख हो जाएगी। जबकि रायपुर रेलवे स्टेशन की इसी पार्किंग में पहले भी आग लग चुकी है, जिसमें सैकड़ों गाड़ियां जलकर राख हो गई थी।

ऑनलाईन सट्टा संचालक कमल खटवानी गिरफ्तार

रायपुर। देवेन्द्र नगर क्षेत्रांतर्गत समलेश्वरी नगर पार्किंग के पास ऑनलाईन सट्टा का संचालन कर रहे कमल खटवानी ने देवेंद्र नगर पुलिस ने मुखबिर की सूचना पर गिरफ्तार कर लिया है। पूछताछ करने पर उसके द्वारा बताया गया कि पंकज उर्फ राहुल नामक व्यक्ति की तलाश में पुलिस जुट गई है। मुखबीर की सूचना पर देवेन्द्र नगर इलाके के समलेश्वरी नगर पार्किंग के पास पुलिस ने मुखबिर से मिली सूचना के आधार पर दबिश दिया और कमल खटवानी निवासी देवेन्द्र नगर को गिरफ्तार किया और उसके मोबाईल फोन को चेक करने पर पता चला कि वह ऑनलाईन सट्टा खिला रहा था। कड़ाई से पूछताछ करने पर उसने बताया कि पंकज उर्फ राहुल नामक व्यक्ति द्वारा उसे सट्टा आपरेट करने अलग-अलग मोबाईल नम्बर एवं आई.डी. दिया था। पंकज उर्फ राहुल गोवा, पूणे एवं मुम्बई के निवासियों के माध्यम से भी सट्टा संचालित करता है। प्रकरण में आरोपी पंकज उर्फ राहुल फरार है साथ ही आरोपी से प्रकरण में संलिप्त अन्य व्यक्तियों के संबंध में पूछताछ की जा रही है। कमल खटवानी के पास से पुलिस ने 1 नग मोबाईल फोन और 1.50 लाख रूपए जप्त कर छ.ग. जुआ प्रतिषेध अधिनियम 2022 धारा 07 के तहत मामला दर्ज किया।

प्रदेश की सभी सीटों पर जीतने का किरण देव का दावा

केन्द्र सरकार की अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ हितग्राहियों को मिल रहा

जगदलपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी सोमवार को बस्तर के छोटे आमाबाल में पहुंचे। छोटे आमाबाल में रैली एवं जनसभा स्थल पर भारतीय जनता पार्टी ने पत्र वार्ता में कहा कि विश्व के सबसे लोकप्रिय और प्रभावी नेता हमारे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी 8 अप्रैल को बस्तर पहुंचे। बस्तर वासियों को मोदी की गारंटी पर पूरा भरोसा है। भारतीय जनता पार्टी प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर जीत दर्ज कर एनडीए के लक्ष्य अबकी बार 400 पार को पूरा करेंगे।

पत्रकारों से चर्चा करते हुये भाजपा प्रदेश अध्यक्ष किरण देव ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी छोटे आमावल से लोकसभा चुनाव का शंखनाद किया। मोदी की गारंटी पर बस्तर वासियों को पूरा भरोसा है। केन्द्र सरकार की अनेक जन कल्याणकारी योजनाओं का सीधा लाभ हितग्राहियों को मिल रहा है। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश सरकार भी मोदी की गारंटी को लागू करने में तत्परता दिखाते हुए महतारी वंदन योजना, 18 लाख परिवारों को प्रधानमंत्री आवास स्वीकृत करना, किसानों को समर्थन मूल्य और बोनस प्रदान करना, जैसे कार्यों को मूर्तरूप दिया है। प्रदेश के पूरी 11 सीटों को जीतने के लक्ष्य से भाजपा चुनाव लड़ रही है और हम सभी लोकसभा सीटें जीतेंगे।

कैबिनेट मंत्री केदार कश्यप ने कहा कि कांग्रेस का घोषणा पत्र पूरी तरह से झूठ का पुलिंदा है। जिस तरह से कांग्रेस लोक लुभावन झूठे वादों को दिखाकर सत्ता में आई थी और उसी तरह प्रदेश की जनता ने उसे नकार दिया। मौजूदा लोकसभा चुनाव में भी जनता कांग्रेस को सबक सिखाएगी और भारतीय जनता पार्टी के पक्ष में मतदान करेगी। मोदी की गारंटी पर क्षेत्र की जनता को पूरा भरोसा है।

पत्र वार्ता में विधायक एवं क्लस्टर प्रभारी अजय चंद्राकर ने कहा कि कांग्रेस के प्रत्याशी कवासी लखमा के विरुद्ध पैसा बांटने का एफआईआर दर्ज है। वे कहां प्रचार कर रहे हैं, किसके साथ हैं, कैसे चुनाव प्रचार कर रहे हैं यह जांच का विषय है। उत्तर और मध्य बस्तर में वो कहीं नजर नहीं आ रहे हैं। चन्द्राकर ने आशंका जाहिर करते हुये कहा कि कांग्रेस प्रत्याशी किसी गंभीर षड्यंत्र को अंजाम दे सकते हैं, इसके लिए कार्यकर्ताओं को सचेत किया गया है।

वहीं कैबिनेट मंत्री राम विचार नेताम ने पूर्व आबकारी मंत्री एवं कांग्रेस के कोंटा विधायक एवं लोकसभा प्रत्याशी पर गंभीर आरोप लगाते हुए कहा कि उनके कार्यकाल में स्तरहीन और घटिया शराब के विक्रय से अनेक प्रदेश वासियों की किडनी और लीवर खराब हुये हैं, कितने ही लोगों की मौत हो गई। पूर्व आबकारी मंत्री उसके भी दोषी हैं। इन सभी की जांच होनी चाहिए। उनके खिलाफ कार्रवाई की जानी चाहिये। पत्रकार वार्ता के दौरान कैबिनेट मंत्री ओपी चौधरी, भूपेंद्र सवन्नी, महेश जैन, श्रीनिवास राव मद्दी, रूपसिंह मंडावी, बैदूराम कश्यप, महापौर सफीरा साहू, राजेंद्र बाजपाई, आलोक अवस्थी उपस्थित थे।

संगठित व रणनीतिक तरीके से चल रहा है बृजमोहन का चुनाव प्रचार

रायपुर। तपती धूप में सुबह से लेकर देर रात का चुनावी सफर बता रहा है कि प्रत्याशी चुनाव को लेकर कितने गंभीर हैं। उन्ही में से एक रायपुर लोकसभा से भाजपा प्रत्याशी बृजमोहन अग्रवाल का चुनाव प्रचार यदि पूरे प्रदेश भर के संसदीय क्षेत्रों की बात करें तो सबसे ज्यादा संगठित व रणनीतिक तरीके से काफी आगे चल रहा है। बूथ, मंडल व वार्ड का सबसे निचला छोर जो होता है, वहां के कार्यकर्ता भी मोर्चा संभाल चुके हैं। संसदीय सीट पर एक दौर पूरा हो चुका है दूसरा भी शुरू हो गया है। खासियत यह है कि जहां प्रचार करना है वहीं के लोगों को जिम्मा दिया जा रहा है। संसदीय सीट पर अधिकांश विधानसभा में भाजपा के विधायक हैं इसका भी फायदा मिल रहा है। सभी ने अपने विधानसभावार जिम्मेदारी ले ली है। भाजपा के हर विंग चाहे वह महिला मोर्चा हो, भाजयुमो या किसान प्रकोष्ठ चाहे पिछड़ा वर्ग सबने पूरी ताकत झोंक दी है। फिर बृजमोहन अग्रवाल का अपना अंदाज ही अलग है,उनकी वहीं आत्मीयता और हर किसी से अपनापन, हर समय सर्वसुलभता लोगों को स्वमेव खींच ले रही है। लोग तो यहां तक दावा कर रहे हैं कि जिस प्रकार विधानसभा चुनाव में सर्वाधिक वोटों से जीतने का रिकार्ड बनाया था वही रिकार्ड लोकसभा चुनाव में भी बनेगा। उनकी कोर टीम भी मोर्चा संभाल चुकी है। प्रचार प्रसार की बात करें तो बैनर पोस्टर होर्डिंग्स समर्थक स्वंय होकर लगवा रहे हैं। चुनावी क्षेत्र में साइलेंट दस्तक देने के बाद जो नजारा सुना व दिखा उसी पर आधारित है ये खबर। कहीं-कहीं कुछ लोग इस बात को लेकर निराश भी दिखे कि संसदीय चुनाव जीतने के बाद दिल्ली में उनके नेता सक्रिय हो जायेंगे तो रायपुर में उनका काम कौन करवायेगा? प्रचार के दौरान लोग बृजमोहन से यह सवाल भी कर रहे हैं,सधे अंदाज में वे कहते हैं हमेशा की तरह वे जनसेवक के रूप में उपलब्ध रहेंगे। हालांकि मतदान में कहें लगभग महीने भर का समय है,कारवां कहां तक बढ़ता है नतीजे आने तक इंतजार करना होगा।

मतदाताओं को जागरूक करने अंतर विभागीय स्वीप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन

रायपुर। लोकसभा चुनाव के स्वीप कार्यक्रम के तहत राजधानी रायपुर में अंतर विभागीय स्वीप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इसमें रायपुर स्मार्ट सिटी और स्कूल शिक्षा विभाग के बीच मैच खेला गया। इस प्रतियोगिता में रायपुर स्मार्ट सिटी ने जीत हासिल की। यह मैच कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह के मार्गदर्शन में आयोजन किया जा रहा है। मतदाता जागरूकता के लिए आयोजित इस प्रतियोगिता में आरडीए के सीईओ प्रतीक जैन ने उपस्थित खिलाड़ियों और नागरिकों को मतदाता जागरूकता की शपथ दिलाई।

टॉस स्मार्ट सिटी ने जीत हासिल करते हुए पहले बल्लेबाजी का निर्णय लिया। इस दौरान उन्होंने 140 रन का लक्ष्य हासिल किया। वहीं स्कूल शिक्षा विभाग ने 140 रन के लक्ष्य का पीछा करते हुए 101 रन ही बना पाई। 12 दिवसीय स्वीप क्रिकेट प्रतियोगिता का आयोजन में अंतर विभागीय टीम हिस्सा ले रही है। 10-10 ओवर के मैच खेला जा रहा है। साथ ही प्रत्येक ओवरों का निर्वाचन

प्रक्रिया के तहत नामकरण किया गया है। स्वीप ओवर, अधिसूचना ओवर, ईवीएम ओवर, एफएसटी ओवर, वीवीपैट ओवर इत्यादि नाम दिए गए हैं। इस खेल का मुख्य उद्देश्य शहरी क्षेत्रों में अधिक से अधिक मतदान का प्रतिशत बढ़ाना और अन्य लोगों को भी मतदान के लिए जागरूक करना है।

मतदाता जागरूकता के तहत दूसरा मैच नगर निगम रायपुर और सेनानी की टीम बीच खेला गया। इसमें नगर निगम रायपुर की जीत हुई। सेनानी की टीम ने पहले बल्लेबाजी करते हुए सिर्फ 47 रन बनाये। इस लक्ष्य का पीछा करने उतरी नगर निगम की टीम ने 5 ओवर में ही जीत हासिल कर ली।

भाजपा ने कहा- पहली लाठी मुझे मारो, कांग्रेस ने पीएम को घेरा

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी आज छत्तीसगढ़ दौरे में हैं। ऐसे में प्रदेश में एक ही मुद्दा गरमाया हुआ है। बस्तर लोकसभा की इस सभा में पहली लाठी मुझे मारो का मुद्दा गूंज सकता है। सभा को साधने के लिए पीएम नरेन्द्र मोदी इस मुद्दा को उठा सकते हैं। इस बीच भाजपा ने कार्टून जारी कर कांग्रेस पर निशाना साधा है। वहीं पीएम मोदी के दौरे को लेकर कांग्रेस ने भी कार्टून वार किया है। इसी तरह दोनों पार्टियों के बीच कार्टून वार जारी है।

इस बार कांग्रेस ने पीएम नरेंद्र मोदी के छत्तीसगढ़ दौरे को लेकर कार्टून जारी किया है। जारी कार्टून में महंगाई, डीजल-पेट्रोल, रोजगार और नौकरी को मुद्दा बनाया है। कार्टून में पीएम मोदी को जनता से अपील करते दिखाया गया है। उसमें लिखा है कि मित्रों मुझे लाठी से बचालो। वहीं दौरे को लेकर कांग्रेस ने कहा कि कल बस्तर पधार रहे हैं साहब। स्क्रिप्ट उन्हें मिल चुकी है। लिख कर रख लीजिए यही होने वाला है। एक भी आपके सवालों का जवाब कल भी नहीं दिया जाएगा। उन्होंने तंज कसते हुए

कहा कि भाजपा को 'वोट रूपी' लाठी अब जनता मारेगी।

वहीं दूसरी ओर भाजपा ने नेता प्रतिपक्ष महंत के बयान को लेकर तंज कसा है। बीजेपी ने नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत पर करारा हमला करते हुए सोशल मीडिया पर कार्टून पोस्ट किया है। इस कार्टून में महंत को लाठी पकड़ते दिखाया जा रहा है। वहां खड़ी जनता मैं हूं मोदी का परिवार, पहली लाठी मुझे मार कह रही है। भाजपा इस विवादित बयान पर लगातार कांग्रेस को घेरने की प्रयास कर रही है। वहीं आज पीएम मोदी इस बयान पर कुछ टिप्पणी कर सकते हैं। सभा को साधने के लिए यह मुद्दा एक बार उठाया जा सकता है।

छत्तीसगढ़ विधानसभा नेता प्रतिपक्ष डॉ. चरणदास महंत ने बीते दिनों राजनांदगांव में पूर्व मुख्यमंत्री भूपेश बघेल के नामांकन सभा में शामिल हुए। इस दौरान उन्होंने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ विवादित बयान दिया था। उन्होंने कहा था कि नरेंद्र मोदी के खिलाफ कोई लाठी लेकर खड़ा हो सकता है,तो वो भूपेश बघेल हैं। हम लोगों को लाठी चलाने वाला और नरेंद्र मोदी के सर को फोड़ने वाला आदमी चाहिए, जो भूपेश बघेल और देवेंद्र यादव ही कर सकते हैं।

हालांकि यह बयान बढ़ने पर महंत ने अपने बयान को लेकर सफाई दे दी थी। उन्होंने कहा था कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी एक सम्मानित पद पर हैं। मैंने कुछ गलत नहीं कहा था। बयान को तोड़मरोड़ कर बताया जा रहा है। मेरी बातों से बुरा लगा हो, तो मैं खेद व्यक्त करता हूं। उनके सफाई देने के बाद भी कांग्रेस नें इस बयान के तर्ज पर मोदी के खिलाफ एक और कार्टून जारी कर दिया है। ऐसे में सुलझा हुआ मामला एक बार फिर गरमा सकता है।

महामाया मंदिर में 10 हजार से अधिक जोत प्रज्वलित होगी, आज से नवरात्र प्रारंभ

रायपुर। नवरात्र की प्रतिपदा तिथि आठ अप्रैल की रात्रि 11 बजे से शुरू हो रही है। उदया तिथि को महत्व दिए जाने से नौ अप्रैल को सुबह से देवी मंदिरों और घर-घर में घट स्थापना की जाएगी। राजधानी के 10 से अधिक देवी मंदिरों में जोत प्रज्वलित करने की तैयारियां जोरशोर से की जा रही है। अनुमानतः 50 हजार से अधिक ज्योति विविध देवी मंदिरों में जगमगाएगी।

पुरानी बस्ती के महामाया मंदिर में सबसे ज्यादा 10 हजार से अधिक जोत प्रज्वलित की जाएगी। मंदिर के चार बड़े कक्षों में तांबे के कलशों को सजाकर, बाती और तेल भरने का कार्य शुरू हो चुका है। मंदिर में आठ अप्रैल की रात्रि आठ बजे तक ही जोत प्रज्वलित कराने के लिए पंजीयन किया जाएगा।

पुरानी बस्ती में महामाया मंदिर,

आकाशवाणी काली मंदिर, रावांभाठा बंजारी मंदिर, ब्राह्मणपारा कंकाली मंदिर, अमीनपारा और आमापारा के शीतला मंदिर, कुशालपुर के दंतेश्वरी मंदिर, समता कालोनी के गायत्री मंदिर, माना रोड के मां त्रिपुर सुंदरी मंदिर, चूड़ी लाइन के शनि मंदिर, बंधवारा के सतबहिनिया मंदिर समेत अन्य देवी मंदिरों में नवरात्रि की तैयारी पूरी हो गई है। महामाया मंदिर के पुजारी पं.मनोज शुक्ला के अनुसार जिस जगह पर घट स्थापना करना हो, उसे गोबर से लीपकर अथवा गंगाजल छिड़ककर शुद्ध करें। मिट्टी, तांबा अथवा चांदी के कलश में जल भरकर, लौंग, साबुत हल्दी, इलायची, पान, आम का पत्ता, सिक्का, अक्षत डालकर इसके उपर सकोरा में तेल, बाती रखें। जंवारा बोने के लिए जौ, गेहूं, मिट्टी का कलश रखें। रोली से स्वास्तिक बनाएं। विधिवत पूजन करके जोत प्रज्वलित करें। लोहा, स्टील का बर्तन उपयोग में न लाएं ऐसी मान्यता है कि कलश स्थापना करने से घर में सुख, समृद्धि बढ़ती है। घट स्थापना चांदी, मिट्टी या तांबे के कलश में ही करना चाहिए। लोहा, स्टील अथवा अन्य धातु के बर्तन का उपयोग न करें।

चैत्र मास के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि आठ अप्रैल की रात्रि 11.50 बजे से प्रारंभ हो रही है, जो नौ अप्रैल को रात्रि 8.30 बजे तक विद्यमान रहेगी। उदयातिथि की नवरात्रि सुबह ब्रह्म मुहूर्त से मनाई जाएगी।

कांग्रेस के घोषणा पत्र पर नितिन नबीन का हमला

- कहा- मुस्लिम लॉ बोर्ड का प्रस्ताव ही कांग्रेस का घोषणा पत्र

कोरबा। पिछले दिनों भातरीय जनता पार्टी ने देशभर में पार्टी का स्थापना दिवस मनाया। छत्तीसगढ़ में भी अलग अलग जगहों पर बीजेपी ने कई कार्यक्रम आयोजित किए। इसी कड़ी में छत्तीसगढ़ बीजेपी के लोकसभा चुनाव प्रभारी नितिन नबीन कोरबा दौरे पर रहे। इस दौरान ईटीवी भारत की टीम ने नितिन नबीन से खास बातचीत की है।

यह कांग्रेस का घोषणा पत्र नहीं, अन्याय पत्र है। कांग्रेस ने बहुसंख्यक आबादी के लोगों के साथ जो अन्याय करने का बीड़ा उठाया है, बहुसंख्यक आबादी इसको देख रही है। धर्म के आधार पर इस देश के संसाधनों का बंटवारा की बात कांग्रेसी नेता पहले भी करते रहे हैं। मुस्लिम लॉ बोर्ड का जो प्रस्ताव रहता है, इसी प्रस्ताव को कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में शामिल किया है। कहीं ना कहीं ये दिखता है कि कांग्रेस का घोषणा पत्र मुस्लिम लॉ बोर्ड का घोषणा पत्र है। कांग्रेस बहुसंख्यक आबादी के अपमान करने का और अन्याय करने का काम हमेशा करती है।

देश के प्रधानमंत्री पर लाठी चलाने की बात आप कहते हैं और हमको कहते हो कि हम डराने और धमकाने का काम करते हैं। हम तो कहते हैं नरेंद्र मोदी के पहले नरेंद्र मोदी के परिवार पर लाठी चलाओ। हम खड़े हैं, आगे है और है हिम्मत तो पहले हम पर लाठी चलाओ। हम डराते नहीं हैं। लाठी चलाने की बात आप करते हो और कहते हो कि हम डरा रहे हैं।

हम कमजोर या मजबूत सीटों को नहीं देखते हैं। हम हर बूथ पर फोकस रखते हैं और मेरा मानना है कि हम 11 के 11 सीट पर जीतने की स्थिति में हैं। 11 के 11 सीट पर हम पूरी ताकत के साथ मेहनत कर रहे हैं और हम सभी 11 सीट जीतेंगे।

रोजगार और महंगाई पर पीएम नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं: बैज

रायपुर। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष दीपक बैज ने पीएम मोदी के बस्तर दौर के दौरान उनसे कई सवाल पूछे हैं। उन्होंने पीएम से सवाल करते हुए पूछा कि रोजगार और महंगाई पर पीएम नरेंद्र मोदी चुप क्यों हैं?, आदिवासी समाज का 32 प्रतिशत आरक्षण 15 महीने से राजभवन में भाजपा ने क्यों बंधक बनाया हुआ है? दीपम की वेबसाइट पर नगरनार विनिवेशीकरण किये जाने वाले संस्थानों में क्यों शामिल है?

उन्होंने सवाल दागते हुए पूछा कि पूर्ववर्ती कांग्रेस सरकार ने विधानसभा से सर्वसम्मति से आरक्षण संशोधन विधेयक पारित करवा कर राजभवन भेजा था, राजभवन उस पर हस्ताक्षर क्यों नहीं कर रहा है? राज्यपाल बदल गये लेकिन हस्ताक्षर नहीं हुआ। छत्तीसगढ़ के सर्वसमाज का आरक्षण क्यों बंधक बना हुआ है, इससे सबसे ज्यादा नुकसान आदिवासी समाज का हो रहा है। प्रधानमंत्री बताये वे आदिवासी समाज से किस बात का बदला निकाल रहे है?

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि विधानसभा चुनाव के समय मोदी ने बस्तर की जनता से कहा था नगरनार इस्पात संयंत्र का विनिवेशीकरण नहीं होगा। आज तक दीपम की वेबसाइट पर नगरनार विनिवेशीकरण किये जाने वाले संस्थानों में

क्यों शामिल है? इससे भाजपा की बदनीयती सामने आती है। कांग्रेस बस्तर के आदिवासियों का अधिकार बिकने नहीं देगी। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद नगरनार संयंत्र बेचने की प्रक्रिया रोकी जायेगी। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने के बाद राजभवन से आरक्षण संशोधन विधेयक पर हस्ताक्षर करने को कहा जायेगा।

कांग्रेस ने दागे सवाल

- प्रदेश के कुल बेरोजगारों में 83 प्रतिशत युवा क्यों हैं? सालाना 2 करोड़ नौकरियां कहां हैं? देश में 30 लाख सरकारी पद खाली क्यों हैं? हर परीक्षा का पेपर लीक क्यों होता है?
- कॉरपोरेट का 16 लाख करोड़ माफ हो गया लेकिन हमारे किसान कर्ज से आत्महत्या क्यों कर रहे हैं? किसानों की आय दोगुनी कब होगी? किसानों को एमएसपी कब मिलेगी?
- देश के पदों और संसाधानों में हमारे दलित, पिछड़े, आदिवासी, अल्पसंख्यक और गरीब सवर्णों की उचित भागीदारी क्यों नहीं है?
- महंगाई आज चरम पर क्यों है? घर चलाना मुश्किल क्यों है? आम लोग अपना परिवार क्यों नहीं चला पा रहे हैं?
- महिलाओं के साथ अत्याचार क्यों बढ़ रहे हैं? महिलाओं पर अत्याचार करने वाले अपराधियों को संरक्षण देना कब बंद होगा?
- प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि लोकसभा चुनाव के बाद अब इस अन्याय काल का अंत निकट है। देश के लोग इस सरकार को उखाड़ कर फेंकने के लिए तैयार हैं। उसके बाद कांग्रेस पार्टी के नेतृत्व वाली सरकार पांच न्याय की गारंटी के माध्यम से देश और लोगों के हालात को बदलेगी।

महतारी वंदन योजना महिलाओं के साथ छल

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि विधानसभा चुनाव के दौरान भाजपा ने सरकार बनते ही महिलाओं के खाता में 1 हजार रु. महीना ट्रांसफर करने का वादा किया था, दिसंबर माह में साय सरकार का गठन हो गया है और अभी जनवरी-फरवरी, मार्च और अप्रैल 4 माह हो चुका है और मात्र एक महीने की 1000 रु. राशि महिलाओं को दी गई है. यह महिलाओं के साथ धोखा और छल हैं। प्रदेश के 70 प्रतिशत महिलाओं को महतारी वंदन योजना का लाभ नहीं मिल पा रहा है। साय सरकार महतारी वंदन योजना में छल कपट खेल बंद करे, उनका उपहास न उड़ाये बल्कि सीधा 3 महीने की बकाया 3000 रु की राशि खाता में जमा कराये।

प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि भाजपा की वादाखिलाफी का महिलायें प्रतिरोध करेगी तथा केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनायेगी। केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर प्रदेश के गरीब महिलाओं को 1 लाख रु. सालाना सीधा ट्रांसफर किया जाएगा। यानि महिलाओ को हर महीना लगभग 8333 रु एवं 5 साल में गरीब महिलाओं के खाते में 5 लाख रु. राशि कांग्रेस की सरकार दर्ज जमा करवाएगी।

मोदी के दौरे पर कांग्रेस का सियासी वार

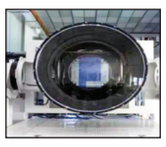

रायपुर। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी आज बस्तर के छोटे आमाबाल में भाजपा की विजय संकल्प शंखनाद रैली को संबोधित करेंगे। पीएम मोदी के दौरे से पहले की सियासी वार शुरू हो गई है। विपक्षी पार्टी कांग्रेस निशाना साधते हुए सवाल कर रही है। वहीं भाजपा कांग्रेस के आरोप पर पलटवार कर रही है। वहीं पीएम मोदी के छत्तीसगढ़ आगमन से पहले कांग्रेस का सोशल मीडिया पर वार शुरू किया है। कांग्रेस ने दुनिया के सबसे शक्तिशाली कैमरे की फोटो शेयर करते हुए पीएम मोदी पर तंज कसा है। कांग्रेस ने कहा है कि इस कैमरे की मदद से धरती से ही यह अन्य ग्रहों को बहुत आसानी से ढूंढ कर दिखा सकता है। लेकिन जब इससे मोदी की 100 स्मार्ट सिटी, 2 करोड़ रोजगार सालाना के कागज़, विदेशों से काले धन की वापसी के कागज़ आदि ढूंढने की कोशिश की गई। तो यह विफल हो गया। छत्तीसगढ़ कांग्रेस ने एक्स पर पोस्ट कर लिखा है कि स्टैनफोर्ड यूनिवर्सिटी द्वारा दुनिया का सबसे शक्तिशाली कैमरा बना लिया गया है। जिसका वजन 3000 किलो है व 3200 मेगा पिक्सल का कैमरा है। इसकी क्षमता का अंदाज़ा आप इस बात से लगा लीजिए की 30 किलोमीटर दूर रखी किसी गोल्फ बॉल की भी ।ष्ठ क्वालिटी फोटो यह निकाल सकता है। धरती से ही यह अन्य ग्रहों को बहुत आसानी से ढूंढ दिखा सकता है। किंतु जब इससे मोदी जी की 100 स्मार्ट सिटी, 2 करोड़ रोज़गार सालाना के कागज़, विदेशों से काले धन की वापसी के कागज़ आदि ढूंढने की कोशिश की गई, तो यह विफल हो गया। इसलिए आएगा तो राहुल ही।

लोकतंत्र को कमजोर करती है अवसरवादी राजनीति

ललित गर्ग

कांग्रेस में लगातार वफादार नेताओं का पलायन जारी है, नये नामों में कांग्रेस के प्रवक्ता गौरव वल्लभ, महाराष्ट्र के जिम्मेदार एवं पूर्व मुंबई कांग्रेस अध्यक्ष संजय निरुपम, बिहार कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष अनिल शर्मा, निशाना साधने वाले मुक्केबाज विजेंदर, आचार्य प्रमोद कृष्णम हैं, जिन्होंने कांग्रेस को बाय-बाय कर दी है। इन सभी ने कांग्रेस के मुद्दाविहीन होने, मोदी के विकसित भारत के एजेंडे, राहुल गांधी की अपरिपक्व राजनीति एवं कांग्रेस की सनातन-विरोधी होने को पार्टी से पलायन का कारण बताया है। कुछ भी कहे, यह राजनीति में अवसरवाद का उदाहरण है, इस तरह का बढ़ता दौर चिंताजनक है। भारत की राजनीति में दलबदल की विसंगति एवं विडम्बना आजादी के बाद से लगातार देखने को मिलती रही है। पिछले साढ़े सात दशक के भारतीय लोकतंत्र में राजनीतिक पराभव के अक्स गाहे-बगाहे उजागर होते रहे हैं। दलबदल के बढ़ते दौर ने अनेक सवाल खड़े किये हैं। कल तक विपक्ष में जो नेता दागी होते थे, सतारूढ़ दल में शामिल होने के बाद ऐसा क्या हो जाता है कि उनके दाग दाग नहीं रहते। राजनीति में निष्ठाएं बदलने की स्थितियां आम नागरिकों को उद्वेलित कर रही हैं कि आखिर ऐसा क्या हो जाता है कि दागी नेता सत्ता की धारा में डुबकी लगाकर दूध का धुला घोषित हो जाता है। हर बार चुनावों की घोषणा के साथ ही राजनीतिक दलों में 'आयाराम-गयाराम' का खेल शुरु हो जाता है। विभिन्न दलों के प्रभावी नेताओं को अपने दल में शामिल कराने की होड़ मची है, कभी कोई एक दल बाजी मारती हैं तो कभी कोई दूसरा दल। सभी सेलिब्रिटी आखिर सत्ता की तरफ ही क्यों भागते हैं? पूर्व न्यायाधीश हो, पूर्व अधिकारी हो, अभिनेता हो या खिलाड़ी राजनीति में अपना भविष्य आजमाते रहे हैं। अगर भाजपा की विचारधारा किसी विजेंदर, गौरव या अनिल शर्मा जैसे लोगों हो क्यों अच्छी लगती है तो सवाल यह भी है कि पिछले पांच साल तक वे कांग्रेस में क्यों रहे? ऐसे नेताओं की भी कमी नहीं है जो गत वर्ष के अंत में हुए विधानसभा चुनावों में एक पार्टी के चुनाव चिह्न पर उम्मीदवार थे तो अब दूसरी पार्टी का चुनाव चिह्न लेकर मैदान में उतरते दिख रहे हैं। उल्लेखनीय है कि इनदिनों भाजपा में जो विभिन्न दलों के तीस के लगभग राजनेता शामिल हुए हैं उनमें कांग्रेस, राकांपा, शिवसेना, टीएमसी, टीडीपी, एसपी और वाईएसआर कांग्रेस के नेता शामिल हैं। क्या यह भाजपा के निश्चित जीत की संभावनाओं का परिणाम है या केन्द्रीय एजेंसियों की कार्रवाई के डर का परिणाम है। निश्चिय ही यह स्थिति किसी लोकतंत्र के स्वास्थ्य के लिये शुभ नहीं कही जा सकती। देश में लंबे समय से चुनाव सुधारों पर चर्चा चल रही है लेकिन चर्चा इस पर भी होनी चाहिए कि दलबदल का बढ़ता दौर कैसे रूके। राजनीति एवं राजनेताओं में नीति एवं सिद्धान्तों की बात प्रमुख होनी चाहिए लेकिन ऐसा न होना लोकतंत्र की बड़ी विसंगति है। राजनीति में सबकुछ जायज है वाली सोच एवं स्वार्थ की नीति दुर्भाग्यपूर्ण है। चुनाव का समय हर राजनेता के लिये अपने हित एवं स्वार्थ को चुनने का समय होता है, लेकिन उनके सामने लोकतंत्र के हिताहित का प्रश्न बहुत गौण हो जाता है। चुनावों में आचार संहिता के चलते कई प्रतिबंध लागू हो जाते हैं, लेकिन राजनीति में में दल-बदल पर नियंत्रण का कहीं कोई प्रावधान ही नहीं है, जबकि यह लोकतंत्र की जीवंतता एवं पवित्रता के लिये प्राथमिकता होनी चाहिए। सत्ता का स्वाद ही ऐसा होता है कि कोई भी राजनेता इससे अछूता नहीं रहता। इसीलिए आजकल दल बदलने का दौर खूब हो रहा है। यह बात दूसरी है कि ज्यादातर नेताओं में भाजपा का दामन थामने की होड़ मची है। एक दिन पहले भाजपा पर निशाना साधने एवं जीभर कर कोसने वाले नेताओं को एकाएक भाजपा इतनी अच्छी क्यों लगने लगती है? भाजपा को भी सोचना चाहिए कि आखिर ये अवसरवादी नेता जबभी उनके अनुकूल नहीं हुआ तो उसे भी बाय-बाय कर देंगे? भाजपा को यह भी देखना चाहिए कि पार्टी के निष्ठावान कार्यकर्ताओं की अनदेखी कर चंद घंटों पहले पार्टी में शामिल होने वाले को टिकट देना कहां तक उचित है।

फिर से मोदी के मुद्दों पर आ गया चुनाव

अजय सेतिया

अठारहवीं लोकसभा का चुनाव भी पिछले चुनाव की तरह राष्ट्रवाद के मुद्दों पर पर आकर खड़ा हो गया है। पिछले लोकसभा चुनाव के समय भाजपा के पास इतने मुद्दे नहीं थे, जितने इस बार हैं। सिर्फ एक ट्रिपल तलाक के खिलाफ बना क़ानून ही मुद्दा था, जो भाजपा के कोर वोट बैंक का मुद्दा नहीं था। इस क़ानून से हिन्दुओं को किसी तरह का कोई फायदा या नुकसान नहीं था।

अनेक चुनाव विश्लेषक ऐसा मानते हैं कि अगर पुलवामा न होता, और मोदी सरकार दो सप्ताह के अंदर पाकिस्तान में घुसकर आतंकवादियों के कैंप पर हमला न करती तो भाजपा को बहुमत नहीं मिलता। कांग्रेस और अन्य विपक्षी दल देश की भावनाओं को समझते होते, तो बालाकोट के सबूत नहीं मांगते।

राष्ट्र सुरक्षा और सेना के दावों से जुड़े मुद्दों पर सबूत नहीं मांगे जाते। कांग्रेस ने सबूत मांग कर सेना की क्षमता पर सवाल उठाकर बड़ी गलती की थी। घर में घुसकर मारने के डायलॉग ने मोदी को देश का इतना बड़ा हीरो बना दिया कि उनके नाम पर भाजपा 282 से बढ़कर 303 हो गई।

कांग्रेस ने उस गलती से सबक नहीं सीखा। वह इस चुनाव में लद्दाख में चीनी सेना के कब्जे का सवाल उठाकर भारतीय सेना की क्षमता पर फिर सवाल उठा रही है। हालांकि भारतीय सेना ने कांग्रेस के इन आरोपों का पूरी तरह खंडन किया है, लेकिन कांग्रेस की ओर से सवाल दागा जाना जारी है।

कांग्रेस राष्ट्रवाद के प्रति देश की जनता, खासकर हिन्दुओं की भावना को नहीं समझ पा रही। अब कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने जम्मू कश्मीर से 370 हटाए जाने वाले मुद्दे को लोकल मुद्दा बताकर सेल्फ गोल कर लिया है। राजस्थान में एक जनसभा को संबोधित करते हुए उन्होंने कहा कि मोदी यहाँ आकर (या देश में बाकी जगह पर) जम्मू कश्मीर से 370 हटाने का मुद्दा क्यों उठा रहे हैं, वह कश्मीर या जम्मू में जा कर इस मुद्दे को उठाएं।

जिस कांग्रेस ने 370 हटाए जाने का विरोध किया था, और लोकसभा में कहा था कि कश्मीर का मसला क्योंकि संयुक्त राष्ट्र में है, इसलिए भारत को 370 हटाने का अधिकार ही नहीं है, जो सत्ता में आने पर दुबारा 370 लागू करने की बात कहती रहती है, वह अब उसी मुद्दे को अप्रसांगिक बता रही है।

कांग्रेस सही समय पर सही मुद्दा पहचानने की क्षमता खो चुकी है। कांग्रेस को शायद अब तक यह समझ ही नहीं आया कि जम्मू कश्मीर का अनुच्छेद 370 संविधान लागू होने के बाद से ही सारे देश का मुद्दा बना हुआ था। 370 के कारण जम्मू कश्मीर भारत का अभिन्न अंग नहीं बन सका था, क्योंकि संसद से पारित कोई भी क़ानून जम्मू कश्मीर में लागू नहीं होता था। जम्मू कश्मीर के दलितों और पिछड़ों को आरक्षण का लाभ नहीं मिलता था, बंटवारे के समय पाकिस्तान से आए लोगों को वोटिंग का अधिकार नहीं मिलता था, जम्मू कश्मीर की बेटियों को बाहर शादी करने पर प्रॉपर्टी में अधिकार नहीं मिलता था। जम्मू कश्मीर के साथ देश की जनता की भावनाएं जुडी हुई हैं, और कांग्रेस अध्यक्ष कहते हैं कि वह तो लोकल मुद्दा है।

मल्लिकार्जुन खड़गे का बयान उनके डर को प्रदर्शित करता है। चुप्पी साध कर वह इस मुद्दे से बच सकते थे, लेकिन उन्होंने खुद मोदी के मुद्दे में प्राण फूंक दिए हैं। इससे पहले कश्मीर फाइल्स फिल्म का विरोध करके और फिल्म के तथ्यों को गलत बता कर कांग्रेस ने कश्मीरी पंडितों के जख्म भी हरे कर दिए थे। कांग्रेस ने सिर्फ तीस बत्तीस साल पुराने इतिहास को भी नकारने की कोशिश की।

रामजन्मभूमि मन्दिर को भी कांग्रेस ने खुद अपने खिलाफ चुनावी मुद्दा बनने दिया। वैसे रामजन्मभूमि का निर्माण चुनावी मुद्दा बनना ही था, लेकिन उसके प्राणप्रतिष्ठा कार्यक्रम के बहिष्कार का बयान जारी करके कांग्रेस ने अपने पैरों पर कुल्हाड़ी मार ली। अगर वह भी बाकी विपक्षी दलों की तरह चुप्पी साध लेती या देश भर के हिन्दुओं को शुभकामनाओं का संदेश देकर अब तक की अपनी मन्दिर निर्माण में अड़चनें डालने की गलती सुधार लेती तो उस पर हिन्दुओं का नकारात्मक प्रभाव कम पड़ता। कांग्रेस राष्ट्र की भावना के मुद्दों को समझने में भयंकर गलती कर रही है, हालांकि 2014 का चुनाव हारने के बाद ए.के. एंटनी कमेटी ने हार का कारण पार्टी की मुस्लिम परस्ती की छवि को बताया था, लेकिन कांग्रेस ने अपनी छवि सुधारने का कोई प्रयास नहीं सीखा। 2014 के बाद 2019 हारने के बाद भी कोई सबक नहीं सीखा। कम से कम एक दर्जन कांग्रेसी नेताओं ने कांग्रेस छोड़ते हुए रामजन्मभूमि मन्दिर की प्राण प्रतिष्ठा के बहिष्कार को कांग्रेस छोड़ने को कारण बता कर देश को याद दिलाया है कि कांग्रेस हिन्दू विरोधी है।

कांग्रेस ही नहीं समूचे विपक्ष के लिए राहुल गांधी ही एक ऐसे नेता है, जो नरेंद्र मोदी का विकल्प हो सकते हैं। विपक्ष का यही विकल्प उसे मोदी का विकल्प नहीं बनने दे रहा। राहुल गांधी को न भारत के संविधान की समझ न है, न भारतीय संस्कृति की समझ है, न हिन्दुओं की भावनाओं और उनको देश के बंटवारे के बाद पहुंचे दर्द का अहसास है, जिसके जख्म बंटवारे के 75 साल बाद भी ज़िंदा हैं।

भारत जोड़ो यात्रा के दौरान खाली वक्त में वह इन सब विषयों पर अध्ययन कर लेते, तो वह बार बार ऐसी गलतियाँ नहीं करते, जो वह आए दिन अपने भाषणों में करते रहते हैं। राहुल अपनी नासमझी से मोदी को हमलावर होने का मौक़ा देते हैं, और उनके ही के मुद्दे मजबूत करते रहते हैं। पिछले दस साल के अनुभव से उन्हें यह समझ लेना चाहिए था कि भारत के गैर संघी, और गैर भाजपाई हिन्दुओं ने भी मोदी को अपना नेता मान लिया है।

हिन्दुओं को ऐसा लगने लगा है कि मोदी एक एक कर उन गलतियों को सुधार रहे हैं जो आज़ादी से पहले या आज़ादी के बाद मुगल, ब्रिटिश और भारतीय शासकों ने की थीं। लेकिन उन्हीं मोदी को जब राहुल गांधी मनहूस कहते हैं, तो भारत के हिन्दू आहत होते हैं। जब वह कहते हैं कि हिन्दू धर्म में एक शक्ति होती है और कांग्रेस उसी शक्ति से लड़ रही है, तो वह सनातन धर्म पर चोट कर रहे होते हैं।

मोदी ने भले ही उनके इस बेतुके बयान को मातृशक्ति के साथ जोड़ दिया, लेकिन एक सामान्य हिन्दू उनके इस बयान को सनातन धर्म के खिलाफ मानता है, क्योंकि तमिलनाडु के द्रमुक नेताओं ने जब सनातन धर्म को कोरोना जैसी बीमारी कहा था, तो कांग्रेस ने उसके खिलाफ स्पष्ट स्टैंड नहीं लिया था।

ठीक चुनावों के वक्त ब्रिटेन के गार्डियन अखबार ने दुश्मन के घर में घुस कर मारने वाले मोदी के बयान की पुष्टि करके विपक्ष की नींद वैसे ही हराम कर दी है, जैसे पिछले लोकसभा चुनाव के समय बालाकोट में घुसकर पाकिस्तान के आतंकी ठिकाने नष्ट करने की घटना ने की थी।

यह एक ऐसी खबर है जिसने हर भारतीय का सीना फुलाकर 56 इंच का कर दिया है। पिछले एक साल से दुनिया भर में भारत पर आरोप लग रहा था कि वह दूसरे देशों में घुस घुस कर भारत के दुश्मनों की हत्याएं करवा रहा है। अमेरिका और कनाडा की सरकारों ने भी भारत पर आरोप लगाया था।

अमेरिका ने खालिस्तानी गुरपतवंत सिंह पन्नू की हत्या की कोशिश का आरोप लगाया था। कनाडा ने खालिस्तानी आतंकवादी हरदीप सिंह निझर की हत्या का आरोप लगाया था। भारत ने इन सभी आरोपों का खंडन किया था।

लेकिन अब जब इंग्लैण्ड के अखबार गार्डियन ने पाकिस्तान के हवाले से उन 20 इस्लामिक और खालिस्तानी आतंकियों की लिस्ट छापी है, जिनकी पिछले तीन साल में पाकिस्तान में हत्या हुई है, तो भारत में हर कोई फूला नही समा रहा। भारत सरकार भले ही इसका खंडन करे, भारत का हर नागरिक इस खबर को सच मानता है और इसे मोदी की घर में घुसकर मारने वाली नीति का नतीजा बता रहा है।

दुनिया भर के मानवतावादी चिल्ला रहे हैं, लेकिन इस मुद्दे पर राहुल गांधी चुप हैं, क्योंकि उन्हें पता है कि उनके यह आरोप लगाने से मोदी की जय जयकार शुरू हो जाएगी। भारत आधिकारिक तौर पर इन आरोपों का खंडन करता रहा है, लेकिन अब रक्षामंत्री राजनाथ के बाद योगी आदित्यनाथ ने भी गार्डियन के हवाले से इन आरोपों की पुष्टि कर दी है। गार्डियन ने चुनाव के वक्त ऐसा काम कर दिया है कि राजनाथ सिंह और योगी फूले नहीं समा रहे। राजनाथ सिंह से जब पूछा गया कि विदेशी अखबार ने आरोप लगाया है कि भारत ने पाकिस्तान में घुस कर आतंकवादी मारे हैं, तो उन्होंने कहा कि यह भारत का हक है कि अगर कोई भारत में घुसकर आतंकवादी वारदातें करके जाएगा, तो भारत पाकिस्तान में घुसकर मारेगा।

भारतीय ज्ञान परंपरा....

महोपनिषद् (भाग-51)

गतांक से आगे...

एवं गुणों के क्रम उनके स्मृति पटल पर उभर आये। उन्होंने माया से ही विभिन्न प्रकार के आचारों से समन्वित अनेक रूप-रंग की प्रजा को अन्तरिक्ष में गन्धर्वलोक के समान ही संकल्प-शक्ति से प्रादुर्भूत कर दिया। उनके धर्म, अर्थ, काम, मोक्ष चार पुरुषार्थों की सिद्धि के लिए उन्होंने अनेक चित्र-विचित्र शास्त्रों और स्वर्ग-नरकादि की कल्पना (रचना) कर दी।

ब्रह्मारूपी मन की कल्पना द्वारा संसार की स्थिति होने से ब्रह्मा के जीवन के साथ इसका (मन का) जीवन है। ब्रह्माजी के आयुष्य समाप्ति के साथ इस मन की भी समाप्ति है। हे द्विजश्रेष्ठ! वास्तव में न तो कोई कहीं जन्म ही ग्रहण करता है और न अवसान को ही प्राप्त होता है। यह सब मिथ्या है, जो प्रत्यक्ष दिखाई देता है। यह प्रपंचात्मक संसार आशारूपी सर्पिणियों की पिटारी है, इसे त्यागना ही उचित है। इसे असत मानकर मातृभाव में स्थिर होना श्रेयस्कर है।

गन्धर्व नगर चाहे सुसज्जित हो या असुसज्जित, वह कैसा भी क्यों न दिखाई दे, वह तुच्छ ही है। उसी तरह अविद्या के अंशरूप ये पुत्र आदि भी प्रपंचरूप हैं, इनके प्रति आसक्ति होना दु:ख का कारण है। धन-स्त्री आदि की वृद्धि के प्रति सुख-दु:ख का भाव रखना निरर्थक है। इसमें सन्तोष मानने की कहीं गुंजायश नहीं। मोह-माया की वृद्धि होने पर इस लोक में कौन सुख-शान्ति का अधिकारी बना है। जिन पदार्थों की बहुतायत से अज्ञानी जन सुख अनुभव करते हैं, उन्हीं से ज्ञानी पुरुष विरक्त रहते हैं।

हे तत्त्वज्ञानी निदाघ ! सांसारिक व्यवहार में जिस-जिसका अभाव होता जाए, उसकी इच्छा न करे और जो-जो सहजता से उपलब्ध हो, उसे स्वीकार करे। अप्राप्त की इच्छा न करना और प्राप्त उपभोग्य सामग्री का उपयोग करना यही पाण्डित्य है।

क्रमश: ...

चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रारम्भ होता है हिंदू नववर्ष

मृत्युंजय दीक्षित

हम सामान्य रूप से एक जनवरी को बड़ी धूमधाम से नववर्ष मनाते हैं लेकिन हिंदूधर्म का नववर्ष चैत्र शुक्ल प्रतिपदा को प्रारम्भ होता है। हिंदी पंचांग, ज्योतिष और धार्मिक एवं सामाजिक आधार पर भी इस तिथि और चैत्र माह का विशेष महत्व है। वैज्ञानिक मान्यता यह है कि हिंदू पंचांग व कालगणना अधिक वैज्ञानिक व प्राचीन है। साथ ही यह दिन अनेक ऐतिहासिक पलों और कई घटनाओं को याद करने का दिन है।

भारतीय ज्योतिष विज्ञान के अनुसार सृष्टि के आरम्भ से अब तक 1 अरब 95 करोड़ 58 लाख 85 हजार 99 वर्ष से अधिक बीत चुके हैं। आधुनिक वैज्ञानिक भी सृष्टि की उत्पत्ति का समय एक अरब वर्ष से अधिक का बता रहे हैं। भारत में

कई प्रकार से कालगणना की जाती है। युगाब्द (कलियुग का प्रारंभ), श्रीकृष्ण संवत, विक्रमी संवत, शक संवत् आदि।

वर्ष प्रतिपदा का दिन ऋतु परिवर्तन का भी प्रतीक है। इस समय चारों ओर पीले पुष्पों की सुगंध भरी होती है, नयी फसलें भी पककर तैयार हो जाती हैं जिसके कारण ग्रामीण परिवेश में नयी खुशियों और नवजीवन का संचार होता है। नक्षत्र शुभ स्थिति में होते हैं किसी भी कार्य को प्रारम्भ करने का शुभ समय चैत्र शुक्ल प्रतिपदा ही होता है। कहा जाता है कि इसी दिन सूर्योदय से ब्रहमा जी ने जगत् की रचना प्रारम्भ की। 2078 वर्ष पहले समाट विक्रमादित्य ने अपना राज्य स्थापित किया था। जिनके नाम पर विक्रमी सम्वत् आरम्भ हुआ, कहा जाता है कि उनके राज्य में न तो कोई चोर था और नही कोई भिखारी। इसी दिन लंका विजय करके अयोध्या वापस आने पर प्रभु श्रीराम का राज्याभिषेक हुआ था अत: यह दिन श्रीराम के राज्याभिषेक दिवस के रूप में भी मनाया जाता है। स्वामी दयानंद सरस्वती ने इसी दिन आर्य समाज की स्थापना करी थी। सिंध प्रांत के समाज रक्षक वरूणावतार संत झूलेलाल भी इसी दिन प्रकट हुये अत: यह दिन सिंधी समाज बड़े ही उत्साह के साथ मनाता है। पूरे देशभर में सांस्कृतिक समारोहों का आयोजन किया जाता है। झांकियां आदि निकाली जाती है। विक्रमादित्य की भांति उनके पौत्र शालिवाहन ने हूणों को पराजित करके दक्षिण भारत में श्रेष्ठतम राज्य स्थापित करने के लिये शालिवाहन संवत्सर का प्रारम्भ किया।

हिंदू नववर्ष व अंग्रेजी नववर्ष मनाने की पद्धति में बड़ा ही अंतर है। इस दिन जहां हिंदू घरों में नवरात्रि के प्रारम्भ के अवसर पर कलश स्थापाना की जाती है घरों में पताका ध्वज आदि लगाये जाते हैं तथा पूरा नववर्ष सफलतापूर्वक बीते इसके लिए अपने इष्ट, गुरु, माता-पिता सहित सभी बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है। जबकि अंग्रेजी नववर्ष पूरे विश्व में हुड़दंग का दिन होता है। हिंदू नववर्ष की शुरूआत में ही मां दुर्गा के नवरूपों के आराधना के रूप में महिलाओं के सम्मान की बात सिखायी जाती है जबकि अंग्रेजी नववर्ष में नारी शक्ति का उपयोग मनोरंजन प्रधान वस्तु के रूप में करता है।

वोट नहीं मिला तो यूएन 2.0 बना लेगा भारत?

अभिनय आकाश

तुर्की-नेपाल जैसे देशों में आए भूकंप पीड़ितों की मदद का मामला रहा हो या फिर कोरोना की वैक्सीन दुनिया में कई देशों को देने की बात रही हो। या फिर जीरो हंगर का मुद्दा रहा हो। भारत ने जिस तरह से हर परिस्थिति में आगे रहने का साहस दिखाया है, उसका यूएन भी कायल हो चुका है। इसी सिलसिले में बड़ी खबर ये है कि संयुक्त राष्ट्र में भारत का स्थायी मिशन न्यूयॉर्क स्थित अपने मुख्यालय में सस्टेनेबल डेवलपमेंट गोल टू के अनुरूप जीरो हंगर का लक्ष्य हासिल करने की दिशा में भारत के महत्वपूर्ण योगदान पर एक इवेंट किया जाएगा। इसमें पीएम मोदी द्वारा साझा किया गया एक संदेश पढ़ा जाएगा। रूस यूक्रेन युद्ध से लेकर इजरायल हमास युद्ध तक भारत पीड़ितों को मानवीय सहायता पहुंचाता रहा है। कई बार आपने ये सुना होगा कि पिछले कई सालों से संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट को लेकर भारत अपनी दावेदारी जताता आया है। आपने ये भी जानते होंगे की यूएनएससी के पांच स्थायी सदस्य रूस, चीन, फ्रांस, अमेरिका और ब्रिटेन में से चार देश हमेशा भारत को स्थायी सदस्यता देने के लिए राजी हो जाते हैं। लेकिन चीन हर बार ये सीट नहीं मिलने देता है। वैसे पूरा सच ये भी है कि भारत का पुराना दोस्त रूस और मोदी के मित्र मैक्रों के देश फ्रांस ही है जो भारत की दावेदारी के साथ कंधे से कंधा मिलाकर मजबूती से खड़ा रहता है। लेकिन ब्रिटेन और अमेरिका की बैक डोर कोशिश उतनी मजबूत नहीं होती है। लेकिन सात दशक पहले बने इस सगंठन अब नई चुनौतियों के बीच नए रिफॉर्म को लेकर भी चर्चा होती रहती है। विदेश मंत्री एस जयशंकर के बयान के बाद वीटो पावर को लेकर बहुत बहस छिड़ी है। कई देशों ने ये तो कह दिया कि भारत को वीटो पावर मिलना चाहिए।

गुजरात के सूरत में विदेश मंत्री (ईएएम) एस

जयशंकर ने कहा कि %भारत को इस बार संयुक्त राष्ट्र सुरक्षा परिषद की स्थायी सीट मिलेगी, लेकिन हमें कड़ी मेहनत करनी होगी।% स्पष्ट रूप से उन्होंने इस मामले में दृढ़ संकल्प व्यक्त किया और यह स्वीकार करने के लिए पर्याप्त व्यावहारिक थे कि और अधिक करने की आवश्यकता है, संभवत: इसका मतलब यह है कि भारत को पी-5 पर और भी अधिक काम करने की जरूरत है, जैसा कि वे अभी हैं, और महासभा (जीए) के साथ काम करना है। अगर बात उस तक पहुंच गई। मंत्री जयशंकर के पश्चिम को चिढ़ाने के आक्रामक तरीके यूक्रेन युद्ध शुरू होने के बाद के महीनों और वर्षों में अधिक बार दिखाई दे रहे हैं। जिस सूक्ष्म और सौम्य राजनयिक के रूप में वह जाने जाते थे, वह वैश्विक मंच पर नए भारत की आवाज बनकर उभरे हैं, जहां भारत की सुप्रसिद्ध शांतिवादी आवाज, जिसे कई बार दूसरों द्वारा कमजोरी समझ लिया जाता है, एक वैश्विक राजनेता के रूप में विकसित हुई है।

वीटो एक लैटिन भाषा का शब्द है, जिसका मतलब है कि मैं अनुमति नहीं देता। या किसी काम के लिए निषेध करना। यदि किसी देश के पास वीटो है तो वो किसी भी प्रस्ताव के विरोध में अपनी सहमति न रखते हुए वोट कर सकता है। ये एक हिसाब से उस देश का पावर होता है जिसका इस्तेमाल करने वो अपना विरोध वोट डाल कर प्रकट कर सकता है। जैसा की आप जानते हैं कि सुरक्षा परिषद के कुल सदस्य देशों की संख्या 15 है, जिसमें से पांच देश इसके स्थायी और बाकी 10 अस्थायी सदस्य हैं। जिनका कार्यकाल 2 साल का रहता है।

किसी देश को वीटो पावर मिलेगी या नहीं ये दो प्रकार से तय होता है। वीटो पावर देने या नहीं देने का फैसला सदस्य देश करते हैं। यूएनएससी में 15 देश हैं और वीटो पावर को लेकर कितने देश ने उसके पक्ष में वोट किया है ये इस पर निर्भर करता है। वोट पावर के लिए 9 मेंबर्स की अनुमति चाहिए होती है। जिसके लिए वोटिंग हो रही है उसके लिए 10 वोट चाहिए होती है। पांच परमानेंट मेबर के वोट चाहिए होते हैं। किसी देश को वीटो पावर के लिए 2/3 देशों के सकारात्मक वोट के साथ उस देश के पास अधिक धन संपदा होनी चाहिए। ताकी वो कई देशों की सुरक्षा में अपनी सहभागिता दे सके।

सूरत में स्थानीय बुद्धिजीवियों के साथ अपनी बातचीत के दौरान, विदेश मंत्री ने यह भी संकेत दिया कि कैसे पी-5 ने सुरक्षा परिषद (यूएनएससी) पर कब्ज़ा कर लिया है, जिसे दुनिया भर में %सुपर-गवर्नमेंट% के रूप में देखा और स्वीकार किया जाता है। जैसा कि उन्होंने बताया पी-5 सदस्यों ने खुद को चुना और खुद को संरक्षक के रूप में नियुक्त किया, हालांकि दुनिया के अभिभावक देवदूत नहीं हैं। ऐसा इसलिए क्योंकि वे कई अलग-अलग तरीकों से कई मामलों में विभाजित नजर आए। चाहे वो क्षेत्रीय और वैश्विक राजनीति में उनके रुख और प्राथमिकताओं ने पहले यूएनएससी और उनके प्रतिस्पर्धी प्रचार, अभियान, वित्त पोषण और सदस्य-राष्ट्रों को हथियारबंद करने के कारण बड़े यूएनजीए को विभाजित किया था। भी, शीत युद्ध के दौर में विभाजन रेखाएँ स्पष्ट रूप से दिखाई दे रही थीं।

दशकों से भारत, जापान, जर्मनी और ब्राजील यूएनएससी में स्थायी सदस्यता के लिए अपने-अपने मामले पेश करने के लिए एक साथ आए हैं। यहां भी क्षेत्रीय प्रतिनिधित्व में विकृति है, क्योंकि लैटिन अमेरिका से कम से कम एक, पश्चिम एशिया से एक (इज़राइल नहीं) और अफ्रीका से दो को क्रम में रखा जाएगा। क्या वर्तमान समूह वैश्विक आवाज़ का विस्तार करके इतना ही कर सकता है? संयोग से जैसा कि मंत्री जयशंकर ने उल्लेख किया है, मिस्र ने संयुक्त राष्ट्र में प्रस्तावों का एक नया सेट पेश करने के लिए जापान और जर्मनी के साथ सहयोग किया है। क्या मिस्र अरब-इस्लामी राष्ट्रों, अफ्रीका या दोनों का प्रतिनिधित्व करता है? जब भी भारत और बाकी देशों ने संयुक्त राष्ट्र के अंदर और बाहर सुधार का झंडा लहराया है, तीन पश्चिमी सदस्यों, अर्थात्, अमेरिका, ब्रिटेन और फ्रांस ने प्रस्तावित चर्चा को सुधारों में परिवर्तित करके पहल को विफल करने की कोशिश की है। नि:संदेह, यह उस से भी बदतर है जो अमेरिका ने अधिक स्थायी सदस्यों को शामिल करने के लिए यूएनएससी का विस्तार करने का प्रस्ताव रखा था, लेकिन वीटो अधिकार के बिना। यही वह शरारत है जो अमेरिका कर रहा। यदि आप वीटो के बिना स्थायी सदस्य की स्थिति के बारे में बात करते हैं, तो दूसरा पक्ष विभाजित हो जाएगा। उनकी सामूहिक मांग कम हो जाएगी और गायब हो जाएगी, जैसा कि पिछले एक या दो दशक में लगभग आधा दर्जन बार हुआ है। इसलिए ऐसा लगता है कि सुधारों और विस्तारित सदस्यता के लिए यूएनएससी का रास्ता अपनाना कोई स्वागतयोग्य रास्ता नहीं है। जीए सदस्यों को तब पता चल जाएगा कि अतिरिक्त सदस्यों में से बहुत से, यदि सभी नहीं, तो ग्लोबल साउथ से संबंधित हैं और/या उसका प्रतिनिधित्व करते हैं।

आज का इतिहास

1957 मिस्र ने ब्यापार के लिए सुएज नहर को फिर से खोला गया।
1959 नासा ने प्रोजेक्ट मरक्यूरी में पहले अंतरिक्ष यात्री बुध सेवन (चित्र) के चयन की घोषणा की।
1961 यूसुफ गांड सिएरा लियोन में पहले मूल रोमन कैथोलिक पादरी के रूप में दर्जा मिला।
1963 ब्रिटिश राजनेता सर विंस्टन चर्चिल संयुक्त राज्य अमेरिका के मानद नागरिक बने।
1965 पश्चिम जर्मन संसद नाजी युद्ध अपराधों पर सीमाओं के क़ानून को बढ़ाया।
1967 पहली बोइंग 737 ने अपनी पहली उड़ान भरी, आखिरकार सबसे अधिक ऑर्डर किया गया और दुनिया भर में वाणिज्यिक यात्री जेट विमान का उत्पादन किया।
1972 सोवियत संघ और इराक ने मैत्री संधि पर हस्ताक्षर किए।
1988 ली पेंग चीन के प्रधानमंत्री बने।
1989 एशिया की पहली सम्पूर्ण भूमिगत संजय जलविद्युत परियोजना शुरू की गयी।
1995 25 प्रदर्शनों के बाद प्लायमाउथ थिएटर न्यूयॉर्क सिटी में अनुवाद बंद हो गया।
1995 59 वीं गोल्फ मास्टर्स चैम्पियनशिफ बेन क्रेंशॉ जीतता है, 274 की शूटिंग करता है।
1997 एनएफएल ने घोषणा की कि वह सीएफएल को 3रूडॉलर और संभावित वर्ल्ड क्लासिक बाउल देगा।
1998 सऊदी अरब में मीना के पास भगदड़ में 150 से अधिक यात्रियों की मृत्यु।
1999 नाइज़ी में नाइजीरियाई राष्ट्रपति इब्राहिम बार मौनसारा को मौत के घाट उतार दिया गया।
1999 नाइजर के राष्ट्रपति इब्राहिम बारे मैनसारा की हत्या।
1999 नाइजर के अध्यक्ष इब्राहिम बार मेन्ससारा की हत्या कर दी गई।
2002 बहरीन में निगम चुनाव में महिलाओं को हिस्सा लेने की अनुमति दी गयी।
2003 इराक गठबंधन सेना के आक्रमण ने बगदाद पर कब्जा कर लिया और फिरदोस स्क्वायर में सद्दाम हुसैन की मूर्ति को गिरा दिया गया।
2005 चार्ल्स, वेल्स के राजकुमार ने अपने लंबे समय के मालकिन पार्किंग बोल्स से शादी की।
2005 ब्रिटेन के युवराज चार्ल्स का विवाह कैमिला के साथ सम्पन्न।
2006 यूरेनस ग्रह के चारों ओर शनि जैसा वलय होने की पुष्टि।

कांग्रेस का इरादा, मुस्लिम समुदाय को शरीयत देने का वादा?

संजय तिवारी

जब तलाक की शिकार शाहबानो को सुप्रीम कोर्ट ने गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था तब राजीव गांधी की कांग्रेस सरकार ने यह कहते हुए आदेश को पलट दिया था कि वो समाज सुधार का काम करने के लिए राजनीति में नहीं हैं। वो राजनीति करते हैं और शासन की जवाबदेही उनके ऊपर है। वह उसी पर ध्यान देते हैं।

लेकिन आज लगभग चार दशक बाद अगर हम कांग्रेस का घोषणापत्र देखें तो समझ में आता है कि कांग्रेस ने राजनीति छोड़कर अपने आपको पूरी तरह समाज सुधार के काम में ही झोंक दिया है। उसके घोषणा पत्र में जो कुछ है, वह सबकुछ एससी, एसटी, ओबीसी और अल्पसंख्यक इसी के आसपास सिमटा हुआ है। हां, महिला और नौजवान की बात भी की गयी है लेकिन वह महिला और नौजवान किस जाति और धर्म के होंगें, कांग्रेस का रुझान उधर भी दिखता है।

असल में कांग्रेस की यह जातिवादी और मुस्लिम तुष्टीकरण वाली सोच उसकी अपनी नहीं है। बीते दो तीन दशक में जब से कांग्रेस पर कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों का प्रभाव बढ़ा है तब से कांग्रेस पर कम्युनिस्ट विचारधारा की छाप और गहरी हो गयी है। कांग्रेस भले ही समाज सुधार और विचारधारा वाली राजनीति से दूर रही हो लेकिन अब कांग्रेस के राजनीतिक एजंडे में समाज सुधार और विचारधारा वाली राजनीति ही बची है।

कांग्रेस के इकलौते वैचारिक मार्गदर्शक राहुल गांधी जिस विचारधारा वाली राजनीति की बात करते हैं वह कुछ और नहीं बल्कि वही मरी हुई कम्युनिस्ट विचारधारा है जिसने भारत में अपनी जमीन खो दी है। कांग्रेस के कंधे पर बेताल की तरह सवार कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी अपनी उसी मरी हुई विचारधारा को फिर से कांग्रेस के नाम पर जिन्दा करना चाहते हैं।

सिर्फ राहुल गांधी के भाषणों में ही नहीं बल्कि अब कांग्रेस के घोषणापत्र में भी उसकी झलक साफ साफ दिखाई दे रही है। कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र को जिस तरह से जातिवादी और सांप्रदायिक स्वरूप दिया है वह कुछ और नहीं बल्कि कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों का वही पुराना एजंडा है जिसे कम्युनिस्ट पार्टियां पूरा करते करते इतनी अलोकप्रिय हुईं कि भारत की राजनीति में गर्त में चली गयीं।

मसलन कांग्रेस ने अपने घोषणा पत्र में दो हिस्से किये हैं। पहला हिस्सा वह एससी/एसटी, ओबीसी नामक राजनीतिक वर्गीकरण है जो बहुसंख्यक हिन्दू है। दूसरा हिस्सा वह अल्पसंख्यक वर्ग है जिसमें मुख्य रूप से मुस्लिम और ईसाई हैं। कांग्रेस अपने पूरे घोषणापत्र में प्रमुख रूप से इन्हीं दोनों के बारे में बात करती है।

ऊपरी तौर पर इसे सामाजिक न्याय जैसा कुछ कहकर इसका प्रचार किया जाता है लेकिन इस वर्ग विभाजन का लक्ष्य कुछ और है। इसका बुनियादी लक्ष्य बहुसंख्यक हिन्दुओं को वर्गों में विभाजित करके उनके बीच आंतरिक टकराव पैदा करना है और अल्पसंख्यक के नाम पर मुस्लिम तुष्टीकरण को जारी रखना है।

कांग्रेस आज जिस किस्म के सेकुलरिज्म के रास्ते पर चल रही है इसे कम्युनिस्टों ने गढा है। लेकिन जब आप इसका परीक्षण करते हैं तो पाते हैं कि असल में यह तो सेकुलरिज्म है ही नहीं। अगर यह कुछ है तो वह भारत में इस्लामिक शासन प्रणाली को लागू करने का वादा है जिसमें मुस्लिम अव्वल दर्जे के नागरिक होंगे और जातियों में बंटा हिन्दू अपने वर्ग संघर्ष में उलझा होगा।

असल में यह भारत की शासन व्यवस्था का

इस्लामीकरण करने का प्रयास है जिसका प्रयोग बंगाल से लेकर केरल तक कम्युनिस्ट पार्टियों ने किया और फेल हुए हैं। अगर मुस्लिम समुदाय को सेकुलर वैल्यू समझाया गया होता तो केरल कभी आईएसआईएस और पॉपुलर फ्रंट आफ इंडिया जैसे आतंकी संगठनों का गढ नहीं बनता। अगर कम्युनिस्ट लोग शासन में सेकुलर वैल्यू को इतना ही महत्व देते तो केरल में इस्लामिक युनिवर्सिटी से लेकर इस्लामिक बैंकिंग तक का चलन नहीं बढ़ता।

हाल के वर्षों में इस्लामीकरण से जुड़ी जितनी भयावह खबरें बंगाल और केरल से आयी हैं, और कहीं से नहीं आयीं। यह कैसे हो सकता है कि आप शासन और सोसायटी में सेकुलर वैल्यू को महत्व देते हों और आपके राज में संसार की सबसे कट्टरपंथी विचारधारा के लोग पलते बढ़ते हों? केरल में भले ही कांग्रेस के नेता राहुल गांधी कम्युनिस्ट पार्टी से लड़ रहे हों लेकिन राष्ट्रीय स्तर पर वो उन्हीं के राजनीतिक एजंडा को पूरा करने का वादा कर रहे हैं।

कांग्रेस ने जो घोषणापत्र जारी किया है उसमें बहुत सी ऐसी आपत्तिजनक बातें हैं जो बीते दस सालों में कम्युनिस्ट बुद्धिजीवी और पत्रकार सार्वजनिक मंचों से दोहराते रहे हैं। जैसे, अल्पसंख्यक संरक्षण के नाम पर कांग्रेस ने अपने घोषणापत्र में कहा है कि कांग्रेस यह सुनिश्चित करेगी कि प्रत्येक नागरिक की तरह अल्पसंख्यकों को भी पोशाक, भोजन, भाषा और व्यक्तिगत कानूनों के पसंद की स्वतंत्रता हो।

यह इतना घोर आपत्तिजनक वादा है जो न केवल भारत के संविधान पर सवाल उठाता है बल्कि देश के भीतर दो कानून लागू करने की हिमायत भी करता है। क्या भारत में अल्पसंख्यकों को अपनी मर्जी से रहने, जीने, भोजन करने, भाषा बोलने पर कोई रोक है? अगर कांग्रेस का इशारा सिर्फ मुस्लिम समुदाय के प्रति है तो क्या वो यह कहना चाहती है कि कांग्रेस की सरकार बनी तो वह मुस्लिमों के लिए शरीयत सुनिश्चित करेंगे ताकि वह सरकारी अदालतों के समानांतर शरई अदालत चला सकें? जहां तक पसंद के भोजन और पहनावे की बात है और इशारा अगर मुस्लिम समुदाय की ओर है तो उसका अपनी पसंद का कुछ होता ही नहीं। उसके लिए सबकुछ उसका इस्लाम तय करता है कि उसे क्या खाना चाहिए, क्या पहनना चाहिए, बीवी से शोहबत कैसे करनी चाहिए। और तो और इस्लाम अपने फॉलोअर को यहां तक ताकीद करता है कि उन्हें पाखाना कैसे जाना चाहिए और पेशाब करने के बाद क्या करना चाहिए।

एक सच्चे मुसलमान की जिन्दगी में उसका अपनी पसंद का कुछ होता ही नहीं। खाना से लेकर पाखाना तक सबकुछ इस्लामिक रिवायतें तय करती हैं जिनको मोटे तौर पर शरई सिस्टम कहा जाता है। अल्पसंख्यकों के नाम पर कांग्रेस अगर उनकी पसंद की बात कर ही रहा है तो सबसे पहले उसे यह स्पष्ट कहना होगा कि क्या उनकी अपनी कोई पसंद है भी या नहीं? फिर खाना पाखाना से अलग व्यक्तिगत कानून की स्वतंत्रता की बात करना ही एक देश एक कानून को चुनौती देने जैसा है जो घोर आपत्तिजनक है। क्या कांग्रेस की सरकार आने पर वह काजियों की नियुक्ति करेगी जो जजों से अलग मुसलमानों के लिए अपना अलग आदेश जारी करेंगे?

इसी तरह घोषणापत्र में वादा किया गया है कि उनकी सरकार आयेगी तो वह सुनिश्चित करेंगे कि (मुस्लिम) अल्पसंख्यकों को बिना किसी भेदभाव के बैंकों से लोन मिल सके। सरकार, अदालत पर सवाल उठाते उठाते कांग्रेस ने बैंकों पर भी सवाल उठा दिया है कि वो मुस्लिमों को लोन देने में भेदभाव करते हैं। वित्तीय संगठन जाति धर्म नहीं देखते। वो अपना निवेश और रिटर्न देखते हैं। अगर किसी जाति या समुदाय के लोग लोन लेने के बाद उसे अदा करने में फिसड्डी पाये जाते हैं तो बैंक अपना रिटर्न सुनिश्चित करने के लिए इस जाति या समुदाय से जुड़े लोगों को लोन देने में अतिरिक्त सावधानी बरतते हैं। यह एक सामान्य सी प्रैक्टिस है। ऐसे में उस जाति या समुदाय पर सवाल उठाने की बजाय बैंकिंग सिस्टम पर ही सवाल उठाने का क्या तुक है?

कांग्रेस का घोषणापत्र ऐसे ही आपत्तिजनक और विभाजनकारी वादों से भरा पड़ा है। इसी अन्याय को उनके कम्युनिस्ट बुद्धिजीवियों ने न्याय का नाम दिया है। इसमें अल्पसंख्यकों के बहाने यह साबित करने का प्रयास किया गया है कि मुस्लिम समुदाय के साथ भारत में भेदभाव हो रहा है जिसे उनकी सरकार आने पर खत्म कर दिया जाएगा। लेकिन इस घोषणापत्र को ध्यान से समझें तो यह कांग्रेस का घोषणापत्र है ही नहीं। यह वर्ग विभाजन के जरिए वर्ग संघर्ष की तमन्ना रखनेवाले कम्युनिस्टों का घोषणापत्र है जिसे कांग्रेस के नाम पर जारी कर दिया गया है। यही कांग्रेस की वह नयी विचारधारा है जिसको बचाने और बढ़ाने के लिए राहुल गांधी मैदान में उतरे हैं।

देश को चाहिए एक जन-घोषणा पत्र

गिरीश्वर मिश्र

अगली लोकसभा के गठन के लिए आगामी चुनाव की बढ़ती सरगर्मियों के बीच सभी राजनैतिक दल जनता को लुभाने के लिए किस्म-किस्म के उपाय करने में जुट रहे हैं। सबका एक ही तात्कालिक लक्ष्य है जन-समर्थन हासिल करना, ताकि अपनी पार्टी के लिए ज्यादा से ज्यादा वोट इकट्ठा किया जा सके। आज जाति, क्षेत्र और धर्म जैसे समाज-विभाजक आधारों का आसरा लेकर चुनाव की तैयारी खास-खास समुदाय के फायदे लिए सोचे जा रहे हैं। इस तरह के तुष्टिकरण की परियोजना खतरनाक है। हर नेता प्रलोभनों की इस तरह से बौछार करता है मानो वह देवताओं का खजांची कुबेर है और उनके खजाने पर उसी का कब्जा है। मतदाता को बहकावे में लाने की हर कोशिश चल रही है। चुनावी सफलता पाने के बाद नेतागण अक्सर सत्ता संभालने और उसका सुख भोगने में लग जाते हैं। कुछ अपवादों को छोड़ दें तो आम जनता के सुख-दुःख पर उनका ध्यान कम ही जा पाता है। कटु सत्य यह भी है कि सत्तासीन सरकार के नुमाइंदे और जनता के बीच बड़ा अंतराल आता गया है। आम जन और उनके नेताओं के बीच का संवाद क्रमशः घटता गया है। संचार में आने वाले इन व्यवधानों ने राजनैतिक प्रतिनिधियों और उनके दलों के प्रभाव-क्षेत्र को प्रभावित किया है और उसी के अनुसार नेताओं की साख भी घटती-बढ़ती है। महंगाई, बेरोजगारी और सरकारी कामकाज की धीमी गति और उबाने वाली नौकरशाही पूरी व्यवस्था की प्रामाणिकता पर प्रश्न खड़ा कर देती है। आमजन अक्सर इनसे उद्धार पाने के लिए तड़फड़ाता रहता है। नारे और वायदों से उकता चुकी जनता को जमीनी हकीकत में बदलाव की चाहत है। आगामी चुनाव की भी यही कसौटी रहेगी। देश की जनता के मन में भी एजेंडा है। उसके जन-घोषणा पत्र में किसी एक की संतुष्टि नहीं बल्कि लोक-कल्याण सर्वोपरि है। इसके उपाय के रूप में लुंज-पुंज हो रही संस्थाओं का पुनर्जीवन, भ्रष्टाचार का उन्मूलन और सदाचार का पोषण, आत्मनिर्भर भारत का निर्माण, वंचितों की मौलिक सामर्थ्य को बढ़ाना न कि उनको परोपजीवी बनाए रखना, पारदर्शिता के साथ सुशासन की व्यवस्था हो और शिक्षा का महत्व समझ कर उसकी गुणवत्ता को सुनिश्चित किया जाए। युवा भारत के कर्णधार सरीखे लोगों- जैसे महिलाएं, किसान, मजदूर और युवा वर्ग को सार्थक जीवन का अवसर उपलब्ध कराया जाए। भविष्य का भारत इन्हीं पर टिका है। फौरी प्रलोभन देकर वोट बटोरने की कुप्रथा अंततः नुकसान ही करती है और इससे बचने की जरूरत है। देश एक ऐसे सशक्त भारत का स्वप्न देख रहा है जिसमें ऐसी पारदर्शी व्यवस्था हो जो लोक-कल्याण के लिए प्रतिबद्ध हो और सबकी सहभागिता हो।

अन्तर्कलह से जूझ रही समाजवादी पार्टी

बृजनन्दन राजू

उत्तर प्रदेश की मुख्य विपक्षी पार्टी सपा इन दिनों अन्तर्कलह से जूझ रही है। विधानसभा चुनाव 2017 के मुकाबले 2022 के विधानसभा चुनाव में सपा की ताकत तो जरूर बढ़ी लेकिन लोकसभा चुनाव आते—आते पार्टी के कई बड़े नेता व विधायक सपा का साथ छोड़ गये। पीडीए को मजबूत करने का दंभ भरने वाले स्वामी प्रसाद मौर्य ने भी सपा से अपना पिंड छुड़ा लिया है। यही नहीं सपा के सहयोगी दल भी जिनमें सुभासपा, अपना दल कमेरावादी व महानदल भी एक-एक कर सपा से सरक गये। रही सही कसर लोकसभा चुनाव से ऐन पहले रालोद ने भाजपा गठबंधन का हिस्सा बनकर पूरी कर दी। ऐसे कठिन दौर में सपा के टिकट वितरण की प्रक्रिया ने आम पार्टी कार्यकर्ताओं को असमंजस में डाल दिया है।

इस बार टिकट अदला बदली के मामले में सपा ने बसपा को भी पीछे छोड़ दिया है। सपा के इतिहास में शायद यह पहला अवसर होगा जब इतने बड़े पैमाने पर सपा ने उम्मीदवारों के नाम घोषित करने के बाद टिकट बदला हो। इसे पार्टी की अंदरूनी कलह कहें यह मजबूरी इसका खामियाजा तो सपा को लोकसभा चुनाव में उठाना ही पड़ेगा। क्योंकि जिसका टिकट घोषित होने के बाद पार्टी ने बदला वह प्रत्याशी भले ही विरोध न करे लेकिन उसके सजातीय वोटर जरूर विरोध में वोट करेंगे। लेकिन सीधी सी यह बात सपा मुखिया अखिलेश यादव को क्यों नहीं समझ में आती। राजनीतिक विश्लेषकों की मानें तो अगर सपा ने टिकटों की अदला बदली न की होती और दमदारी से चुनाव लड़ती तो यूपी की दो दर्जन से अधिक सीटों पर सपा सीधे मुकाबले में रहती। बदले परिदृश्य में सपा लड़ाई से बाहर होती दिखाई दे रही है। जिस तरह से सपा ने प्रथम व दूसरे चरण के प्रत्याशियों के टिकट नामांकन के अंतिम समय में काटे हैं उससे तो यही प्रतीत होता है कि बाकी चरणों में भी सपा कई लोकसभाओं के टिकट में फेरबदल अवश्य करेगी। सपा नेतृत्व के इस कदम से प्रदेश की अन्य सीटों के घोषित पार्टी प्रत्याशी संशय में हैं। इस वजह से वह ठीक से चुनाव प्रचार भी नहीं कर पा रहे हैं। उन्हें चिंता

सता रही है कि कहीं अंतिम समय में पार्टी हमारा टिकट न काट दे। इसलिए वह क्षेत्र में जनसम्पर्क न कर लखनऊ का चक्कर लगा रहे हैं।

सपा अध्यक्ष अखिलेश यादव ने फिलहाल लोकसभा चुनाव लड़ने का फैसला लगभग कर ही लिया है। वहीं सपा के वरिष्ठ नेता शिवपाल यादव भी पुत्रमोह में स्वयं लोकसभा चुनाव न लड़कर बेटे आदित्य यादव को लोकसभा का चुनाव लड़ाना चाहते हैं। सपा के दोनों प्रमुख नेताओं अखिलेश व शिवपाल यादव के लोकसभा चुनाव न लड़ने से भी कार्यकर्ताओं में गलत संदेश जाना तय है। क्योंकि इससे तो यही संदेश जायेगा कि मोदी लहर में हार की डर की वजह से यह लोग चुनाव लड़ने से कतरा रहे हैं। वहीं कभी सपा के नीति नियंता रहे आजम खाँ व अखिलेश यादव के बीच मनमुटाव भी खुलकर सामने आ गये है। मनमुटाव दूर करने के लिए अखिलेश यादव आजम खां से मिलने सीतापुर जेल जरूर गये लेकिन बात बनी नहीं।

जिस तरह आजम खां के दबाव में एसटी हसन का टिकट काटकर रूचिवीरा को प्रत्याशी बनाया गया इससे सहज ही अनुमान लगाया जा सकता है कि सपा में सबकुछ ठीक नहीं चल रहा है। दूसरे चरण का नामांकन पूरा हो गया है। भारतीय जनता पार्टी ने धुंआंधार आक्रामक प्रचार अभियान भी शुरू कर दिया है। वहीं सपा अभी टिकट वितरण में ही उलझी है। ओमप्रकाश राजभर, स्वामी प्रसाद मौर्य,चन्द्रशेखर आजाद व पल्लवी पटेल ने सपा से किनारा कर लिया है। ऐसे में उत्तर प्रदेश में जनाधार विहीन हो चुकी कांग्रेस से कितना फायदा होगा यह तो आने वाला समय ही बतायेगा लेकिन लोकसभा चुनाव में सपा के सफा होने के स्पष्ट संकेत अवश्य दिख रहे हैं। क्योंकि 2017 के विधानसभा चुनाव में सपा व कांग्रेस के गठबंधन को जनता नकार चुकी है। इस बार फिर से वही गठबंधन जनता के सामने है। चुनाव से पहले पस्त हो चुका सपा कांग्रेस का गठबंधन यूपी में भाजपा के विजय रथ को रोक पायेगा ऐसा लगता नहीं है।

सपा मुखिया की कार्यसंस्कृति को देखकर यही लगता है कि अखिलेश यादव अभी भी अपने को मुख्यमंत्री से कमतर नहीं आंकते हैं। पार्टी के जमीनी कार्यकताओं व नेताओं से न तो वह फीडबैक बैक लेते हैं और न ही वह उन्हें तवज्जो देते हैं। यही कारण है कि मुलायम सिंह यादव के खासमकास माने जाने वाले नेता आज मजबूरी में सपा को अलविदा कह चुके हैं। पार्टी के उम्रदराज नेताओं से सलाह मशविरा करना भी अखिलेश अपनी तौहीन समझते हैं। एटा, इटावा व मैनपुरी के आसपास के ही जिलों की ही अगर बात करें तो पूर्व मंत्री नरेन्द्र सिंह यादव, पूर्व मंत्री अवधपाल यादव,पूर्व सांसद देवेन्द्र सिंह यादव, एमएलसी आशु यादव व पूर्व विधायक शिशुपाल यादव समेत दर्जनभर नेता सपा का हाथ छोड़ चुके हैं। अखिलेश यादव जाति आधारित जनगणना का मुद्दा भी जोर शोर से उठाये लेकिन उस पर वह अडिग नहीं रह पाये। यही हाल पीडीए का भी है। स्वामी प्रसाद मौर्य, पल्लवी पटेल और चन्द्रशेखर ने पीडीए की हवा निकाल दी है। अखिलेश बात पीडीए की करते हैं लेकिन वह पीडीए को संगठित करना तो दूर बल्कि पीडीए की राजनीति करने वाले नेताओं ने भी उनसे दूरी बना ली। सुभासपा और रालोद के राजग का हिस्सा बनने से पहले से मजबूत भाजपा अब और सशक्त हो चुकी है। अयोध्या में सपा ने इस बार पीडीए फार्मूले के तहत पूर्व मंत्री अवधेश प्रसाद को टिकट दिया। लेकिन पूर्व सांसद मित्रसेन यादव के पुत्र आईपीएस अधिकारी रहे अरविन्द सेन यादव ने सीपीआई के टिकट से मैदान में आकर सपा प्रत्याशी की राह मुश्किल कर दी है। इससे यादव मतों में बिखराव होना तय है। ऐसे में यदि अवधेश प्रसाद का टिकट बदलते हैं तो एससी वोटर सपा से नाराज होंगे ही। कमोबेश यही स्थिति प्रदेश की अन्य कई सीटों की है।

क्या बाला साहेब की विरासत को बचा पाएंगे उद्धव ठाकरे?

बिक्रम उपाध्याय

उद्धव ठाकरे के लिए पिछले दो साल बड़े झटके देने वाले साबित हुए हैं। एकनाथ शिंदे के साथ गए विधायकों से ही उनकी नेतृत्व क्षमता पर सवाल खड़ा नहीं हुआ, बल्कि उसके बाद भी नगरसेवकों से लेकर सांसदों तक ने उनका साथ छोड़ना जारी रखा।

उद्धव के लिए शिवसेना की विरासत को बरकरार रखने का सबसे बड़ा मौका यह लोक सभा चुनाव होगा। अब आगामी लोकसभा और विधानसभा के चुनाव ही तय करेंगे कि उद्धव ठाकरे ने शिवसेना की विरासत खो दी है या अब भी वह मैदान में बने रहेंगे।

इस वर्ष नगर निगम का चुनाव (बीएमसी सहित) भी होने वाला है और लोकसभा का भी। फिर यह भी संभावना है कि विधानसभा का चुनाव भी जल्दी हो जाए। महाराष्ट्र विधान सभा का कार्यकाल वैसे भी इस साल के अंत में खत्म हो रहा है। इसलिए उद्धव को खुद को साबित करने के लिए भरपूर अवसर है।

किसी एक चुनाव में हार के बाद भी उनके पास बाद के चुनावों में वापसी करने का समय होगा। उद्धव ठाकरे के लिए सबसे महत्वपूर्ण बात महाराष्ट्र की राजनीति में प्रासंगिक बने रहने की है। यानी उन्हें पार्टी को फिर से खड़ा करना होगा और इसके लिए कड़ी मेहनत करनी होगी। लेकिन बीच बीच में उनके स्वास्थ्य को लेकर भी कुछ खबरें आती रहती हैं।

उद्धव ठाकरे 15 वर्षों से अधिक समय से पार्टी प्रमुख की भूमिका निभा रहे हैं, लेकिन वह संगठन के निर्माण में कभी भी जमीन पर सक्रिय नहीं रहे। बाल ठाकरे से उन्हें एक बनी बनाई पार्टी विरासत में मिली थी। अब आगे उनके प्रयासों पर निर्भर करेगा कि वह पार्टी को पुनर्जीवित करने में कितना सफल रहते हैं।

एक समय था जब बालासाहेब ठाकरे शिव सेना प्रमुख के रूप में महाराष्ट्र में कुछ भी करवाने की स्थिति में थे। वह शिव सेना के शाखा प्रमुखों को उनके नाम से जानते थे। संगठन पर उनका पूरा नियंत्रण था। उनके समय में राज्य सरकार की सत्ता का केंद्र शिव सेना का मुख्यालय था। मातोश्री से ही बाला साहेब संगठन और

सरकार दोनों चलाते थे। मंत्रियों तक को ठाकरे से मिलना मुश्किल था। किसी में उनसे सवाल करने की हिम्मत नहीं थी।

लेकिन उद्धव ठाकरे सवालों के घेरे में होते हैं। वह अभी तक कार्यकर्ताओं में जोश भरने में सफल नहीं हुए हैं। ठाकरे की शिव सेना छिन्न भिन्न हो गई है, लेकिन कोई बड़ा प्रतिकार उनकी तरफ से नहीं आया। सबसे बड़ी बात यह है कि कार्यकर्ताओं को भी पार्टी की स्थिति का सही अंदाजा नहीं है।

उद्धव को अपनी पार्टी के लोगों के बीच बाल ठाकरे जैसा सम्मान नहीं मिलता। बाला साहेब ठाकरे जब भी बात करते थे अधिकारपूर्वक करते थे। बाला साहेब ठाकरे भी कई बार चुनाव हारे, लेकिन फिर भी वे महाराष्ट्र में निर्विवाद नेता बने रहे। उन्हें कोई भी हल्के में नहीं ले सकता था। बीजेपी के दो बड़े नेता अटल बिहारी वाजपेयी और लाल कृष्ण आडवाणी भी ठाकरे से मिलने मुंबई जाते थे, लेकिन उद्धव बात बात पर शरद पवार से मिलने जाते हैं। निर्भीकता या अधिकार जताने के मामले में उद्धव उनके करीब भी नहीं हैं।

उद्धव अपनी पार्टी में भी पकड़ खोते जा रहे हैं। इसका कारण यह भी है कि वह बाला साहेब के सिद्धांतों को छोड़ कर सेकुलर राजनीति करने वालों के साथ हो गए हैं। बाल ठाकरे अल्पसंख्यकों को आरक्षण देने के सख्त खिलाफ थे। वह हिंदुत्व में अक्षरशः विश्वास करते थे। लेकिन उद्धव उनकी विचारधारा को कमजोर कर रहे हैं।

इन सभी कमियों के उपरांत भी उद्धव के लिए अभी अवसर बचे हैं। एकनाथ शिंदे काफी हद तक ठाणे और मुंबई तक ही सीमित है। जबकि उद्धव की शिव सेना का प्रसार पूरे महाराष्ट्र में है। इसलिए उद्धव ठाकरे के सामने वापसी की कुछ गुंजाइश है।

उद्धव ठाकरे को जातियों और समुदायों को साधने के साथ साथ महाराष्ट्र के ग्रामीण इलाकों की भी देखभाल करनी होगी। लेकिन उद्धव ठाकरे अंदरूनी इलाकों में एक या दो बैठकों को संबोधित करने के बाद तुरंत मुंबई लौट आते हैं। शायद उन्हें जमीन पर काम करने की आवश्यकता का एहसास नहीं है। वह अतीत के गौरव में जीने में ज्यादा विश्वास कर रहे हैं।

आज भी शिव सेना उद्धव से जुड़े लोगों को जब आदित्य ठाकरे से आदेश मिलता है तो लोग अपमानित महसूस करते हैं। दूसरी तरफ एकनाथ शिंदे ने खुद को भाजपा के खेल का एक खिलाड़ी बना लिया है। बीजेपी 2024 में सत्ता में आती है और महाराष्ट्र में कोई नया समीकरण बनता है तो दांव पर एकनाथ शिंदे ही हो सकते हैं।

1966 में जब शिव सेना की शुरुआत हुई थी तो उसका उद्देश्य महाराष्ट्र के बाहरी लोगों, विशेषकर दक्षिण भारतीयों (लुंगीवालों) को बाहर निकालना था, क्योंकि उन्हें लगता था कि वे महाराष्ट्रियों की नौकरियाँ छीन रहे हैं। बाद में यह विरोध उत्तर प्रदेश, बिहार और अन्य सभी लोगों पर लागू हो गया और सभी बाहरी लोगों में भय पैदा करते हुए उन्हें डराया-धमकाया और पीटा गया। इस तरह से बाला साहेब मराठी मानुस के एकछत्र नेता बन गए, लेकिन वही नीति अब उद्धव नहीं अपना सकते। काँग्रेस और शरद पवार की एनसीपी के साथ होने के बाद उद्धव अपना स्वतंत्र रुख नहीं दिखा सकते।

लोकसभा निर्वाचन क्षेत्र को लेकर उद्धव ठाकरे की शिवसेना और कांग्रेस के बीच अभी खींचतान चल ही रही है। उद्धव ठाकरे और कांग्रेस के नेता अब कहने लगे हैं कि गठबंधन के बावजूद वे एक दूसरे के खिलाफ उम्मीदवार उतार सकते हैं। काँग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नाना पटोले सरेआम उद्धव ठाकरे पर एकतरफा फैसला करने का आरोप लगा रहे हैं। यदि गठबंधन में बिखराव होता है तो इसका भी नुकसान उद्धव ठाकरे को उठाना पड़ सकता है।

क्या है चुनाव सुधार का मिजोरम मॉडल?

उमेश चतुर्वेदी

चाहे पंचायती चुनाव हों या विधानसभाओं के या फिर आम चुनाव, पैसे का बोलबाला बढ़ा है। हाल ही में वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण के एक बयान ने चुनावों में होने वाले बेहिसाब खर्च के मुद्दे को फिर से केंद्र में ला खड़ा किया है। सीतारमण ने कहा कि भूतपूर्व अध्यक्ष जेपी नड्डा ने उन्हें आंध्र या तमिलनाडु की किसी सीट से लोकसभा चुनाव लड़ने का प्रस्ताव दिया था। लेकिन उन्होंने इनकार कर दिया, क्योंकि उनके पास चुनाव लड़ने के लिए जरूरी फंड या पैसे नहीं हैं। चुनाव आयोग ने इस बार लोकसभा चुनाव के लिए प्रति प्रत्याशी खर्च की सीमा 70 लाख रुपये रखी है। लेकिन हकीकत यह है कि शायद ही कोई गंभीर प्रत्याशी ऐसा होगा, जो आयोग द्वारा निर्धारित इस खर्च सीमा में चुनाव लड़ेगा। पार्टियों और प्रत्याशियों के असल खर्च इस सीमा से कहीं ज्यादा होंगे। यह ऐसा सच है, जिसे सब जानते हैं। फिर भी सब चुनाव आयोग द्वारा निर्धारित खर्च के दायरे में चुनाव लड़ने का दिखावा करते हैं। पैसे की कमी के कारण आम हैसियत वाला व्यक्ति गंभीरतापूर्वक चुनाव लड़ने की सोच भी नहीं सकता। लोकतांत्रिक प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने और आम वोटर की भागीदारी बढ़ाने के लिए अक्सर सुझाव दिए जाते रहे हैं। एक सुझाव यह भी आया कि चुनावों का पूरा खर्च सरकारी स्तर पर उठाया जाना चाहिए। यह भी कहा जाता है कि चुनावी प्रक्रिया को पारदर्शी बनाने के लिए समाज को खुद आगे आना चाहिए। लेकिन ये विचार हकीकत नहीं बन पाते। फिर भी एक राज्य ऐसा है, जहां के समाज ने ही चुनाव सुधार को लागू करके दिखा दिया है। उत्तर-पूर्वी राज्य मिजोरम में समाज ने चुनाव को लेकर ऐसी पारदर्शी और मजबूत व्यवस्था बना दी है, जिसका उल्लंघन करने का साहस न तो कोई राजनीतिक दल कर पाता है और न कोई प्रत्याशी। मिजोरम के राजनीतिक दल चुनाव प्रचार के लिए चुनाव आयोग के नियमों के बजाय 'मिजो पीपल फोरम' के बनाए नियमों का पालन करते हैं। मिजोरम के चुनाव प्रचार में देश के दूसरे हिस्सों की तरह ना तो पोस्टरबाजी होती है, ना ही पैसे खर्च होते हैं। लाउडस्पीकर का प्रयोग वैसे तो चुनाव आयोग के कड़े नियमों की वजह से देशभर में सीमित हो चुका है, लेकिन मिजोरम में इसका इस्तेमाल बिल्कुल नहीं होता। वहां चुनाव प्रचार की निगरानी 'मिजो पीपल फोरम' करता है। प्रत्याशियों को अपना पक्ष रखने के लिए बीस-बीस मिनट का वक्त दिया जाता है। इस दौरान वोटर भी वहां जुटते हैं और वे मुद्दों पर प्रत्याशियों से सवाल-जवाब करते हैं। जिन्होंने दिल्ली के जवाहरलाल नेहरू विश्वविद्यालय के छात्रसंघ चुनाव की प्रेसिडेंशल डिबेट देखी-सुनी है, उन्हें पता है कि किस तरह हर प्रत्याशी अपनी राय रखता है और अपने मुद्दों पर समर्थन जुटाने की कोशिश करता है। मिजोरम के प्रत्याशी भी कुछ वैसा ही करते हैं। दरअसल, साल 2006 के मिजो विधानसभा चुनावों में काफी गड़बड़ियां हुई थीं। इससे आहत मिजो यंग असोसिएशन ने चुनावों को कदाचार मुक्त बनाने का बीड़ा उठाया। उसी की कोशिशों से यहां के सात स्वयंसेवी संगठनों ने मिलकर 'मिजो पीपल फोरम' नाम से साझा मंच बनाया और राज्य में चुनावों को कदाचार मुक्त बनाने की तैयारी की। मिजोरम की करीब 85त्न आबादी ईसाई है। जाहिर है, इस फोरम को भी ईसाई संगठनों का समर्थन है। यह फोरम इतना प्रभावशाली है कि उसके बनाए नियमों का अगर कोई प्रत्याशी उल्लंघन करता है तो उसे मतदाताओं का गुस्सा झेलना पड़ता है। मिजोरम के चुनावों में साल 2006 के बाद से बड़ी-बड़ी रैलियां नहीं हो रहीं। शोर-शराबे का सवाल ही नहीं उठता। वोटरों की खरीद-फरोख्त या निजी लालच की कोई सोच भी नहीं सकता। डेढ़ दशक पहले तक मिजोरम भी अशांत रहा। सवाल है कि जब अशांत रहे किसी एक राज्य का समाज अपने दम पर चुनाव सुधार लागू कर सकता है तो देश के दूसरे इलाकों में समाज ऐसी कोशिश क्यों नहीं कर सकता? सवाल यह भी है कि मिजोरम के इस चुनाव मॉडल को चुनाव आयोग प्रचारित क्यों नहीं करता? देश में चुनाव सुधार के लिए संथानम समिति, दिनेश गोस्वामी समिति और एनएन वोहरा समिति ने समय-समय पर सुझाव दिए। लेकिन ज्यादातर सुधार सुप्रीम कोर्ट के फैसले और चुनाव आयोग के बनाए नियमों के हिसाब से हुए।

आज से चैत्र नवरात्रि

जानिए घटस्थापना शुभ मुहूर्त, पूजा विधि और नियम

चैत्र नवरात्रि 2024

दिन	नवरात्रि दिन	तिथि	पूजा-अनुष्ठान
9 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 1	प्रतिपदा	मां शैलपुत्री पूजा घटस्थापना
10 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 2	द्वितीया	मां ब्रह्मचारिणी पूजा
11 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 3	तृतीया	मां चंद्रघंटा पूजा
12 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 4	चतुर्थी	मां कुष्मांडा पूजा
13 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 5	पंचमी	मां स्कंदमाता पूजा
14 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 6	षष्ठी	माँ कात्यायनी पूजा
15 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 7	सप्तमी	मां कालरात्रि पूजा
16 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 8	अष्टमी	मां महागौरी दुर्गा महाअष्टमी पूजा
17 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 9	नवमी	मां सिद्धिदात्री, राम नवमी
18 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 10	दशमी	नवरात्रि पारण

नवरात्रि में मां दुर्गा के नौ रूपों की पूजा से लाभ

दिन	नवरात्रि दिन तिथि	पूजा-अनुष्ठान	
9 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 1	प्रतिपदा	देवी शैलपुत्री की पूजा से चंद्र दोष समाप्त होता है।
10 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 2	द्वितीया	देवी ब्रह्मचारिणी की पूजा से मंगल दोष खत्म होता है।
11 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 3	तृतीया	देवी चंद्रघण्टा पूजा से शुक्र ग्रह का प्रभाव बढ़ता है।
12 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 4	चतुर्थी	माँ कूष्माण्डा की पूजा से कुंडली में सूर्य ग्रह मजबूत होता है।
13 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 5	पंचमी	देवी स्कंदमाता की पूजा से बुध ग्रह का दोष कम होता है।
14 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 6	षष्ठी	देवी कात्यायनी की पूजा से बृहस्पति ग्रह मजबूत होता है।
15 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 7	सप्तमी	देवी कालरात्रि की पूजा से शनिदोष खत्म होता है।
16 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 8	अष्टमी	देवी महागौरी की पूजा से राहु का बुरा प्रभाव खत्म होता है।
17 अप्रैल 2024	नवरात्रि दिन 9	नवमी	देवी सिद्धिदात्री की पूजा से केतु का असर कम होता है।

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि का विशेष महत्व होता है। एक वर्ष में कुल चार नवरात्रि आती है, पहला चैत्र नवरात्रि, दूसरा शारदीय नवरात्रि और दो गुप्त नवरात्रि। हिंदू पंचांग के अनुसार चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से चैत्र नवरात्रि आरंभ हो जाती है। चैत्र नवरात्रि के शुभारंभ होने के साथ ही नया हिंदू वर्ष भी आरंभ होता है। चैत्र नवरात्रि पर लगातार 9 दिनों तक मां दुर्गा के नौ स्वरूपों की पूजा-अर्चना और मंत्रोचार किया जाता है। धार्मिक मान्यताओं के अनुसार नवरात्रि पर देवी दुर्गा पृथ्वी लोक आती है और अपने सभी भक्तों की हर एक मनोकामना को पूर्ण करती हैं। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि का पावन पर्व 09 अप्रैल,मंगलवार से शुरू हो रहे हैं और समापन 17 अप्रैल को राम नवमी पर होगा। आइए जानते हैं चैत्र नवरात्रि पर कलश स्थापना के लिए शुभ मुहूर्त कब रहेगा, पूजा विधि और नवरात्रि के बारे में सबकुछ....

चैत्र नवरात्रि तिथि 2024

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के त्योहार को बहुत अधिक महत्व दिया जाता है। वैदिक पंचांग के अनुसार, चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि इस वर्ष 08 अप्रैल को रात 11 बजकर 50 मिनट से शुरू हो जाएगी जो अगले दिन यानी 09 अप्रैल 2024 को रात को 08 बजकर 30 मिनट पर खत्म होगी। ऐसे में उदया तिथि के आधार पर चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो जाएगी। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि के पहले दिन सर्वार्थ सिद्धि और अमृत योग रहेगा। वैदिक ज्योतिष में इन योगों में पूजा बहुत ही शुभ फलदायी होती है।

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना का शुभ मुहूर्त

इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से आरंभ हो रहे हैं। प्रतिपदा तिथि पर कलश स्थापना के साथ ही नवरात्रि पर्व पर देवी दुर्गा की आराधना का महापर्व शुरू होता है। नवरात्रि के पहले दिन यानी चैत्र शुक्ल पक्ष प्रतिपदा तिथि पर शुभ मुहूर्त को ध्यान में रखते हुए करना शुभ माना जाता है। वैदिक पंचांग की गणना के मुताबिक 09 अप्रैल को सुबह 07 बजकर 32 मिनट तक पंचक रहेगा। यानी पंचक के समाप्त के बाद घट स्थापना करना शुभ रहेगा। 09 बजकर 11 मिनट पर अशुभ चौघड़िया रहेगा इस कारण से इस समय घट स्थापना न करें। पंचांग की गणना के मुताबिक शुभ चौघड़िया 09 बजकर 12 मिनट से 10 बजकर 47 मिनट तक रहेगा। ऐसे में इस शुभ मुहूर्त में कलश स्थापना कर सकते हैं। 09 अप्रैल को कलश स्थापना के लिए सबसे अच्छा मुहूर्त 11 बजकर 57 मिनट से 12 बजकर 48 मिनट तक रहेगा। क्योंकि यह अभिजीत मुहूर्त है। कलश स्थापना के लिए अभिजीत मुहूर्त सर्वश्रेष्ठ होता है। इसके अलावा इस समय वैधृत योग और अश्विनी नक्षत्र का संयोग भी रहेगा। ऐसे में घटस्थापना, पूजा का संकल्प लेना और मंत्रों का जाप करना शुभ फलदायी रहेगा।

चैत्र नवरात्रि कलश स्थापना पूजा विधि

नवरात्रि पर मां दुर्गा की उपासना का विशेष महत्व होता है। नवरात्रि पर 9 दिनों तक उपवास रखा जाता है। नवरात्रि के पहले दिन सुबह घर को साफ-सुथरा करके मुख्य द्वार के दोनों तरफ स्वास्तिक बनाएं और सुख-समृद्धि के लिए दरवाजे पर आम या अशोक के ताज़े पत्तों का तोरण लगाएं। इस दिन सुबह स्नानादि करके माता दुर्गा की मूर्ति या तस्वीर को लकड़ी की चौकी या आसन पर स्वास्तिक का चिन्ह बनाकर स्थापित करना चाहिए।

मां दुर्गा की मूर्ति के बाईं तरफ श्री गणेश की मूर्ति रखें। उसके बाद माता के समक्ष मिट्टी के बर्तन में जौ बोएं,जौ समृद्धि व खुशहाली का प्रतीक माने जाते हैं। माँ की आराधना के समय यदि आपको कोई भी मन्त्र नहीं आता हो तो केवल दुर्गा सप्तशती में दिए गए नवार्ण मंत्र- ऐं ह्रीं क्लीं चामुंडायै विच्चे से पूजा कर सकते हैं व यही मंत्र पढ़ते हुए पूजन सामग्री अर्पित करें। देवी को श्रृंगार का सामान और नारियल-चुन्नी जरुर चढ़ाएं ।अपने पूजा स्थल से दक्षिण-पूर्व की तरफ घी का दीपक जलाते हुए- दीपो ज्योतिः परब्रह्म दीपो ज्योतिर्र जनार्दनः। दीपो हरतु में पापं पूजा दीप नमोस्तुते यह मंत्र पढ़ें और आरती करें। देवी माँ की पूजा में शुद्ध देसी घी का अखंड दीप जलाएं।

- ब्रह्म मुहूर्त- सुबह 04.31 से 05.17 तक
- अभिजीत मुहूर्त- सुबह 11.57 से दोपहर 12.48 तक
- विजय मुहूर्त- दोपहर 02.30 से दोपहर 03.21 तक
- गोधूलि मुहूर्त- शाम 06.42 से शाम 07.05 तक
- अमृत काल- रात्रि 10.38 से रात्रि 12.04 तक
- निशिता काल- रात्रि 12.00 से 12.45 तक
- सर्वार्थ सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक
- अमृत सिद्धि योग- सुबह 07.32 से शाम 05.06 तक

चैत्र नवरात्रि पर क्या करें और क्या न करें

- **क्या करें**- सात्विक भोजन, साफ़ सफाई, देवी आराधना,भजन-कीर्तन, जगराता, मंत्रों का जाप और देवी आरती
- **क्या न करें**- प्याज,लहसुन,शराब,मांस-मछली का सेवन, लड़ाई, झगड़ा, कलह, कलेश, काले कपड़े और चमड़े की चीजें न पहने, दाढ़ी,बाल और नाखून न काटें

नवरात्रि के 9 दिनों में 9 देवियों के 9 बीज मंत्र

नवरात्रि के दिन	देवी	बीज मंत्र
पहला दिन	शैलपुत्री	ह्रीं शिवायै नमः।
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी	ह्रीं श्री अम्बिकायै नमः।
तीसरा दिन	चन्द्रघण्टा	ऐं श्रीं शक्तयै नमः।
चौथा दिन	कूष्मांडा	ऐं ह्री देव्यै नमः।
पांचवा दिन	स्कंदमाता	ह्रीं क्लीं स्वमिन्यै नमः।
छठा दिन	कात्यायनी	क्लीं श्री त्रिनेत्राय नमः।
सातवाँ दिन	कालरात्रि	क्लीं ऐं श्री कालिकायै नमः।
आठवां दिन	महागौरी	श्री क्लीं ह्रीं वरदायै नमः।
नौवां दिन	सिद्धिदात्री	ह्रीं क्लीं ऐं सिद्धये नमः।

नवरात्रि के दिन के अनुसार भोग

नवरात्रि 2024	नवरात्रि के दिन	माता का भोग
पहला दिन	माँ शैलपुत्री देवी	देसी घी
दूसरा दिन	ब्रह्मचारिणी देवी	शक्कर,सफेद मिठाई, फल
तीसरा दिन	चंद्रघंटा देवी	मिठाई और खीर
चौथा दिन	कुष्मांडा देवी	मालपुआ
पांचवां दिन	स्कंदमाता देवी	केला
छठा दिन	कात्यायनी देवी	शहद
सातवां दिन	कालरात्रि देवी	गुड़
आठवां दिन	महागौरी देवी	नारियल
नौवां दिन	सिद्धिदात्री देवी	अनार और तिल

चैत्र नवरात्रि 2024, घटस्थापना के लिए पूजा सामग्री

- माता की फोटो, 7 तरह के अनाज, मिट्टी का बर्तन, पवित्र मिट्टी, गंगाजल, आम या अशोक के पत्ते, सुपारी, जटा वाला नारियल, अक्षत, लाल वस्त्र, पुष्प

गजकेसरी योग में चैत्र नवरात्रि का शुभारंभ, इन तीन राशि वालों के सारे कष्ट होंगे दूर

हिंदू धर्म में चैत्र नवरात्रि के त्योहार का विशेष महत्व होता है। चैत्र माह के शुक्ल पक्ष की प्रतिपदा तिथि से 9 दिनों तक चलने वाला नवरात्रि आरंभ हो जाता है। इस वर्ष चैत्र नवरात्रि 09 अप्रैल से शुरू हो रहे हैं और समापन 17 अप्रैल को राम नवमी पर होगा। इस बार चैत्र नवरात्रि बहुत ही शुभ योग के निर्माण के साथ आरंभ हो रहा है। आपकों बता दें चैत्र नवरात्रि पर चंद्रमा और बृहस्पति की युति से गजकेसरी योग बन रहा है। वैदिक ज्योतिष शास्त्र में सभी राजयोगों में गजकेसरी योग का विशेष महत्व होता है। गजकेसरी राजयोग को बहुत ही शुभ और शक्तिशाली माना जाता है। यह योग तब बनता है जब बृहस्पति और चंद्रमा की युति किसी एक राशि में होती है या फिर इन दोनों ग्रहों की दृष्टि पड़ रही हो। कुंडली में गजकेसरी राजयोग पहले, चौथे, सातवें और दसवें भाव में बनता है।

मेष राशि - चैत्र नवरात्रि पर गजकेसरी राजयोग मेष राशि में ही बन रहा है। ऐसे में मेष राशि के जातकों पर मां दुर्गा मेहरबान रहेंगी। इस योग से मेष राशि के जातकों को सबसे ज्यादा लाभ मिल सकता है। जो काम अगर कई महीनों से नहीं हो पा रहा वह अब पूरा होगा। कार्यों में अच्छी सफलता मिलने के योग हैं। आर्थिक स्थिति पहले के मुकाबले बेहतर रहेगी। नौकरी में उच्च स्थान को प्राप्त करेंगे। कार्यक्षेत्र में आपके काम की तारीफ हर कोई करेगा। धन में वृद्धि के योग बन रहें हैं। व्यस्त दिनचर्या के बीच आप परिवार के साथ अच्छा समय बीताने का मौका मिलेगा। अचानक धन लाभ के अच्छे अवसर मिलेंगे।

सिंह राशि- चैत्र नवरात्रि की शुरुआत गजकेसरी योग में होने से सिंह राशि के जातकों का अच्छा लाभ मिलने की संभावना है। कार्यों में सफलता मिलने की संभावना है। आपको कार्यक्षेत्र में अपनी मेहनत का पूरा लाभ मिलेगा। धन लाभ के बेहतरीन मौका मिलेंगे। आपका आत्मविश्वास अच्छा रहेगा जिससे आप अपने लक्ष्यों का प्राप्त करने में कामयाब होंगे। नौकरीपेशा जातकों को प्रमोशन मिल सकता है। वहीं जो लोग व्यापार से संबंध रखते हैं उन्हें अच्छी खबर सुनने को मिल सकती है। उच्च शिक्षा के मार्ग खुलेंगे। आपके मान-सम्मान में वृद्दि होगी।

कर्क राशि- नवरात्रि पर चंद्रमा और बृहस्पति की युति से बना गजकेसरी राजयोग आपके लिए खुशियों की सौगातें लाएंगे। जो लोग नौकरीपेशा हैं उनके कार्यक्षेत्र में बड़ा बदलाव आ सकता है।

आपका प्रमोशन या फिर वेतन में वृद्धि हो सकती है। नई नौकरी की तलाश करने वाले जातकों को नए और अच्छे अवसरों की प्राप्ति हो सकती है। शत्रु पराजित होंगे। घर और परिवार में सुख-सुविधाओं में वृद्धि होगी। उधार दिया गया धन वापस मिल सकता है। समाज में आपके मान-सम्मान में बढ़ोतरी हो सकती है।

श्रीराम जी की कथा श्रवण करते-करते क्यों रो पड़ते थे भोलेनाथ?

भगवान शंकर आदिशक्ति सतीजी के साथ, अगस्त्य मुनि जी के आश्रम से वापिस कैलाश की ओर प्रस्थान कर रहे हैं। लेकिन यहाँ गोस्वामी तुलसीदास जी ने सतीजी के लिए जो शब्द प्रयोग किए, वे उनके दैवीय प्रभाव के अनुकूल नहीं थे। कारण कि, भगवान शंकर जब अगस्त्य मुनि के आश्रम में गये थे, तो गोस्वामी जी सतीजी के लिए 'जगत जननी' जैसे पूजनीय शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं-

'संग सती जगजननि भवानी।
पूजे रिषि अखिलेस्वर जानी।।'

वहीं जब सतीजी, जब अगस्त्य मुनि के आश्रम से वापिस कैलास को जाने लगीं, तो गोस्वामी जी इन शब्दों का प्रयोग कर रहे हैं-

'मुनि सन बिदा मागि त्रिपुरारी।
चले भवन सँग दच्छकुमारी।।'

अर्थात भगवान शंकर के साथ अब जगत जननी नहीं, अपितु दक्षसुता जा रही हैं।

गोस्वामी जी के इन शब्दों के अर्थ बड़े मार्मिक हैं। आखिर क्या ही अंतर पड़ जायेगा, अगर भगवान शंकर की पत्नी कहने की बजाये, दक्ष कन्या कह दिया जायेगा? यह समझने के लिए हमें देवतायों के गुरु प्रजापति दक्ष की, भगवान शंकर जी के प्रति भावना देखनी पड़ेगी। यह वही दक्ष हैं, जिन्होंने सतीजी को भगवान शंकर के साथ परिणय सूत्र में बँधने में लाख रोड़े अटकाये थे। यह वही दक्ष हैं, जिन्होंने कहा था, कि भगवान शंकर में कोई गुण नहीं, वे निर्गुणी हैं। मैं उन्हें देवों के देव मानने के लिए सहमत नहीं हूं। भगवान तो उन्हें मैं किसी भी आधार पर नहीं मान सकता।

प्रश्न उठता है, कि पिता दक्ष के इतना विरोध करने पर भी, सतीजी ने भगवान शंकर को ही पति रुप में क्यों चुना। कारण स्पष्ट था, कि सतीजी शिवजी को केवल एक अघौड़ी नहीं, बल्कि भगवान मानती थी। दक्ष का स्वभाव है, कि वह भगवान शंकर से विपरीत चलता है। वहीं सतीजी का मत ही यह है, कि वह सदा भगवान शंकर के मतानुसार चले। भगवान शंकर जब सतीजी को अगस्त्य मुनि जी के आश्रम में लेकर चलते हैं, तो साथ मे सतीजी भी बड़े चाव से उनके आश्रम चलती हैं। उनके मन में अगस्त्य मुनि के प्रति श्रद्धा, सम्मान व प्रेम सब कुछ है। यहाँ सतीजी के हृदय के भाव भगवान शंकर से पूर्णत: मेल खाते हैं। इसीलिए गोस्वामी जी कह रहे हैं, कि भगवान शंकर के साथ जगत जननी भी हैं। लेकिन अवश्य ही अगस्त्य मुनि जी के आश्रम में ऐसा कुछ तो घटा है, कि सतीजी न ही तो अगस्त्य मुनि जी के मुख से प्रस्फुटित हो रही श्रीराम कथा सुनती हैं, और न ही उतने दिन उनका मन आश्रम में लगता है। सतीजी को कोई वास्ता ही नहीं था, कि अगस्त्य मुनि कथा में क्या प्रसंग कह रहे हैं, या क्या कहना चाह रहे हैं। उन्हें तो मानों तब तक आश्रम में रुकना था, जब तक भगवान शंकर आश्रम में रुके हैं।

ऐसा नहीं कि सतीजी अगस्त्य मुनि के समक्ष कथा सुनने के लिए, भगवान शंकर के साथ नहीं बैठती थी। बैठती तो थी, लेकिन उनका मन कहीं ओर विचरण करता रहता था। दूसरी ओर भगवान शंकर श्रीराम जी की कथा श्रवण करते-करते, कितने ही बार रो भी पड़ते थे। सतीजी भी भगवान शंकर को यूँ रोते देखती, तो सोचती, कि इसमें भला रोने वाली क्या बात है? क्या कोई कहानी सुन कर भी रोता है? लेकिन भगवान शंकर जैसे-जैसे कथा सुनते, उनका हृदय श्रीराम जी के दर्शनों को लेकर और व्यग्र हो उठता। उनका रोम-रोम प्रभु के श्रीचरणों में नमस्कार करने हेतु ललायत होने लगाता। फिर ऐसा नहीं कि भगवान शंकर केवल कथा का रसपान ही करते रहते, वे अपना स्वयं का भी कोई अनुभव साँझा करते। जिसे अगस्त्य मुनि भी बड़े चाव से सुनते। मुनि और शिवजी दोनों ही इस पावन घड़ी का दिल भर कर आनंद ले रहे थे। लेकिन एक सतीजी ही ऐसी थी, जो तन से तो पूरे समय वहाँ पर उपस्थित थी, लेकिन मन से वे एक क्षण भर के लिए भी कथा में उपस्थित नहीं होती थी। उन्हें तो बस यही चिंता खाये जा रही होती थी, कि मुनि कथा को कहीं और अधिक लंबा न खींच दें। अब इतने दिन तो हो गये हैं इनके आश्रम आये, आगे पता नहीं कब तक यहाँ रुकना होगा। समस्या यह है, कि भगवान शंकर को कह भी तो नहीं सकते, कि अब बहुत हो गया। और कितनी कथा सुननी बाकी है? हम घर कब चलेंगे? सतीजी मन मार कर आश्रम में रह रही थी। बाकी

कथा से मानों उनका कोई लेना देना नहीं था।

अब इसके पीछे कारण क्या था, कि सतीजी का मन श्रीराम कथा से इतना उचाट था? तो संतों के श्रीमुख से सुना है, कि सतीजी में वैसे तो भगवान शंकर जी की भक्ति के भाव कूट-कूट कर भरे हैं। वे उनके हर वाक्य को ब्रह्म वाक्य मानती थी। अगस्त्य मुनि जी की के प्रति सतीजी की जो दैवीय भावना बनी थी, कि मुनि उच्च कोटि के महापुरुष हैं, यह भावना भी उनकी शिवजी के मुख से प्रशंसा सुन-सुन कर ही बनी थी। लेकिन विड़म्बना कि सतीजी जी की यह भावना उसी समय धूमिल हो गई थी, जब उन्होंने अगस्त्य मुनि के आश्रम में अपने चरण रखे थे।

● सुखी भारती

रामलला के अभूषणों का अंक ज्योतिष से है खास कनेक्शन

प्रभु राम की नगरी अयोध्या के राम मंदिर में राम लला की प्राण-प्रतिष्ठा का कार्यक्रम बेहद धूमधाम से मनाया गया था। लेकिन क्या आप जानते हैं कि रामलला को जो आभूषण पहनाए गए हैं, उनका रत्नों का ज्योतिष से कनेक्शन है। आपको बता दें कि ज्योतिषाचार्यों ने रामलला के गहनों को अंक ज्योतिष से जोड़कर उनकी गणना प्रस्तुत की है। जिसमें रामलाल द्वारा पहने गए रत्नों के महत्व पर प्रकाश डाला गया है। ऐसे में अगर आप भी इन रत्नों के ज्योतिष कनेक्शन के बारे में जानना चाहते हैं, तो यह आर्टिकल आपके लिए है।

रामलला के आभूषण- प्राप्त जानकारी के अनुसार, रामलला के आभूषणों में 3,6,9, 12 जैसे विभिन्न शुभ अंक शामिल हैं। यह सभी हर अलग-अलग पहलु को दर्शाने का काम करते हैं। इन गहनों के जटिल विवरण पर भी प्रकाश डाला गया है। इनमें इस्तेमाल किए गए सोने, पन्ने और हीरे आदि का वजन शामिल है। वहीं रामलला के दिव्य मुकुट के बारे में भी अंक ज्योतिष में विस्तार से वर्णन किया गया है और इसमें प्रतीकवाद पर भी जोर दिया गया है।

रामलला की मूर्ति और आभूषण- ● रामलला की मूर्ति 51 इंच की है। यदि आप 5+1 करते हैं तो यह 6 होता है। ● इसके अलावा रामलला के आभूषण बनाने में 51 किलोग्राम सोने का इस्तेमाल किया गया है। 5+1=6 ● रामलाल के पूरे आभूषणों में 18,000 कैरेट के पन्ने और हीरे का मिश्रण है। 1+8=9 ● वहीं रामलला ने जो दिव्य मुकुट धारण किया है, यह 1.71 किलोग्राम और 22 कैरेट सोने का है। 1+7+1=9 ● पारखी और बारीक नजर से चुने गए रामलला के ताज में 261 कैरेट माणिक्य लगे हैं, जिससे ताज को एक अद्वितीय चमक मिलती है। 2+6+1=9 ● रामलला का मुकुट सूर्यदेव की छवि से सुशोभित है। साथ ही यह सूर्यवंशियों के शाही वंश को भी दर्शाने का काम करता है। तो यदि आप ध्यान दें तो एक साल में सूर्य के 12 दिव्य रूप होते हैं। ● उनके मुकुट में 75 कैरेट के बारीक हीरे जड़े हैं। 7+5=12 ● इसके साथ रामलला के क्राउन में एक विशेष खदान के 174 बढ़िया पानी के जाम्बियन पन्ने हैं। 1+7+4=12

राष्ट्रीय/अंतरराष्ट्रीय
प्रमुख समाचार

सीएए से किसी की नागरिकता नहीं जाएगी : राजनाथ सिंह

नईदिल्ली। रक्षा मंत्री राजनाथ सिंह ने सोमवार को कहा कि नागरिकता (संशोधन) अधिनियम के लागू होने से किसी भी भारतीय की नागरिकता नहीं जाएगी, भले ही वह किसी भी धर्म से संबंध रखता हो। उन्होंने विपक्षी दल कांग्रेस और द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) पर इस मुद्दे को लेकर ''भ्रम पैदा करने'' का आरोप लगाया। राजनाथ ने लोकसभा चुनाव में नामक्कल से भाजपा के उम्मीदवार के पी रामलिंगम के समर्थन में यहां एक रोड शो करने के बाद कहा कि भाजपा ने जो वादा किया, उसे हमेशा पूरा किया और अयोध्या में राम मंदिर का निर्माण करना और धारा 370 एवं सीएए को निरस्त करना ऐसे ही वादे थे। उन्होंने कहा, ''हमने नागरिकता अधिनियम का वादा किया था और हमने इसे पूरा किया। मैं स्पष्ट करना चाहता हूं कि भारत के किसी भी नागरिक की नागरिकता नहीं जाएगी- चाहे वह हिंदू हो, मुसलमान हो, ईसाई हो, पारसी हो या यहूदी हो।'' उन्होंने कहा, ''द्रमुक और कांग्रेस इस मामले पर भ्रम पैदा कर रहे हैं।''

सुप्रीम कोर्ट ने संजय सिंह दिया बड़ा झटका, याचिका खारिज

नईदिल्ली। सुप्रीम कोर्ट ने आप नेता संजय सिंह की वह याचिका खारिज कर दी जो उन्होंने आपराधिक मानहानि मामले में जारी समन रद्द करने के अनुरोध वाली याचिका खारिज करने के गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश के खिलाफ दायर की थी। न्यायमूर्ति बीआर गवई और न्यायमूर्ति संदीप मेहता की पीठ ने गुजरात उच्च न्यायालय के आदेश को सिंह की चुनौती पर सुनवाई करते हुए कहा कि उच्च न्यायालय ने पहले ही देखा है कि पक्षों के लिए उपलब्ध सभी विवाद खुले रखे गए हैं। विद्वान ट्रायल जज किसी से प्रभावित नहीं होंगे। उच्चतम न्यायालय के समक्ष, सिंह का प्रतिनिधित्व आज वरिष्ठ अधिवक्ता रेबेका जॉन और डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने किया, जिन्होंने तर्क दिया कि शिकायत लोक अभियोजक द्वारा दायर की जानी चाहिए थी, क्योंकि यह पाया गया था कि अनुच्छेद के तहत गुजरात विश्वविद्यालय एक राज्य था। वरिष्ठ वकीलों ने यह भी कहा कि सिंह द्वारा विश्वविद्यालय को किसी भी

आबकारी घोटाला: कविता को नहीं मिली अंतरिम जमानत

नईदिल्ली। दिल्ली की एक अदालत ने दिल्ली आबकारी नीति से संबंधित धन शोधन मामले में भारत राष्ट्र समिति (बीआरएस) की नेता के. कविता को अंतरिम जमानत देने से सोमवार को इनकार कर दिया। विशेष न्यायाधीश कावेरी बावेजा ने याचिका खारिज करते हुए कहा कि यह उन्हें अंतरिम जमानत देने का उचित समय नहीं है। कविता ने अदालत से अंतरिम जमानत दिए जाने का आग्रह करते हुए कहा था कि उनके 16 वर्षीय बेटे की परीक्षाएं हैं और उसे अपनी मां के ''नैतिक और भावनात्मक समर्थन'' की जरूरत है। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने इस दलील का विरोध करते हुए दावा किया कि कविता ने मामले में सबूत नष्ट किए और गवाहों को प्रभावित किया। एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कविता उस 'साउथ ग्रुप' की प्रमुख सदस्य थीं, जिस पर राष्ट्रीय राजधानी में शराब लाइसेंस के एक बड़े हिस्से के बदले दिल्ली में सत्तारूढ़ आप को 100 करोड़ रुपये की रिश्वत देने का आरोप है।

राष्ट्रविरोधी ताकतों का केंद्र बना केरल : फडणवीस

तिरुवनंतपुरम। महाराष्ट्र के उप मुख्यमंत्री देवेन्द्र फडणवीस ने कहा है कि केरल राष्ट्र-विरोधी ताकतों का केंद्र बन गया है। उन्होंने आरोप लगाया कि राज्य सरकार अपने वोट बैंक को सुरक्षित रखने के लिए ऐसी ताकतों को बचा रही है। भाजपा नेता, जो राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन (एनडीए) के चुनाव अभियान में भाग लेने के लिए राज्य की राजधानी में थे, ने कहा कि केरल को अपनी उच्च साक्षरता दर और प्रतिभा के साथ अग्रणी स्थान पर होना चाहिए था, लेकिन वह पीछे जा रहा है। डिप्टी सीएम देवेन्द्र फडणवीस ने महाराष्ट्र की राजनीति से ब्रेक लेकर केरल पहुंचे थे। भाजपा नेता ने पारंपरिक मुंडू (धोती) पहनकर केरल के प्रसिद्ध पद्मनाभस्वामी मंदिर का दौरा किया। बाद में, उन्होंने तिरुवनंतपुरम में पार्टी कार्यालय में भाजपा नेताओं और कार्यकर्ताओं से बातचीत की। फडणवीस ने सत्तारूढ़ एलडीएफ और विपक्षी यूडीएफ पर राष्ट्र-विरोधी ताकतों को बढ़ावा देने और वोट बैंक की राजनीति के हिस्से के रूप में उनके साथ चुनावी गठबंधन करने का आरोप लगाया।

अमेठी से भी चुनाव लड़ेंगे राहुल गांधी!

नईदिल्ली। कांग्रेस आलाकमान ने संकेत दिया कि राहुल गांधी वायनाड सीट के अलावा, अमेठी लोकसभा सीट से चुनाव लड़ सकते हैं, जहां से वह 2019 के चुनावों में भाजपा की स्मृति ईरानी से हार गए थे। कांग्रेस सूत्रों के मुताबिक, वह अमेठी से पार्टी के उम्मीदवार हो सकते हैं और इस आशय का संकेत पार्टी की ओर से दिया गया है। सूत्रों ने संकेत दिया कि राहुल गांधी 26 अप्रैल के बाद वायनाड सीट पर मतदान पूरा होने के बाद अमेठी सीट से अपना नामांकन दाखिल करेंगे। वह केरल के वायनाड से चुनाव लड़ रहे हैं जहां 26 अप्रैल को मतदान होना है। पार्टी नेताओं का मानना है कि अब भी गांधी परिवार को इन पारंपरिक सीटों पर ज्यादा प्रचार की जरूरत नहीं है। शायद इसी वजह से पार्टी अब तक दोनों सीटों पर अपने पत्ते खोलने से बचती रही है। अमेठी सीट पर पांचवें चरण में 20 मई को मतदान होना है और यहां नामांकन प्रक्रिया 27 अप्रैल से शुरू होगी।

घोषणापत्र में मुस्लिम लीग की छाप

मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग पहुंची कांग्रेस, कार्यवाही की मांग

नई दिल्ली। आगामी लोकसभा चुनाव से कुछ दिन पहले, कांग्रेस ने सोमवार को पार्टी के घोषणापत्र की तुलना मुस्लिम लीग से करने पर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के खिलाफ चुनाव आयोग (ईसी) का रुख किया। एक्स को संबोधित करते हुए, वरिष्ठ कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने कहा कि पार्टी के एक प्रतिनिधिमंडल ने चुनाव आयोग से मुलाकात की और प्रधानमंत्री के खिलाफ दो सहित छह शिकायतें पेश कीं और उन पर बहस की। उन्होंने कहा कि शिकायत प्रधानमंत्री के बेतुके दावे के खिलाफ दर्ज की गई है कि कांग्रेस न्याय पत्र देश को विभाजित करने और मुस्लिम लीग की स्वतंत्रता-पूर्व विचारधारा को लागू करने का प्रयास कर रही है।

जयराम रमेश ने कहा कि यह चुनाव आयोग के लिए सभी दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करके अपनी स्वतंत्रता प्रदर्शित करने का समय है। हम इस उम्मीद में रहते हैं कि माननीय आयोग अपने संवैधानिक जनादेश को बरकरार रखेगा। अपनी ओर से, हम इस शासन को बेनकाब करने के लिए राजनीतिक और कानूनी सभी रास्ते अपनाना जारी रखेंगे।

पीएम मोदी द्वारा कांग्रेस के चुनावी घोषणापत्र की आलोचना करने पर कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे ने कहा कि मोदी-शाह के राजनीतिक और वैचारिक पूर्वजों ने स्वतंत्रता संग्राम में भारतीयों के खिलाफ ब्रिटिश और मुस्लिम लीग का समर्थन किया था। मोदी जी के भाषणों में आरएसएस की बू आती है। दिन पर दिन भाजपा की चुनावी हालत इतनी खस्ता होती जा रही है कि आरएसएस को अपने पुराने मित्र - मुस्लिम लीग - की याद सताने लगी है। कांग्रेस सांसद जयराम रमेश ने कहा कि श्यामा प्रसाद मुखर्जी ने जिन्ना की मुस्लिम लीग से समझौता किया। कांग्रेस ने कभी कोई समझौता नहीं किया। उन्होंने कहा कि लालकृष्ण आडवाणी और जसवन्त सिंह ने पाकिस्तान जाकर जिन्ना की तारीफ की। किसी कांग्रेसी नेता ने ऐसा नहीं किया।

मोदी ने क्या कहा था- कांग्रेस के घोषणा पत्र पर वार करते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सबसे पहले सहारनपुर में मुस्लिम लीग को लेकर अपनी बात कही। उन्होंने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में वही सोच झलकती है, जो आजादी के आंदोलन के समय मुस्लिम लीग में थी। नरेंद्र मोदी ने कहा कि कांग्रेस के घोषणा पत्र में पूरी तरह मुस्लिम लीग की छाप है और इसका जो कुछ हिस्सा बचा रह गया, उसमें वामपंथी पूरी तरह हावी हो चुके हैं।

आसन्न हार के चलते मोदी फिर से अनर्गल बातें कर रहे हैं

हमारे घोषणापत्र से घबराकर प्रधानमंत्री 'हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट' पर उतर आए : सुप्रिया

नयी दिल्ली। कांग्रेस ने सोमवार को आरोप लगाया कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी उसके घोषणापत्र से इतने घबराए और डरे हुए हैं कि 'हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट' पर उतर जाए हैं। पार्टी प्रवक्ता सुप्रिया श्रीनेत ने यह दावा भी किया कि कांग्रेस का घोषणापत्र उन सभी समस्याओं का समाधान करने की बात करता है जो मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों में देश में पैदा की हैं। कांग्रेस ने लोकसभा चुनाव के लिए गत पांच अप्रैल को अपना घोषणापत्र जारी किया जो पांच 'न्याय' के स्तंभ और 25 'गारंटी' पर आधारित है।

पार्टी ने जाति जनगणना कराने, आरक्षण की 50 प्रतिशत की सीमा खत्म करने, युवाओं, महिलाओं एवं किसानों के कल्याण के लिए कई वादे किए हैं। श्रीनेत ने संवाददाताओं से कहा, ''10 साल सत्ता में रहने के बाद आज जब प्रधानमंत्री को अपना रिपोर्ट कार्ड दिखाकर वोट मांगना चाहिए तो वो घबरा गये हैं। वह फिर से अपनी वही घिसी पिटी हिंदू-मुसलमान की स्क्रिप्ट पर उतर आए हैं।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के घोषणापत्र से प्रधानमंत्री इतने बौखलाए हुए, इतने डरे हुए, इतने भयभीत हैं कि अपनी आसन्न हार के चलते वो फिर से अनर्गल बातें कर रहे हैं।

कांग्रेस प्रवक्ता ने कहा, ''कांग्रेस के घोषणापत्र यानी 'न्याय पत्र' की हर तरफ़ चर्चा है। मीडिया, विशेषज्ञों और यहां तक कि हमारे विरोधियों को भी यह मानना पड़ रहा है कि ये न्याय पत्र भविष्य के लिए एक बेहतरीन खाका है जिसमें हर वर्ग की बात है। इसी व्यापक दृष्टिकोण की आज देश को ज़रूरत है।'' उनका कहना था कि इस न्याय पत्र में हर उस समस्या का समाधान है जो मोदी सरकार ने पिछले 10 वर्षों से इस देश पर लादी हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री मोदी के 'मुस्लिम लीग' वाले बयान को लेकर पलटवार करते हुए कहा, ''प्रधानमंत्री मोदी का मुस्लिम लीग प्रेम फिर छलका। इसीलिए प्रधानमंत्री हर बार की तरह मुद्दों से भटकाने की जीतोड़ कोशिश में लगे हुए हैं।''

श्रीनेत ने आरोप लगाया, ''प्रधानमंत्री के किसी चाटुकार ने जब उनसे कहा कि कांग्रेस का घोषणापत्र तो बहुत चर्चित हो रहा है तो उन्होंने कहा कि घबराओ मत मैं ऐसी बेसिर पैर की बात करूंगा कि चर्चा दूसरी तरफ मोड़ दूंगा। इसके बाद उन्होंने बिना कुछ सोचे समझे कहा कि हमारे घोषणापत्र पर मुस्लिम लीग की छाप है।'' उन्होंने सवाल किया कि मुस्लिम लीग से प्रधानमंत्री मोदी का ऐसा कौन सा प्रेम है जो बार बार छलक उठता है? उन्होंने दावा किया, ''असलियत यह है कि नरेन्द्र मोदी जी का मुस्लिम लीग के प्रति प्रेम नया नहीं है। ये वही लोग हैं जो आज़ादी के महासंग्राम के दौरान भी अंग्रेजों के साथ खड़े रहे, और जिन्होंने मुस्लिम लीग के साथ मिलकर सांप्रदायिक दरार पैदा करने का कोई मौक़ा नहीं छोड़ा।''

श्रीनेत का कहना था, ''जब 1942 में महात्मा (महात्मा गांधी)के आह्वान पर और मौलाना आज़ाद की अध्यक्षता के दौरान देश 'अंग्रेजों भारत छोड़ो'आंदोलन में शामिल था, तब श्यामाप्रसाद मुखर्जी मुस्लिम लीग के साथ मिलकर बंगाल, सिंध और उत्तर पश्चिम सीमांत प्रांत में अपनी सरकार ही नहीं चला रहे थे बल्कि अंग्रेजों को लिखकर यह भी सलाह दे रहे थे कि इस जन आंदोलन का दमन कैसे किया जाए।'' उन्होंने दावा किया कि कांग्रेस के घोषणापत्र से पूरी भाजपा बौखलाई हुई है।

चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर धरना दे रहे टीएमसी कार्यकर्ता हिरासत में

नई दिल्ली। लोकसभा चुनावों को लेकर तेज हुई सरगर्मी के बीच राजधानी दिल्ली में चुनाव आयोग के दफ्तर के बाहर प्रदर्शन कर रहे टीएमसी नेताओं को हिरासत में लिया गया है।

दरअसल, टीएमसी का 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल चुनाव आयोग कार्यालय के बाहर केंद्रीय एजेंसियों के खिलाफ धरना कर रहा था। जिन्हें पुलिस ने हटाने की कोशिश की। इसी दौरान कुछ नेताओं को हिरासत में लिया गया है।

इसके कुछ वीडियो भी सामने आए हैं। टीएमसी के जिन नेताओं को दिल्ली पुलिस ने हिरासत में लिया है उनमें टीएमसी सांसद डेरेक ओ ब्रायन, मोहम्मद नदीमुल हक, डोला सेन, साकेत गोखले और सागरिका घोष, विधायक विवेक गुप्ता, पूर्व सांसद अर्पिता घोष, शांतनु सेन और अबीर रंजन विश्वास और पार्टी की छात्र शाखा पश्चिम बंगाल के उपाध्यक्ष सुदीप राहा शामिल हैं। बता दें कि तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के 10 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल ने अपनी मांग पर जोर देने के लिए चुनाव आयोग (ईसी) की पूर्ण पीठ से मुलाकात के बाद धरने की घोषणा की थी।

इसके जो वीडियो सामने आए हैं, उनमें देखा जा सकता है कि टीएमसी नेताओं ने अपने हाथों में केंद्रीय एजेंसियों का विरोध करने वाले पोस्टर अपने हाथों में ले रखे थे। जिनमें केंद्रीय एजेंसियों जैसे सीबीआई, ईडी और एनआईए के खिलाफ नारे लिखे गए थे। साथ ही इसमें इन एजेंसियों के निदेशकों को बदले जाने की मांग भी की गई थी।

पश्चिम बंगाल में सत्तारूढ़ पार्टी लगातार आरोप लगाती रही है कि केंद्रीय जांच एजेंसियां भाजपा के नेतृत्व वाले केंद्र के इशारे पर विपक्षी दलों को निशाना बना रही हैं। दिल्ली रवाना होने से पहले सेन ने भाजपा पर गंभीर आरोप लगाए थे। उन्होंने कहा था कि भाजपा हमारे खिलाफ केंद्रीय एजेंसियों का दुरुपयोग कर रही है। जिस तरह से एनआईए, ईडी और सीबीआई काम कर रही है और टीएमसी नेताओं को निशाना बना रही है, वह शर्मनाक है। हम चुनाव आयोग से सभी राजनीतिक दलों के लिए समान अवसर सुनिश्चित करने का अनुरोध करेंगे।

गौरतलब है कि टीएमसी के नेताओं का यह प्रदर्शन तब हो रहा है जब हाल ही में पश्चिम बंगाल में एनआईए की टीम पर हमला हुआ है। इसके बाद से भाजपा और टीएमसी में जुबानी जंग तेज हो गई है। टीएमसी का दावा है कि केंद्रीय एजेंसियों ने भाजपा के साथ हाथ मिला लिया है और वे लोकसभा चुनाव से पहले उनकी पार्टी के नेताओं को गिरफ्तार कर रही हैं। वहीं भाजपा का आरोप है कि टीएमसी सरकार में बंगाल में अपराधियों को संरक्षण मिल रहा है और राज्य में कानून व्यवस्था दिनों-दिन बिगड़ती जा रही है।

बीते सप्ताह हुआ था हमला

बीते हफ्ते एनआईए की टीम भूपतिनगर में साल 2022 में हुए बम धमाके के मामले में छापेमारी करने और दो आरोपियों (मनोब्रतो जाना और बालीचरन मैती) को गिरफ्तार करने पहुंची थी। इस दौरान जब एनआईए टीम दो आरोपियों को गिरफ्तार कर लौट रही थी, तो स्थानीय लोगों ने एनआईए टीम पर पथराव किया। जिसमें एनआईए की गाड़ियों के शीशे टूट गए और कई अधिकारी घायल हुए।

खेल
प्रमुख समाचार

पंजाब और सनराइजर्स के बीच आज रोमांचक मुकाबले की उम्मीद

नईदिल्ली। पंजाब किंग्स और सनराइजर्स हैदराबाद की टीम इंडियन प्रीमियर लीग में मंगलवार को जब आमने-सामने होंगी तो दोनों की नजरें जीत हासिल करके अंक तालिका में अपनी स्थिति बेहतर करने पर टिकी होंगी। सनराइजर्स और पंजाब दोनों ने चार-चार मैच में समान दो जीत दर्ज की हैं और दो मैच गंवाए हैं। ये दोनों उन चार टीम में शामिल हैं जिनके चार-चार अंक हैं और दोनों की नजरें जीत हासिल करके तालिका में आगे बढ़ने पर लगी हैं।

सनराइजर्स की टीम ने अब तक बल्ले से अच्छा प्रदर्शन किया है और मौजूदा सत्र में अधिकतर मौकों पर उसके बल्लेबाजों ने प्रभावित किया लेकिन पंजाब की टीम के बारे में ऐसा नहीं कहा जा सकता। मुंबई इंडियन्स के खिलाफ जीत के दौरान सनराइजर्स ने आईपीएल इतिहास का सबसे बड़ा टीम स्कोर बनाया जबकि शुक्रवार को गत चैंपियन चेन्नई सुपरकिंग्स के खिलाफ भी टीम ने छह विकेट की आसान जीत दर्ज की। अभिषेक शर्मा, ट्रेविस हेड, हेनरिक क्लासेन और ऐडन मार्कराम जैसे बल्लेबाजों ने विरोधी गेंदबाजों के खिलाफ आक्रामक रवैया अपनाया है और टीम को तेज शुरुआत दिलाई है। शिखर धवन, जॉनी बेयरस्टो और लियाम लिविंगस्टोन की मौजूदगी में पंजाब के पास भी बड़े शॉट खेलने वाले खिलाड़ी हैं लेकिन कप्तान धवन के अलावा अन्य किसी के प्रदर्शन में निरंतरता नजर नहीं आई है। पंजाब को अपने भारतीय खिलाड़ियों प्रभसिमरन सिंह और जितेश शर्मा से भी बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद होगी। दोनों टीमें अपने पिछले मुकाबले जीतकर इस मैच में उतरेंगी और नवनिर्मित महाराज यादविंद्र सिंह क्रिकेट स्टेडियम में होने वाले इस सिर्फ दूसरे आईपीएल मैच में पावर प्ले में टीम का प्रदर्शन अहम भूमिका निभाएगा। दोनों टीमों की गेंदबाजी चिंता का विषय है।

आर्थिक/वाणिज्य/विज्ञान/
प्रमुख समाचार

सेंसेक्स 494 अंक मजबूत निफ्टी में 153 अंक का बढ़त

नईदिल्ली। ग्लोबल मार्केट में आशावाद और विदेशी निवेश के फ्लो के बीच बेंचमार्क इक्विटी सूचकांक सेंसेक्स और निफ्टी सोमवार को अपने नए रिकॉर्ड स्तर पर पहुंच गए। आज के कारोबार में बीएसई सेंसेक्स 494 अंक मजबूत हुआ। वहीं, निफ्टी में भी 153 अंक की बढ़त दर्ज की गई। व्यापक बाजारों में, बीएसई मिडकैप 0.26 फीसदी बढ़ा जबकि स्मॉलकैप सूचकांक 0.06 फीसदी की गिरावट के साथ बंद हुआ। बीएसई का 30 शेयरों वाला मानक सूचकांक सेंसेक्स 494.28 अंक यानी 0.67 फीसदी की बढ़त के साथ 74,742.50 अंक पर बंद हुआ। सेंसेक्स में आज 74,410.07 और 74,869.30 के रेंज में कारोबार हुआ। वहीं, दूसरी तरफ नेशनल स्टॉक एक्सचेंज के निफ्टी में भी 152.60 अंक यानी 0.68 फीसदी की बढ़त दर्ज की गई। निफ्टी दिन के अंत में 22,666.30 अंक पर बंद हुआ। निफ्टी में आज 22,550.35 और 22,697.30 के रेंज में कारोबार हुआ।

400 लाख करोड़ के पार पहुंचा भारत का मार्केट कैप

नईदिल्ली। हफ्ते के पहले कारोबारी दिन यानी सोमवार 8 अप्रैल को बाजार में शानदार तेजी दिख रही है। इसी के साथ भारत का मार्केट-कैप पहली बार आज 400 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंच गया है। आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले नौ महीने में इसमें 100 लाख करोड़ रुपये का इजाफा हुआ है। पुराने आंकड़ों पर नजर डालें तो पिछले साल पांच जुलाई को भारत का मार्केट कैप 300 लाख करोड़ रुपये पहुंचा था। वहीं साल 2007 में भारत का मार्केट कैप 50 लाख करोड़ पहुंचा था जबकि 2014 में यह पहली बार 100 लाख करोड़ रुपये के पार पहुंचा था। इसमें 200 लाख करोड़ रुपये का स्तर फरवरी 2021 में छुआ था। पिछले एक साल में खासकर पीएसयू शेयरों में काफी तेजी देखने को मिली है। पिछले 12 महीने में निफ्टी पीएसई और निफ्टी सीपीएसई में 100 फीसदी से ज्यादा तेजी आई है।

जेएसडब्ल्यू स्टील ने वित्त वर्ष 2023-24 में 2.643 करोड़ टन का रिकॉर्ड उत्पादन किया

नईदिल्ली। जेएसडब्ल्यू स्टील ने वित्त वर्ष 2023-24 में 2.643 करोड़ टन कच्चे इस्पात का रिकॉर्ड उत्पादन किया जो सालाना आधार पर नौ प्रतिशत की वृद्धि दर्शाता है। जेएसडब्ल्यू स्टील ने वित्त वर्ष 2022-23 में एकीकृत आधार पर 2.414 करोड़ टन (एमएनटी) कच्चे इस्पात का उत्पादन किया था। कंपनी ने एक बयान में कहा, 2024 की जनवरी-मार्च अवधि में एकीकृत उत्पादन 67.9 लाख टन रहा जो एक साल पहले की इसी तिमाही के 65.8 लाख टन से तीन प्रतिशत अधिक है। कंपनी ने वित्त वर्ष 2023-24 में अपने भारतीय परिचालन से 2.555 करोड़ स्टील का उत्पादन किया, जो पिछले वित्त वर्ष के 2.362 करोड़ से आठ प्रतिशत अधिक है। जेएसडब्ल्यू स्टील 23 अरब अमेरिकी डॉलर के जेएसडब्ल्यू समूह का प्रमुख व्यवसाय है।

कर्मचारियों के लिए भारत में 78, 000 घर बना रही एपल

नईदिल्ली। पिछले दो से तीन साल के दौरान देशभर में 150,000 लोगों को नौकरी देने के बाद एप्पल भारत में चीन और वियतनाम जैसा इंडस्ट्रियल हाउसिंग मॉडल अपनाने की योजना बना रहा है। इस मॉडल के मुताबिक, फैक्टरी में काम करने वाले कर्मचारियों को कंपनी हाउसिंग सुविधाएं प्रदान करेगी। रिपोर्ट के अनुसार, फॉक्सकॉनज्टाटा और सैलकॉम्प समेत एप्पल के दूसरे कॉन्ट्रैक्ट मेन्युफेक्चर्स और सप्लायर्स अपने कर्मचारियों के लिए घर बनाने की योजना बना रहे हैं। रिपोर्ट के मुताबिक, इन घरों को पब्लिक-प्राइवेट पार्टनरशिप मॉडल के तहत बनाया जाएगा। योजना के तहत 78,000 से अधिक यूनिट का निर्माण किया जाएगा। इसमें से सबसे अधिक लगभग 58,000 यूनिट तमिलनाडु में तैयार की जाएंगी। ज्यादातर हाउसिंग यूनिट तमिलनाडु राज्य उद्योग संवर्धन निगम द्वारा बनाई जा रही हैं।

विश्व व्यापार संगठन का क्या होगा भविष्य

अजय छिब्बर

विश्व व्यापार संगठन (डब्ल्यूटीओ) की स्थापना 1 जनवरी, 1995 को की गई थी। इसे दूसरे विश्वयुद्ध के अंत के बाद सबसे बड़ा अंतरराष्ट्रीय व्यापारिक सुधार बताया गया था। ऐसा इसलिए कि इसने जनरल एग्रीमेंट ऑन टैरिफ्स ऐंड ट्रेड (जीएटीटी) का विस्तार करते हुए सेवाओं और बौद्धिक संपदा को व्यापार में शामिल कर दिया था। डब्ल्यूटीओ की शुरुआत के बाद विवाद निस्तारण की नई प्रक्रिया शुरू हुई।

इससे तीन मसले उत्पन्न हुए। पहला, चीन को लगातार 'विकासशील अर्थव्यवस्था' दिखाए रखना। दूसरा चीन द्वारा विशेष सब्सिडी वाले सरकारी उपक्रमों का इस्तेमाल करना जिससे उसे अनुचित लाभ मिला और बाजार अर्थव्यवस्था बनने की उसकी प्रगति धीमी हुई। तीसरा, आरोप है कि डब्ल्यूटीओ अपील संस्था हद से आगे बढ़ गई है और कुछ देशों ने इसकी विवाद निस्तरण व्यवस्था का दुरुपयोग करके अनुचित लाभ हासिल किया है।

दोहा दौर की वार्ता पर सहमति नहीं बन पाने के बावजूद वैश्विक व्यापार का आकार दोगुना से अधिक हो गया और वैश्विक टैरिफ में 2008 के वैश्विक वित्तीय संकट तक गिरावट आई। तब से क्षेत्रीय व्यापक आर्थिक साझेदारी (आरसेप) और अटलांटिक पार साझेदारी के लिए व्यापक और प्रगतिशील समझौते जैसे क्षेत्रीय व्यापार समझौते आगे बढ़े हैं। परंतु इस बात के स्पष्ट संकेत हैं कि अमेरिका और चीन अब समांतर और प्रतिस्पर्धी कारोबारी क्षेत्र विकसित कर रहे हैं। इस बीच एक दूसरे के साथ उनका कारोबार जारी है।

अमीर देशों में विनिर्माण कमजोर होने तथा भारत समेत कई विकासशील देशों में

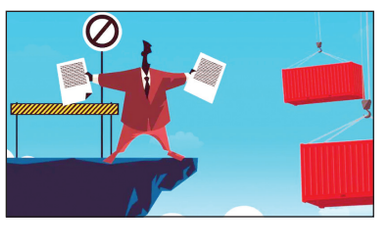

समय से पहले ही औद्योगीकरण की प्रक्रिया समाप्त होने से मुक्त व्यापार का राजनीतिक परिदृश्य बदल गया है। रिचर्ड बाल्डविन का कहना है कि वैश्वीकरण का अगला दौर सेवा व्यापार से उत्पन्न होगा जिसे वैश्वीकरण 4.0 का नाम दिया जाएगा।

परंतु 2020 से व्यापार में सुधार, खासकर सेवा क्षेत्र और सीमा पार के वित्तीय प्रवाह से यही संकेत मिलता है कि वैश्वीकरण जारी रह सकता है लेकिन उसकी गति काफी धीमी हो सकती है। यह गति वैश्विक वित्तीय संकट से पहले की तुलना में धीमी रहने वाली थी और भूआर्थिक कारणों से इसकी प्रकृति क्षेत्रीय रह सकती है।

आर्टिफिशल इंटेलिजेंस सेवा व्यापार में वृद्धि को लेकर चौंका सकती है लेकिन अब तक इसका प्रभाव अस्पष्ट है। मौजूदा वैश्विक व्यापार व्यवस्था में संरक्षणवाद बढ़ रहा है और कोविड तथा यूक्रेन युद्ध ने आपूर्ति श्रृंखला को झटका दिया है। अपने देश में तथा मित्र देशों में उत्पादन करने के प्रयास किए जा रहे हैं खासतौर पर अहम रणनीतिक क्षेत्रों मसलन सेमीकंडक्टर चिप आदि के मामले में। हालांकि जिंस के मामले में तमाम प्रतिबंधों के बावजूद व्यापार बढ़ रहा है। रूसी तेल पर प्रतिबंध की नाकामी यही दिखाती है।

डब्ल्यूटीओ ने विवाद निपटाने के लिए अधिक औपचारिक प्रणाली पेश की। इसमें विशेषज्ञों की एक अपील संस्था शामिल है जो विवादों पर निर्णय करती है लेकिन अब वह व्यवस्था अब सही नहीं रही। उसने विकासशील देश जैसे दर्जे की इजाजत दी जिसने खास अवधि के लिए विशेष प्रकार की रियायतों की व्यवस्था की। दोहा दौर की वार्ता में समझौते के अभाव के बावजूद डब्ल्यूटीओ व्यवस्था ने सही ढंग से काम किया। हालांकि बाद में दिक्कत होने लगी।

चीन जैसे कुछ देशों खुद ही खुद को विकासशील देश बताया जाना अनुचित था क्योंकि उनके पास भारी भरकम व्यापार अधिशेष था। ध्यान रहे अब चीन दुनिया का सबसे बड़ा कारोबारी और दूसरी सबसे बड़ी अर्थव्यवस्था वाला देश है। विशेष सब्सिडी वाले सरकारी उपक्रमों का इस्तेमाल भी एक मुद्दा था खासकर चीन के मामले में क्योंकि यह अनुचित लाभ देता है। अमेरिका ने अपील संस्था में नए सदस्यों की नियुक्ति को रोक दिया है जिससे कामकाज प्रभावित हो रहा है।

मोदी जी का बस्तरवासियों से है अटूट प्रेमः साय

बस्तरवासियों ने मोदी जी को अपना पूरा आशीर्वाद दिया

रायपुर/बस्तर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने आज प्रधानमंत्री की जमकर तारीफ की। बस्तर में आयोजित विजय संकल्प शंखनाद रैली में मुख्यमंत्री ने कहा कि बस्तर क्षेत्र से प्रधानमंत्री जी को बहुत प्यार है। उन्होंने बीजापुर के जांगला से ही आयुष्मान भारत योजना की शुरुआत की थी। जिससे बड़े से बड़े से बीमारी का इलाज प्राइवेट अस्पताल में मुफ्त में हो रहा है, सस्ते में हो रहा है। मोदी जी ने दंतेवाड़ा के जावंगा में एजुकेशन सिटी जाकर यहाँ के आदिवासी बच्चों से मुलाकात किया, आत्मीय संवाद किया था। वनधन केंद्र जाकर, हमारे आदिवासी भाई-बहन लघु वनोपज का कैसे प्रसंस्करण करते हैं, कैसे संग्रह करते हैं, कैसे बेचते हैं उसको देखा। मोदी जी एक ऐसे नेता हैं, जिन्होंने प्रधानमंत्री रहते हुए सबसे अधिक बस्तर का दौरा किया है। उन्होंने कहा कि मोदी जी छत्तीसगढ़ और बस्तर कई बार आए हैं। वो यह जानते हैं कि बस्तर के आदिवासी कैसा जीवन जीते हैं।

जब श्री साय बोल रहे थे तब प्रधानमंत्री मोदी भी मंच पर आसीन थे। वे बस्तर लोकसभा के आमाबाल, नारायणपुर में चल रही जनसभा को

सम्बोधित कर रहे थे। विष्णुदेव साय ने कहा कि मोदी जी ने एक आदिवासी परिवार की बेटी द्रौपदी मुर्मू को राष्ट्रपति बनाया और छत्तीसगढ़ में एक आदिवासी बेटे को मुख्यमंत्री का दायित्व देने वाले माननीय नरेंद्र मोदी जी ही हैं, यह केवल भारतीय जनता पार्टी में ही संभव है। उन्होंने कहा कि हमारे लिए बड़े सौभाग्य की बात है कि दुनिया के सबसे लोकप्रिय नेता, दुनिया के सबसे बड़े लोकतांत्रिक देश के प्रधानमंत्री, दुनिया के सबसे बड़े राजनैतिक दल के नेता नरेंद्र मोदी जी का बस्तर आगमन हुआ है। मैं बस्तर सहित समूचे छत्तीसगढ़ वासियों की ओर से आपका हार्दिक स्वागत करता हूँ।

शंखनाद रैली में उप मुख्यमंत्री अरुण साव, विजय शर्मा, प्रदेश अध्यक्ष किरण सिंह देव, मंत्री रामविचार नेताम, केदार कश्यप, बस्तर लोकसभा प्रत्याशी महेश कश्यप, कांकेर लोकसभा प्रत्याशी भोजराज नाग, भाजपा की राष्ट्रीय उपाध्यक्ष लता उसेंडी सहित विधायकगण एवं भाजपा के शीर्ष नेता भी उपस्थित थे।

मुख्यमंत्री ने अटल जी को किया याद- मुख्यमंत्री ने अपने उद्बोधन में अटल जी को याद करते हुए कहा कि यह छत्तीसगढ़ राज्य अटल जी की ही देन है, भारतीय जनता पार्टी की देन है। उन्होंने कहा कि आदिवासियों का समुचित विकास हो इसलिए अटल जी ने छत्तीसगढ़ बनाया।

साय के सांय-सांय पर मुस्कुराए प्रधानमंत्री- मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने जब अपने उद्बोधन के बीच जनता से पूछा कि - आप मन देखत हो न कि सब काम सांय-सांय होत हे, देखत हो कि नहीं। उनकी इस बात पर जहाँ एक तरफ जनता ने दोनों हाथ उठाकर चिल्लाते हुए सहमति दी, तो प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी भी बिना मुस्कुराए नहीं रह सके। मुख्यमंत्री ने कहा कि आदरणीय प्रधानमंत्री के आशीर्वाद ले सब काम सांय-सांय होवत हे।

नगरनार पर बोले मुख्यमंत्री- मुख्यमंत्री ने कहा कि आज नगरनार स्टील प्लांट के रूप में बस्तर और छत्तीसगढ़ को सौगात देने वाले हमारे प्रधानमंत्री जी हैं। उनका संकल्प है कि नगरनार में ही छत्तीसगढ़ का जो लौह अयस्क है उससे लोहे का निर्माण होना चाहिए और बस्तर क्षेत्र के हमारे बेटे-बेटियों को रोजगार मिले इसकी चिंता करने वाले हमारे प्रधानमंत्री हैं।

मुख्यमंत्री ने पीएम को बताई अपनी सरकार की उपलब्धियां- श्री साय ने कहा कि हमने तेंदूपत्ता संग्राहकों से 5500 रुपया प्रति मानक बोरा की दर से तेंदूपत्ता खरीदने के भी आदेश दे दिए हैं, साथ ही चरण पादुका योजना की पुनः शुरुआत की घोषणा भी कर दी है। बस्तरवासियों के हित के लिए मोदी जी और भाजपा की सरकार कृत संकल्पित हैं। उन्होंने प्रधानमंत्री जी से कहा कि विधानसभा चुनाव में आपकी गारंटी पर विश्वास कर बस्तर और छत्तीसगढ़ की जनता ने हमें 46% मत और 54 सीटें देकर चुनाव जिताया। आज यह बताते हुए हर्ष हो रहा है कि 100 दिन में हमने आपकी गारंटी के प्रमुख वादे को प्राथमिकता से पूरा किया है। 18 लाख पीएम आवास के लिए शपथ ग्रहण के दूसरे दिन 14 दिसंबर को राज्यांश जारी किया, छत्तीसगढ़ राज्य के निर्माता स्व. वाजपेयी जी के जयंती के दिन 25 दिसंबर को प्रदेश के 12 लाख से अधिक किसानों को धान खरीदी का 2 वर्ष का बकाया बोनस 3716 करोड़ रूपये दिए, महतारी वंदन योजना के अंतर्गत 70 लाख 12 हजार 417 महिलाओं को 655 करोड़ 57 लाख रूपए की पहली किश्त आपने बाबा काशी विश्वनाथ की नगरी बनारस से वर्चुअली रूप से किया और हमारी सरकार ने बीते 3 अप्रैल को दूसरा किश्त भी जारी कर दिया है, प्रति एकड़ 21 क्विंटल धान खरीदी की, प्रति क्विंटल 3100 रूपये में धान खरीदी की, प्रति क्विंटल 917 रुपये के मान से प्रदेश के 24.72 लाख किसानों को 13,320 करोड़ रुपये की राशि भी जारी की, रामलला दर्शन योजना की भी शुरूआत हो चुकी है, पीएससी घोटाले की सीबीआई जांच के आदेश भी दे दिए हैं। इस प्रकार से आपकी गारंटी के सभी वादे को हमारी सरकार ने पूरा किया है।

झीरम मामले के जाँच के नाम पर न तो भूपेश ने खुद कुछ किया और न ही केंद्र सरकार को जाँच में सहयोग किया

5 साल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तो भी झीरम मामले में न्याय क्यों नहीं मिला?

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी के प्रदेश चुनाव प्रभारी व बिहार के कैबिनेट मंत्री नितिन नबीन ने झीरम कांड को लेकर प्रदेश कांग्रेस पर जमकर निशाना साधकर कांग्रेस और नक्सलियों के अंतर्संबंधों का खुलासा करने की मांग की है। नबीन ने कहा कि आज झीरम मामले को लेकर कांग्रेस ओछी राजनीति कर रही है और अपने नेताओं की शहादत और उनके शोक संतप्त परिजनों की भावनाओं का मजाक बना रही है। भाजपा और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से सवाल पूछने के बजाय कांग्रेसी अपनी पूर्ववर्ती सरकार के मुख्यमंत्री भूपेश बघेल से कोई सवाल पूछने की हिम्मत क्यों नहीं कर रहे हैं, जो झीरम मामले के सबूत जेब में रखकर घूमने की डींगें हाँकते रहे और पूरे पाँच साल में इस मामले की जाँच के नाम पर न तो बघेल ने खुद कुछ किया और न ही केंद्र सरकार को जाँच में सहयोग किया।

भाजपा प्रदेश चुनाव प्रभारी नबीन ने सवाल दागा कि कांग्रेस पार्टी आखिर झीरम के दोषी पर इतनी मेहरबान क्यों है? आज के नेता प्रतिपक्ष चरणदास महंत ने झीरम नक्सली हमले के तुरंत बाद क्या कहा, क्या किया, सब जानते हैं। अब राहुल गांधी जवाब दें कि 5 साल छत्तीसगढ़ में कांग्रेस की सरकार रही तो भी झीरम मामले में न्याय क्यों नहीं मिला? कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष दीपक बैज पर निशाना साधते हुए श्री नबीन ने कहा कि बैज को अगर सवाल करना है तो वे बीजेपी मंडल अध्यक्ष से सवाल करें, जिन्होंने उन्हें हराया। प्रधानमंत्री श्री मोदी से जब उनके नेता राहुल गांधी ही सवाल नहीं करते, तो फिर बैज क्या करेंगे? बैज बताएँ कि वह उन कवासी लखमा को जिताना चाहते हैं कि नहीं, जिनके झीरम कांड के मद्देनजर नार्को टेस्ट तक की मांग कांग्रेस खेमे से ही उठती रही है। श्री नबीन ने राहुल गांधी के 13 अप्रैल को होने वाले दौरे पर तंज कसते हुए कहा कि महादेव सट्टा ऐप पर राहुल जवाब देना चाहिए। वादाखिलाफी करके प्रदेश के हर वर्ग को ठगने का जो काम किया, उस पर राहुल प्रदेश को जवाब दें।

नबीन ने प्रधानमंत्री मोदी के बस्तर दौरे पर कहा कि प्रधानमंत्री मोदी पूरी तत्परता के साथ कार्यकर्ता के रूप में चुनाव की कमान संभाले हैं। छत्तीसगढ़ की जनता और भाजपा के कार्यकर्ता काफी ज्यादा उत्साहित हैं। पिछले चुनाव की सभा में भी बड़ी संख्या में लोग पहुंचे थे और इस बार भी बस्तर में जनता-जनार्दन का प्रधानमंत्री मोदी के प्रति वैसा ही साथ और विश्वास देखने को मिल रहा है। मोदी की गारंटी में बस्तर के लिए जो घोषणाएं की थीं, वह पूरी हो रही हैं। भाजपा को प्रधानमंत्री के आगमन से बहुत लाभ हुआ है और जनता भी उत्साहित है।

प्रधानमंत्री के बस्तर प्रवास के बाद चुनावी फिजाँ में भाजपा के प्रति अभूतपूर्व जनसमर्थन साफ दिखाई दे रहा है और प्रदेश की सभी 11 लोकसभा सीटों पर जीत के साथ भाजपा 'अबकी बार 400 पार' के लक्ष्य को हासिल करने जा रही है।

राहुल गांधी को पीएम बनाने मुंगेरी लाल की तरह सपने देख रही है कांग्रेस - रंजना साहू

रायपुर। भारतीय जनता पार्टी की प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेस राहुल गांधी को पीएम बनाने मुंगेरीलाल की तरह सपने देख रही है। हाल ही में छत्तीसगढ़ विधानसभा चुनाव में कांग्रेस को मिली करारी हार के बाद कांग्रेस नेताओं का मानसिक संतुलन पूरी तरह बिगड़ चुकी है। आज कांग्रेसी आसन्न लोकसभा चुनाव में प्रत्यक्ष हार को देखकर उलजुलूल हरकतें और बयानबाजी कर अपनी स्थिति को हास्यास्पद बना रहे हैं। चुनावी सभाओं में उनके बोल बिगड़ रहे है। उनके सपने में मोदी जी आ रहे हैं और वे भी मान रहे हैं आएगा तो मोदी ही।

भाजपा महिला प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि पिछले 10 साल में यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने जिस तरह से देश को दिशा दी वह भारत ही नहीं बल्कि पूरी दुनिया ने देखा है। 2014 में सरकार बनीं और पहली पालिर्यामेंट में कहा था कि उनकी सरकार गांव और गरीब के लिए समर्पित होगी। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने उस बात को पूरा कर दिखाया है। देश के गरीबों को आवास, शौचालय, शुद्ध पेयजल, सड़क, चिकित्सा, रेल सेवा का विस्तार, सहित जनकल्याणकारी योजनाओं का क्रियान्वयन किया। जनधन योजना, किसानों को सालभर में 6000 रुपए की आर्थिक सहायता, प्रधानमंत्री गरीब कल्याण अन्न योजना, उज्ज्वला योजना, आयुष्मान भारत योजना, प्रधानमंत्री जीवन ज्योति बीमा योजना, प्रधानमंत्री सुरक्षा बीमा योजना, अटल पेंशन योजना, पीएम विश्वकर्मा योजना आदि योजानाओं का लाभ देशवासियों को मिल रहा है। कोरोना काल में देश ही नहीं बल्कि कई देशों को वैक्सीन देकर लोगों की जान बचा कर मानवता की सेवा की। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता श्रीमती रंजना साहू ने कहा कि कांग्रेसी अपने चश्मे का जांच कराए क्योंकि उनकी आंखे देश में हो रहे विकास कार्यों और योजनाओं को फलीभूत होते नहीं देख पा रहे हैं। देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र

मोदी जी देश के ऐसे प्रधानमंत्री हैं जिन्होंने देश में आमूलचूल परिवर्तन करते हुए भारत को विकासशील और उन्नतशील बनाने का संकल्प लिया है। कश्मीर से धारा 370 को समाप्त कर ?वहां के लोगों को खुशहाल बनाया है। पड़ोसी देशों को ऐसा करारा जवाब दिया है कि आज वे भारत से नजरें नहीं मिला पा रहे हैं। मोदी जी ने 2047 तक भारत को आत्मनिर्भर होने के साथ ही विकासशील देशों की श्रेणी में लाने, भारत को विश्व गुरु बनाने का संकल्प लिया है। वहीं हमारे यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी पूरी दुनिया के सर्वाधिक लोकप्रिय व सवर्मान्य नेता हैं। आज भारत ने अंतरिक्ष में भी अपना परचम लहराया है।

सामूहिक विवाह आधुनिक समाज की आवश्यकता है - बृजमोहन

रायपुर। सामूहिक विवाह समाज की एक महत्वपूर्ण आवश्यकता है। यह शादियों को किफायती बनाने, सामाजिक बुराइयों को कम करने और सामाजिक समरसता को बढ़ावा देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। यह विचार रायपुर लोकसभा से भाजपा

उम्मीदवार श्री बृजमोहन अग्रवाल ने सतनामी सामूहिक आदर्श विवाह समारोह के दौरान व्यक्त किए। न्यू राजेंद्र में आयोजित समारोह में अग्रवाल ने नव विवाहित जोड़ों को आशीर्वाद देते हुए उनके उज्ज्वल एवं सुखद दांपत्य जीवन की कामना की।

अग्रवाल ने कहा कि आज के समाज में सामूहिक विवाह एक महत्वपूर्ण आवश्यकता बन गया है। शादियों में बढ़ते खर्चों ने आम लोगों के लिए शादी करना मुश्किल बना दिया है। दिखावा और प्रतिस्पर्धा ने शादियों को बोझिल और महंगा बना दिया है। सामूहिक विवाह इस समस्या का एक प्रभावी समाधान है। सतनामी समाज हमेशा से ही सामाजिक बुराइयों के खिलाफ एक आदर्श पेश करता रहा है। परम पूज्य गुरु बाबा घासी दास ने सामाजिक बुराइयों के खिलाफ लोगों को एक किया उनके बताए रास्ते पर चलकर सभ्य समाज का निर्माण किया जा सकता है।

कार्यक्रम में डॉ राम मनोहर, श्रीमती शकुंतला, श्रीमती रजनी डाण्डे श्री एसपी घृतलहरे जी (संरक्षक), श्री बीआ बंजारे संरक्षक, जेबी बंजारे- अध्यक्ष, दिनेश खुटे उपाध्य पृथ्वी राज बघेल, सुश्री अंजली बरमाल, कृष्णा बरमार, बबलु , सुभाष कोसरे, शंकुतला बंजारे, राजेंद्र बंजारे, रघुनाथ भरद्वाज, अशोक, हरीश बंजारे, कृष्णा कसले समेत समाज के गणमान्य लोग उपस्थित रहे।

छत्तीसगढ़/राजधानी समाचार

भाजपा बताये क्यों नहीं मिला 18 लाख गरीबों को प्रधानमंत्री आवास

रायपुर। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने भाजपा सरकार से पूछा 18 लाख गरीब परिवारों का प्रधानमंत्री आवास कहां है? मोदी सरकार ने 18 लाख आवास को अभी तक स्वीकृत क्यों नहीं किया? भाजपा ने प्रदेश के 18 लाख गरीब परिवारों को आवास देने के नाम से धोखा दिया है. विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा ने गरीबों को भड़काने के लिए उनको 18 लाख आवास देने का सपना दिखाया था, जो अब सरासर झूठा निकला है। छत्तीसगढ़ में भाजपा की सरकार बने 5 महीना होने जा रहा है लेकिन 18 लाख दूर की बात है मोदी सरकार ने 18 लोगों के लिए भी आवास स्वीकृत नहीं किया है. और उल्टा साय सरकार ने कांग्रेस सरकार के दौरान स्वीकृत आवास जिसकी पहले किस्त का भुगतान हो चुका था उनकी दूसरी किस्त की राशि को भी दूसरे मदों पर खर्च कर दिया. गरीबों के निर्माणाधीन मकान को रोकने का काम किया है. प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता धनंजय सिंह ठाकुर ने कहा कि केंद्र में कांग्रेस की सरकार बनने पर गरीबों के खुद के मकान का सपना पूरा होगा. मनमोहन सरकार के दौरान 10 साल में देशभर में 4 करोड़ 5 लाख से अधिक आवास गरीबों को दिया गया था.

सुको ने माना छत्तीसगढ़ में कोई शराब घोटाला हुआ ही नहीं

रायपुर। ईडी के द्वारा रचित पटकथा छत्तीसगढ़ के तथाकथित शराब घोटाले को सुप्रीम कोर्ट से रद्द कर दिया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि मा. उच्चतम न्यायालय के इस फैसले से यह साबित हो गया कि छत्तीसगढ़ में कोई शराब घोटाला हुआ ही नहीं था। विधानसभा चुनाव के पहले भाजपा को चुनावी मुद्दा देने के लिये केंद्र सरकार के इशारे पर ईडी ने यह सारा षड़यंत्र रचा था। उच्चतम न्यायालय का यह फैसला दूरगामी है, ईडी ने छत्तीसगढ़ में अनेक मामलों को षड़यंत्रपूर्वक रचा है, कोयला घोटाला, महादेव एप्प मामले की भी ऐसी ही हवा निकलेगी। कांग्रेस तो शुरू से कहती थी कि छत्तीसगढ़ में ईडी भाजपा के राजनैतिक उद्देश्यों की पूर्ति के लिये कांग्रेस की तत्कालीन सरकार की छवि खराब करने के लिये भाजपा के अनुषांगिक संगठन की भांति काम कर रही थी अदालत के फैसले से यह साबित भी हो गया। प्रदेश कांग्रेस संचार विभाग के अध्यक्ष सुशील आनंद शुक्ला ने कहा कि कांग्रेस ही नहीं देशभर में विरोधी दलों विशेषकर इंडिया गठबंधन के दलो के नेताओं को परेशान करने उनकी राजनैतिक छवि खराब करने का काम ईडी कर रही है तथा मनगढ़त आरोपों पर विपक्षी नेताओं के खिलाफ मुकदमें दर्ज किये गये तथा उनकी गिरफ्तारियां भी की गयी है।

मुख्यमंत्री साय ने हिन्दू नववर्ष, पर दी अपनी शुभकामनाएं

रायपुर। मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने हिन्दू नववर्ष आरम्भ, चैत्र नवरात्र, गुड़ी पड़वा और चेट्रीचंड़ पर्व के अवसर पर सभी प्रदेशवासियों को अपनी बधाई एवं शुभकामनाएं दी है। अपने शुभकामना सन्देश में उन्होंने कहा - आज से चैत्र शुक्ल प्रतिपदा हिंदू नव संवत्सर विक्रम संवत 2081 की शुरुआत हो रही है, जिसे हिन्दू नववर्ष के रूप में मनाया जाता है। यह नववर्ष आप सभी के लिए मंगलमय हो। साथ ही आदिशक्ति जगद्जननी की आराधना के पर्व चैत्र नवरात्रि की आप सभी को हार्दिक शुभकामनाएं। मां जगदंबा आप सभी का कल्याण करें। मुख्यमंत्री ने सिंधी समाज के लोगों को भगवान झूलेलाल की जयंती चेट्रीचंड़ महोत्सव और मराठी समाज के लोगों को गुड़ी पड़वा पर्व की बधाई एवं शुभकामनाएं दी।

हेडगेवार की जयंती पर किया उन्हें सादर नमन

मुख्यमंत्री विष्णु देव साय ने राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार की जयंती पर अपनी विनम्र श्रद्धांजलि अर्पित की है. उन्होंने कहा कि - अपना सम्पूर्ण जीवन समाज व राष्ट्र की सेवा में समर्पित करने वाले राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ के संस्थापक परम पूज्य डॉ. केशवराव बलिराम हेडगेवार जी की जयंती पर उन्हें शत्-शत् नमन। उन्होंने आरएसएस की स्थापना कर लोगों में देशभक्ति व राष्ट्रसेवा की नवचेतना जागृत की और देश की सनातन संस्कृति को संरक्षित और संवर्धित करने का काम किया।

कट आउट बॉक्स के पास आग से गुढ़ियारी ट्रांसफार्मर गोदाम हुआ था खाक

रायपुर। छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड गुढ़ियारी के ट्रांसफार्मरों में आग लगने के कारण का खुलासा हो गया है. कोटा सीएसपीडीसीएल स्टोर में कट आउट बॉक्स के पास आग शुरू हुई थी, जो झाड़ियों को जलाते हुए ट्रांसफार्मर और तेल के ड्रामों तक पहुंची थी. इस आगजनी से शासन को करोड़ों का नुकसान हुआ है. भीषण अग्निकांड का सीसीटीवी फुटेज भी सामने आया है, जिसमें लापरवाही साफ नजर आ रही है. छत्तीसगढ़ स्टेट पॉवर डिस्ट्रीब्यूशन कंपनी लिमिटेड ने गुढ़ियारी स्थित क्षेत्रीय भंडार गृह में आग लगने की घटना की जांच के लिए उच्चस्तरीय जांच समिति गठित की है. समिति पांच बिन्दुओं पर एक सप्ताह के भीतर विस्तृत प्रतिवेदन प्रस्तुत करेगी. वहीं इस घटना पर सीएम विष्णुदेव साय ने कहा है कि जांच रिपोर्ट के आधार पर दोषियों पर कार्रवाई की जाएगी.

राजेश फाए और के. परेश राव का सम्मान

रायपुर। आकाशवाणी रायपुर के कार्यक्रम अधिशासी राजेश फाए और वरिष्ठ उद्घोषक के परेश राव का सम्मान आकाशवाणी के कैजुअल एनाउंसर के द्वारा कल वृंदावन हॉल में किया गया।

वरिष्ठ उद्घोषक परेश राव ने स्वस्थ भारत, रूपक, नाटक, फोन इन कार्यक्रम ,सबरंग जैसे महत्वपूर्ण कार्यक्रमों की प्रस्तुति दी। हाल ही में वे आकाशवाणी से सेवा निवृत्त हुए हैं। वे रेडियो की दुनिया में आवाज के जादूगर माने जाते हैं। उनकी सेवा निवृत्ति से रेडियो श्रोताओं को एक खनकदार आवाज से विदा लेना पड़ेगा। परेश राव ने आकाशवाणी रायपुर के अलावा आकाशवाणी जगदलपुर में भी काफी लंबा समय व्यतीत किया है। इस अवसर पर उपस्थित थे शशांक खरे सीमा शर्मा अवंतिका झा मंदाकिनी मिश्रा सौम्या रिजवी शुभ्रा ठाकुर संजय पाठक, थानेंद्र साहू।

राजनैतिक दलों के मध्य हुआ ईवीएम एवं वीवी पैट का रेण्डमाईजेशन

रायपुर। लोकसभा निर्वाचन हेतु रायपुर ज़िला के लिए राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का आज रेडक्रॉस सभाकक्ष में प्रथम रेण्डमाईजेशन किया गया। रेण्डमाईजेशन के पश्चात फाईनालाईज्ड किए गये ईवीएम बैलेट यूनिट, कंट्रोल यूनिट, वीवी पैट मशीन में उल्लेख आईडी नंबर सहित सूची राजनैतिक दल के प्रतिनिधियों को उपलब्ध कराई गई।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने निष्पक्ष एवं पारदर्शी चुनाव प्रक्रिया हेतु सभी दलों के प्रतिनिधियों से आग्रह किया है कि वे सूची के आधार पर ईवीएम बैलेट एवं कंट्रोल

यूनिट, वीवी पैट का मिलान स्ट्रॉंग रूम में विधानसभावार रखते समय कर सकते हैं। उन्होंने बताया कि विधानसभावार मशीनों का प्रथम रेण्डमाईजेशन कर लिया गया है। रेण्डमाईजेशन पश्चात मशीनों को स्ट्रॉंग रूम में विधानसभा के अनुसार सुरक्षित रखवाया जाएगा। ग़ौरतलब है कि राजनैतिक दलों के प्रतिनिधियों के समक्ष ईवीएम एवं वीवी पैट मशीनों का रेण्डमाईजेशन किया जाता है। रेण्डमाईजेशन की प्रक्रिया में रायपुर ज़िले के अंतर्गत कुल 1797 मतदान केंद्र है। इस से 20 प्रतिशत बैलेट एवं कंट्रोल यूनिट तथा 30 प्रतिशत वीवी पैट मशीनों का चयन किया गया।356 बैलेट यूनिट, 356 कंट्रोल यूनिट और 535 वीवी पैट एफएलसी ओके मशीनों का रेण्डमाईजेशन किया गया। मतदान केंद्रों में ईवीएम एवं वीवीपैट मशीनों का उपयोग करने के पहले पारदर्शिता के लिए विभिन्न चरणों में मशीनों का रेंडमाइजेशन किया जाता है। आज मशीनों का प्रथम रेंडमाइजेशन भारत निर्वाचन आयोग के ऑनलाइन सॉफ्टवेयर में किया गया। रेंडमाइजेशन के बाद इसका प्रिंट निकालकर सभी राजनीतिक दलों के पदाधिकारियों से हस्ताक्षर कराने के बाद उन्हे इसकी प्रतिया प्रदान की गई।इस अवसर पर ज़िला पंचायत सीईओ श्री विश्वदीप , उप जिला निर्वाचन अधिकारी श्री उमशंकर बंदे, अपर कलेक्टर श्री देवेंद्र पटेल एवं राजनैतिक दलों के प्रतिनिधि उपस्थित थे।

लोकसभा चुनाव संपन्न कराने के लिए केंद्रीय सुरक्षा बलों का आगमन शुरू

रायपुर। प्रदेश में लोकसभा चुनाव संपन्न कराने हेतु केंद्रीय सुरक्षा बलों का राज्य में आगमन शुरू हो गया है। प्रथम चरण चुनाव

हेतु सीएपीएफ की कंपनियां रायपुर में आना शुरू हो गई है। रायपुर में आज सशस्त्र सीमा बल (एसएसबी) की कंपनियों के छत्तीसगढ़ आने पर वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक रायपुर संतोष कुमार सिंह के द्वारा उनका स्वागत करते हुए उन्हें लोकसभा चुनाव की सुरक्षा से संबंधित सभी महत्वपूर्ण तथ्यों को ब्रीफ किया गया। प्रदेश के बाहर से आए जवानों को प्रदेश की नक्सल चुनौतियों को बताते हुए उन्हें चुनाव दौरान नक्सल क्षेत्रों में तय एसओपी का पालन करने पर जोर दिया। साथ ही सामान्य मैदानी जगहों पर चुनाव के दौरान क्या करें व क्या न करें को विस्तारपूर्वक समझाया।

इस अवसर पर उपस्थित सीआरपीएफ के कमांडेंट विजय सिंह ने जवानों को नक्सल क्षेत्र में चुनाव दौरान अपनाए जाने वाले निर्देशों के बारे में बताया। डीएसपी लाइन निलेश द्विवेदी ने उनका हौसला अफजाई करते हुए उनको बल प्रबंधन के बारे में बताया। इस अवसर में एसएसबी के जवान और अधिकारी उपस्थित रहें।

आर.एन.आई.रजि. क्र. CHHHIN/2021/80529, स्वत्वाधिकारी, मुद्रक एवं प्रकाशक- शशांक शर्मा द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि., प्रेस कॉम्प्लेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) 492001 से मुद्रित एवं 29/1110, सेवती स्मृति, आजाद चौक, रायपुर (छ.ग.) 492001 से प्रकाशित। संपादक-शशांक शर्मा, मो. 94255-20531.